महानगर नई दिल्ली रविवार 9 जून, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

केरल में मानसून की दस्तक, तटीय इलाकों में झमाझम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

देश को करीब चार महीने तक बारिश में भिगोने वाले दक्षिण पश्चिमी मानसून ने केरल तट पर दस्तक दे दी है। लगभग हफ्ते भर की देरी के बाद दक्षिण पश्चिमी मानसून शनिवार को केरल तट पर पहुंचा और केरल व कर्नाटक के कई इलाकों में झमाझम बारिश शुरू हो गई है। अगले दो दिनों तक समुद्र तटीय इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं। उधर, मानसून के दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत पहुंचने के लिए अभी करीब महीने भर का इंतजार बाकी है। तब तक दिल्ली सहित पूरे पश्चिमोत्तर भारत में भीषण गर्मी का कहर जारी रहेगा।

दक्षिण पश्चिम मानसून से ही उत्तर और मध्य भारत सहित देश के अधिकांश इलाकों में बारिश होती है। मौसम विभाग के नवनियुक्त महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने मानसून के पूर्वानुमान के मुताबिक आठ जून को इसके केरल तट पर पहुंचने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि केरल के तटीय इलाकों में अच्छी मात्रा में मानसून की पहली बारिश दर्ज की गई।

विभाग ने पिछले महीने दक्षिण पश्चिमी मानसून के छह जून को केरल तट पर पहुंचने का अनुमान लगाया था। लेकिन केरल से लगे पूर्वी व दक्षिण पूर्वी अरब सागर के ऊपर पैदा हुए हवा के कम दबाव के क्षेत्र के कारण मानसून की रफ्तार सुस्त पड़ गई जिससे मानसून के केरल तट पहुंचने में करीब दो दिन की देरी हो गई। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली सहित पश्चिमोत्तर भारत में मानसून अपने तय समय से करीब तीन दिन की देरी से पहुंचेगा जबकि स्काइमेट का आकलन कहता है कि देश में मानसून के उत्तरी हिस्से में दस्तक देने में कम से कम हफ्ते भर बाकी पेज 8 पर

शनिवार को कोच्चि में बारिश से पहले का नजारा। अगले दो दिन तक केरल के तटीय इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं।

उत्तर भारत पहुंचने में भी होगा विलंब

भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली सहित पश्चिमोत्तर भारत में मानसून अपने तय समय से करीब तीन दिन की देरी से पहुंचेगा जबकि स्काइमेट का आकलन कहता है कि देश में मानसून के उत्तरी हिस्से में दस्तक देने में कम से कम हफ्ते भर की देरी होगी।

अगले महीने अंतरिक्ष युद्धाभ्यास करने की भारत की योजना

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

भारत ने अगले महीने पहली बार 'अंतरिक्ष युद्धाभ्यास' करने की योजना बनाई है। इसका नाम रखा गया है 'इंडस्पेसएक्स'। भारत ने मार्च में एंटी-सेटेलाइट (ए-सैट) मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था और हाल ही में 'ट्राई सर्विस डिफेंस स्पेस एजंसी' की शुरुआत भी की है। जुलाई में अभी तिथि तय होनी बाकी है।

इस अभ्यास में सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे। रक्षा मंत्रालय के एक आला अधिकारी के मुताबिक, 'अंतरिक्ष का सैन्यीकरण हो रहा है। साथ ही साथ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जुलाई के अंतिम हफ्ते में आयोजित होने वाले अभ्यास का मुख्य उद्देश्य भारत द्वारा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अंतरिक्ष व अंतरिक्ष-रोधी क्षमताओं का आकलन करना है। इससे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का आकलन भी होगा।'

अधिकारियों के मुताबिक, 'भारत को स्पेस में विरोधियों पर निगरानी, संचार, मिसाइल की पूर्व चेतावनी और सटीक टारगेट लगाने जैसी चीजों की आवश्यकता है। इससे हमारे सशस्त्र बल की विश्वसनीयता बढ़ेगी और राष्ट्रीय सुरक्षा भी मजबूत होगी। ऐसे में 'इंडस्पेसएक्स' हमें अंतरिक्ष में रणनीतिक चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा, जिन्हें संभालने की आवश्यकता है।'

चीन ने जनवरी 2007 में एक मौसम उपग्रह के खिलाफ ए-सैट मिसाइल का परीक्षण करने के बाद, दोनों गतिज (प्रत्यक्ष चढ़ाई मिसाइलों, सह-कक्षीय बाकी पेज 8 पर

● रूस से प्रस्तावित एस-400 मिसाइल प्रणाली सौदा रद्द करने पर एफ-35 देने का भी प्रस्ताव

मिसाइल प्रणाली की अमेरिका की पेशकश

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत को हथियारों से लैस ड्रोन की बिक्री को मंजूरी दे दी है और समन्वित हवाई व मिसाइल रक्षा प्रणाली बेचने की पेशकश की है। अमेरिका ने कहा कि इस पेशकश का उद्देश्य सामरिक रूप से महत्त्वपूर्ण हिंद - प्रशांत क्षेत्र में साझा सुरक्षा हितों में मदद करना है। हालांकि, उसने साथ में भारत और रूस के बीच प्रस्तावित एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली बाकी पेज 8 पर

मुख्य आरोपी की पत्नी और भाई भी गिरफ्तार

अलीगढ़, 8 जून (भाषा)।

जिले के टप्पल कस्बे में अबोध बच्ची की नृशंस हत्या के सिलसिले में दो और लोगों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी जाहिद की पत्नी और भाई को विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने सुबह गिरफ्तार किया। इससे पहले जाहिद (27) और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपी असलम के खिलाफ 2014 और 2017 में पॉक्सो अधिनियम के तहत कार्रवाई हो चुकी है। उस पर उत्तर प्रदेश के गुंडा अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। पॉक्सो का दूसरा मामला दिल्ली के गोकुलपुरी का है, जिसमें आरोपी ने नाबालिग का अपहरण भी किया था। अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश कुलहरि ने पुष्टि की कि जो दो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से असलम का आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ गुंडा एक्ट लग चुका है और नाबालिगों के साथ यौन अपराध के लिए दो बार कार्रवाई हुई है।

कुलहरि ने पुष्टि की कि जो दो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से बाकी पेज 8 पर

टप्पल कांड

● पकड़े गए आरोपियों में से एक का रहा है आपराधिक रिकार्ड

● नाबालिगों के साथ यौन अपराध को लेकर हो चुकी है दो बार कार्रवाई

आतंकवाद पर पानी सिर से ऊपर : मोदी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

मालदीव की एक दिवसीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां की संसद 'पीपुल्स मजलिस' में अपने संबोधन के दौरान आतंकवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि किसी देश द्वारा आतंकवाद का राजकीय पोषण (स्टेट स्पांसरशिप) क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और कट्टरता से निपटना विश्व बिरादरी की सबसे बड़ी चुनौती है। अपने भाषण में उन्होंने कर्ज के जाल में देशों को फंसाने की चीन की चाल पर भी निशाना साधा। चीन के मद्देनजर मालदीव को संदेश देते हुए मोदी ने कहा कि हम मित्र हैं और मित्रता में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता है। भारत की विकास साझेदारी सशक्त करने के लिए है, उन्हें कमजोर करने, खुद पर निर्भरता बढ़ाने या भावी पीढ़ियों पर कर्ज का बोझ लादने के लिए नहीं है।

माले में मालदीव की संसद में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का ब्योरा विदेश मंत्रालय ने जारी किया। वहां मोदी ने आतंकवाद पर कहा कि पानी सिर से ऊपर निकल गया है। आतंकवाद दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि आतंक को प्रश्रय देने वालों को इसे बंद करना होगा। आतंक पूरी मानवता के लिए खतरा है। यह दुर्भाग्य है कि लोग अब भी अच्छे आतंकी और बुरे आतंकी का भेद करने की गलती कर रहे हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए सभी मानवतावादी शक्तियों का एकजुट होना जरूरी है।

मजलिस में बाकी पेज 8 पर

मालदीव की राजधानी माले में शनिवार को भारतीय समुदाय से मिलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मालदीव में प्रधानमंत्री को सर्वोच्च सम्मान

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

मालदीव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदशी हस्तियों को दिए जाने वाले देश के सर्वोच्च सम्मान 'द मोस्ट ऑनरेबल ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन' से सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पूरे भारत का सम्मान है। अपने बाकी पेज 8 पर

'देश ने नकारात्मकता को खारिज किया'

गुरुवायूर (केरल), 8 जून (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा में भरोसा जताने के लिए मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए शनिवार को कहा कि राजनीतिक दल और राजनीतिक पंडित लोकसभा चुनाव से पहले जनता के मूड को भांपने में नाकाम रहे। लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रचंड जनादेश के साथ सत्ता में आई है।

लगातार दूसरी बाकी पेज 8 पर

वायनाड में राहुल

वायनाड कलेक्ट्रेट में शनिवार को समस्याएं सुनते कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सच्चाई और प्यार के साथ खड़ी थी : राहुल - खबर पेज 8 पर

जनसत्ता बारादरी

लोकसभा चुनाव में बड़ी हार के बाद कांग्रेस को जल्द ही हरियाणा में विधानसभा चुनाव से जूझना है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक तंवर का कहना है कि अब हमारे यहां कद और पद नहीं कांग्रेस बचाने की लड़ाई है।

विधानसभा चुनावों में मजबूत इरादों से उतरने का दावा करने वाले तंवर से विस्तृत बातचीत पढ़ें जनसत्ता बारादरी में पेज 7 पर

जीजेएम के 17 पार्षद भाजपा में शामिल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) के 17 निगम पार्षद शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। ये सभी 17 पार्षद दार्जीलिंग स्थानीय निकाय से हैं। लोकसभा चुनाव से पहले से ही पश्चिम बंगाल के दलों व तृणमूल कांग्रेस से नेताओं के भाजपा में आने का सिलसिला जारी है। 2021 में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने को तृणमूल कांग्रेस के लिए एक झटका माना जा रहा है।

इन निगम पार्षदों के पार्टी में शामिल होने के बाद अब भाजपा को स्थानीय निकाय में बहुमत मिल गया है। पार्टी में शामिल होने वाले सभी पार्षदों को भाजपा का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। भाजपा नेता मुकुल रॉय ने पार्षदों को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराने के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। रॉय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जनप्रतिनिधियों और उनके समर्थकों को उत्पीड़ित करने के लिए पुलिस के इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में लोकतंत्र बचाने की हमारी लड़ाई जारी है। लोकसभा चुनाव में जनादेश मुख्यमंत्री के खिलाफ था, लेकिन अब वह भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को परेशान करने के लिए पुलिस राज का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 32 सदस्यीय दार्जीलिंग नगर निगम में भाजपा अब बहुमत में है। निगम की दो सीटें खाली हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा आने वाले दिनों में यहां बड़ा प्रदर्शन करेगी। ये तृणमूल कांग्रेस को एक बड़ा झटका है। इससे पूर्व टीएमसी के दो विधायक व 50 पार्षद भाजपा में शामिल हो गए थे। पार्टी ने उस समय भी आगे चलकर और नेताओं के पार्टी में शामिल होने का एलान किया था।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रभारी और पार्टी महासचिव बाकी पेज 8 पर

● पालाबदल से 32 सदस्यीय दार्जीलिंग नगर निगम में भाजपा अब बहुमत में

● इन निगम पार्षदों के पार्टी में शामिल होने के बाद अब भाजपा को स्थानीय निकाय में बहुमत मिल गया है।

अध्यक्ष को हटाए जाने के तत्काल बाद कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर बैंक मुख्यालय पर सतर्कता विभाग ने मारे छापे

श्रीनगर, 8 जून (भाषा)।

परवेज अहमद को जम्मू-कश्मीर बैंक के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के तुरंत बाद राज्य के सतर्कता कर्मियों ने शनिवार को यहां बैंक के मुख्यालय पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि सतर्कता संगठन करीब 1200 नियुक्तियों के रिकॉर्ड को देख रहा था। ये नियुक्तियां राज्य की पूर्ववर्ती पीडीपी-भाजपा सरकार के राजनीतिक आकाओं के कहने पर अहमद के कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर की गई थीं।

सतर्कता कर्मियों ने यहां बैंक के एमए रोड के कॉरपोरेट मुख्यालय पर छापेमारी की। राज्य सरकार द्वारा अहमद को बर्खास्त करने और कार्यकारी अध्यक्ष आरके छिब्बर को अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त करने के तुरंत बाद छापेमारी की गई। छिब्बर को अहमद के स्थान पर नियुक्त किया गया है, जिन्हें 2016 में जम्मू-कश्मीर बैंक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

अतिरिक्त सचिव (वित्त) विशाल शर्मा की तरफ से यहां जारी आदेश में बताया गया- 'अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक परवेज अहमद बैंक के निदेशक बाकी पेज 8 पर

दरअसल

39 ट्रेनों में 15-20 दिनों में उपलब्ध होगी सेवा | **रेलवे की पहल** | 100 से 300 रुपए होगा मालिश कराने का शुल्क

अब चलती ट्रेन में मिलेगी मालिश की सुविधा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

देश में चल रही 39 ट्रेन सेवाओं में अब यात्रियों के लिए मालिश की सुविधा उपलब्ध रहेगी। चलती ट्रेन में यात्रियों को आरामदायक सफर उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने पहली बार यह सेवा शुरू करने जा रहा है। 15-20 दिन में यह सुविधा यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। इस सेवा के लिए ट्रेन में 4-5 कर्मचारियों की तैनात होंगे, जो यात्रियों को उनकी सीट पर जाकर सिर व पैरों की मसाज उपलब्ध कराएंगे। रेल मंत्रालय का मानना है कि इससे जहां एक तरफ यात्रियों को सुविधा होगी, वहीं दूसरी तरफ से रेलवे की आमदनी में भी इजाफा किया जा सकेगा।

यह पहल रेल मंत्रालय के पश्चिमी क्षेत्र के रतलाम मंडल से शुरू हो रही है। रेलवे के इतिहास में यह पहला मौका है, जब सामान्य सेवा में भी मसाज सुविधा उपलब्ध होगी। रेल मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक रेलवे ने अपने अन्य स्रोत के माध्यम से आय बढ़ाने के इरादे से यह पहल की है। यह सेवा महानंदा एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस, सुल्तानपुर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में मिलेगी।

रेलवे के मुताबिक इस पहल से प्रतिवर्ष करीब 20 लाख की अतिरिक्त आय होने और करीब 90 लाख की अतिरिक्त टिकट की बिक्री होने की संभावना है। रेलवे ने अपने अधिकारियों से ऐसे ही नए-नए आइडिया लेकर आने को कहा है ताकि उन्हें लागू कर रेलवे की आय बाकी पेज 8 पर

15 से 20 दिन में यह सुविधा यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी

20 लाख की अतिरिक्त आय होने की संभावना है इस पहल से सालाना

04 से 5 कर्मचारी तैनात होंगे इस सेवा के लिए ट्रेन में

● अब तक यह सुविधा केवल पैलेस ऑन वील्स, महाराजा एक्सप्रेस आदि में थी

जनसत्ता रविवारी

9 जून, 2019

एवरेस्ट का पहाड़ जैसा दुख

एवरेस्ट पर चढ़ कर झंडा गाड़ देना किसी भी पर्वतारोही के लिए बड़ी उपलब्धि होती है। बर्फीले तूफान की वजह से कई बार पर्वतारोहियों की जान पर बन आती है। यहां पहुंचने से जुड़े तथ्यों का विश्लेषण कर रहे हैं अभिषेक कुमार सिंह।

● **कहानी:** कमलेश भारतीय ● **ललित प्रसंग:** पंकज पराशर ● **शख्सियत:** एक जनूनी कलाकार की याद/चंद्र त्रिखा ● रामप्रसाद बिस्मिल ● **दाना-पानी:** मानस मनोहर ● **सेहत:** बालों का घरेलू उपचार।

बढ़ाएं घर की खूबसूरती
● अनुजा भट्ट
● **कहानी :** आशा शर्मा
● **कविता :** सूर्यकुमार पांडेय

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I,Vikash Madan Kumar S/o sh. Madan Kumar R/o flat-no.S5-1404 ELDECO Amantran sector-119,Noida GB NAGAR UP have changed my name to Vikash Kumar. 0040498661-1

I,Rajbala W/o Satbir Singh Kadian R/o-Villa.No F2/56 Block-F Park Land sector-88, Faridabad have changed my name to Rajbala Kadian. 0040498623-8

I,Priti Sarraf W/o Amit Kumar Sarraf R/o Flat No.C-122, Windsor Assotech Park, Indirapuram,Ghaziabad have changed my name to Priti Kumari Sarraf forever. 0040498600-1

I,Nirmala Satish Mehta W/O-Satish Mehta R/O-H-105,First Floor,Shivaji Park,West Punjabi Bagh,New Delhi-110026,Have Changed My Name To Nirmal Mehta For All,Future Purposes. 0040498467-2

I, Devender Kumar S/o Late Sh. Harbans Lal R/o 3026/7A/4 Near Shiv Chowk Mandir Ranjeet Nagar New Delhi-110008 have changed my name from Davender Kumar to Davinder Kumar in future. I shall be called Davinder Kumar for all purposes. 0040498639-1

I, Charanjit Kaur W/o Sh.Chandra Prakash Chowdhary R/o Barrack. No.24/1, Upper Anand Parbat, Karol Bagh New Delhi-110005 affirm that the name Charanjit Chowdhary & Charanjit Kaur is one person. My Name in future for all purposes will be Charanjit Kaur. 0040498639-2

I,Ambikha Tiwari S/O-Dinesh Tiwari R/O-Village kusholi, P.O.Rajapur,Thesil Lalganj, Distt.Pratapgarh UP-230125, have changed my name Ambikha Tiwari to Ambika Tiwari and DOB also changed from 28th January 1999 to 20th July 2001,for all future purposes. 0040498467-1

I, Vikas Rohella S/o Sant Ram Rohilla R/o 6/17 Mohalla Maharam Shahdara Delhi-32 changed my name to Vikas Rohilla. 0040498623-6

I, Venkata Sai Ammu Swati R/o D-141, Dlf Regal Gardens, Sector 90, Gurgaon, Haryana-122505 have changed my name to Venkata Sai Swati Ammu. 0070659567-1

I, Velangani D/o Namdev R/o 11, Don Basco Colony, Shyam Enclave, Gopal Nagar, Dhansa Marg, Najafgarh Delhi-110043, have change my name from Velangani to Velanganni Vivean for all future purposes. 0040498604-1

I, Veena W/o Inderjeet Singh Residence-C-6/16 Guru Arjun-Nagar Jagadhri Yamuna Nagar Haryana. have changed my name to Puneet Kaur. 0040498624-7

I, Vaishali D/o Naresh Kumar Verma R/o 478,Tahir Pur Sarai, Jhilmil, Delhi-110095 have changed my name to Vaishali Verma. 0040498623-4

I, Tannu D/o Shri Yogender R/o House No-132, Shyam Vihar, Phase-I, Deendarpur, Najafgarh, New Delhi-110043 have changed my name from Tanisha to Tannu for all future purposes. 0040498595-1

I, Sheetal Rajbeer W/o Amit Kumar R/o. Quater.No.9, Double-Story,P.R.Lane, Khan-Market, Lodhi Road, Delhi-110003.have changed my name to Sheetal. 0040498621-1

I, Shashi Bala W/O Roshan Gupta R/o U-11/20, Dlf Phase-3, Gurgaon, had changed my name to Shashi Gupta after marriage for all purposes. 0040498674-1

I, Rupali W/O, Manish Kumar Jha R/O-Rz-134, Gali.No-5, Shyam-Enclave, Dindarpur, Najafgarh, Delhi-43.Have Changed My Name To Rupali Jha,For All Purposes. 0040498648-1

I, Ram Ashrey,S/O Late. Brijmohan R/O-Type - 2/35,TAPTI Apartment, Schedule-B,President Estate, Rashtrapati Bhawan,New Delhi-110004.My Both Name Ram Ashrey And Ram Asre Is The One And Same Person. 0040498621-5

I, Raj Dubey,W/o Gautam Dubey R/o-H.No.241 Ashoka-Enclave Part-1,Faridabad, inform that before marriage my name was Rajvati but after marriage I,have changed my name as Raj Dubey for all purposes. 0040498648-3

I, Paramjeet Kaur R/o D-902, New Rajput CGHS, Sec-12, Plot No.-23, Dwarka- 110078, New Delhi have changed my name to Paramjeet Marwah. 0070659571-1

I Kusum W/o Prashant Mittal R/o-34/181,Trilok Puri, Delhi-110091. Have changed my name to Shivani for all future purposes. 0040498648-2

I Jyoti Masih Daughter of Virender Singh Chauhan R/o House.No.68, Ground Floor, Sector-16, Faridabad,have changed my name,from Jyoti Masih to Jyoti Chauhan for all purposes. 0040498621-6

व्यक्तिगत

I, Om Maya W/o Sushil Keshi R/o House-196 Pitampura Village Near Shiva Market Delhi-110034, have changed my name to Om Maya Keshi permanently. 0040498617-2

I, Niharika Sharma D/o Sunil. Sharma R/o Shri Radha-Krishna Mandir K-Block J.J.Colony Wazirpur Delhi-110052.inform that my Parents name wrongly mentioned Surendra Sharma and Renu Sharma in my Educational-Documents but Parents Correct name is Sunil Sharma and Reeta Sharma. 0040498621-2

I, Neelam Kumari W/o Sanjay R/o A-4, Deepak Vihar Extension Hastal, Uttam Nagar, West Delhi-110059 have changed my name from Neelam Kumari to Naina Devi for all purposes. 0040498598-2

I, Naresh Kumar s/o hari singh varma r/o-478, Tahir Pur Sarai,Jhilmil, Delhi-110095, have changed my name to Naresh Kumar Verma. 0040498621-8

I, Mohd Firoz Ahmed S/o Abdul Sattar R/o Flat No.Y-29A, New Ranjit Nagar, New Delhi-110008 have changed my name to Abdullah for all purposes. 0040498408-1

I, Manjit Singh S/o Kartar Singh R/o 17/10C, 3rdFloor, Motinagar, N.Delhi-110015.have changed my name to Manjeet Singh permanently. 0040498632-2

I, Madhurima D/o Ramesh Khirbat R/o Flat -409 Pocket-C-8 Sector-8 Rohini, Delhi, have changed my name to Madhurima Khirbat permanently. 0040498617-3

I, Madhu Bala/Madhu Verma, W/o Naresh Kumar Verma R/o-478,TahirPur Sarai, Jhilmil,Delhi-110095,have changed my name to Madhu Rani. 0040498623-3

I, Keertaka W/o Avadhesh Pratap Singh Sengar R/o Vill Bahera Post Mahewa Distt Etawah UP-206128, have changed my name to Keertika for all purposes. 0040498633-1

I, Katar Singh Malik S/o Om Prakash Malik R/o House-87 Ward-10 Gali-6 Vishnu Nagar Gohana Sonipat, Haryana, have changed my minor daughter's name from Anshu Katar Malik to Anshu Malik permanently. 0040498617-1

I, Jyoti Agrawal W/O, Mayank Agrawal R/o 1st Floor, 1466 , Park Enclave , Hbc, Sector 31, Gurgaon, have changed my name to Jyoti Gupta for all purposes. 0040498628-1

I, Jasmine Johnny Lawrence W/o Johnny Lawrence R/o-20/G, Pocket-K, Sheikhsarai, Phase-II, N.Delhi-110017 have changed my name to Jasmine Lawrence. 0040498632-3

I, Hunny,S/o Sh.Jai Bhagwan R/o-476,Katra Rewari-Wala, Subzi-Mandi, Delhi-110007. inform that name of mine and my father has been wrongly-written as Hunny Shakya and Jay Bhagwan Shakya in my 10th and 12th-class mark-sheet and certificate.The actual name of mine and my father is Hunny and Jai Bhagwan, which may be amended accordingly. 0040498624-6

I, Hukam Chand Yadav retired Petty Officer (Indian Navy) PPO- N/S/1565/80, R/o RZ-7A, Gali No-4, Ashok Park, West Sagar Pur, New Delhi, informs that in my PPO my wife's name is wrongly mentioned as Phul Pati Yadav, But actual name is Phool Wati which may be amended accordingly for future purposes. 0040498616-1

I, Gunjan W/o Praveen Babbar R/o 10377, Bagichi Peerji, Near Subzi Mandi Railway Station, Delhi-110007 have changed my name to Kashish Babbar permanently. 0040498405-1

I, Dinesh Chander Bali, S/o Late Sh. R. C. Bali R/o B-113, Niti Bagh, New Delhi-110049 have changed my minor son name from Chaitanya Chandra Bali to Chaitanya Chander Bali for all purposes. 0040498598-1

I, Avi Gupta S/o Sh. Ram Bilas Gupta R/o B-512, Gali no-4, Majlis Park, Delhi-110033 have changed my name from Avi to Avi Gupta for all future purposes. 0040498589-1

I, Ankit Sharma S/o Kushal Kumar Sharma R/o-Qtr.No.72B M.B.Road Pushp-Vihar Sec-4 Malviya-Nagar New-Delhi.inform that my mother's name wrongly-mentioned Renu Sharma in my 10th and 12th class marksheet certificate but mother correct name is Rameshwari Sharma. 0040498648-4

I, Anju W/o Sh. Ram Bilas Gupta R/o B-512, Gali no-4, Majlis Park, Delhi-110033 have changed my name from Anju Bilas Gupta/Anju Bilas to Anju for all future purposes. 0040498591-1

I Bhagwant Dass Gupta/B.D.Khurana S/O-Ganpat Ram R/O-E-19 Mohan-Garden, Uttam Nagar New Delhi-110059, Have Changed My Name To Bhagwan Dass. 0040498624-4

I Aneeta Yadav,W/o Ajay Kumar Yadav,D/o Shivpujan Yadav R/o-1/6137, Gali.No.2, East Rohtash-Nagar, Shahdara,Delhi-110032.have Changed my name,from Aneeta Yadava to Anita Yadav.for all future purposes. 0040498621-3

मैं ''प्रदीप कुमार अग्रवाल'' आयु 50 साल पुत्र स्वर्गीय श्री पदम चंद अग्रवाल, निवासी 34/61 वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026 को ''प्रदीप अग्रवाल'' के नाम से भी जाना जाता है। आज के बाद मैं सभी उदेश्यों के लिए ''प्रदीप कुमार अग्रवाल'' के नाम से जाना जाऊंगा।

I, Akshay Sharma S/o Kushal Kumar Sharma R/o.Qtr.No.72B M.B.Road Pushp-Vihar Sec-4 Malviya-Nagar New-Delhi inform that my mother's name wrongly-mentioned Renu Sharma in my 10th and 12th-class marksheet certificate but mother correct-name is Rameshwari Sharma. 0040498648-5

I, Aishwarya Rajawat D/o Vishambhar Singh Rajawat R/o-51 T.F C-Block Jeevan-Park Uttam-Nagar Delhi-110059.changed my name to Aishwarya Singh Rajawat. 0040498621-4

I, Aditi D/O Parveen Kumar R/O-50, Data Ram Apartment, Sector-18, Rohini, Delhi-89 Changed My Name To Aditi Chaudhary. 0040498623-1

I V. Malathy, W/o V Venkateswaran R/oH.No.-69A, Sadhna, Sector-2B,Vaishali, Ghaziabad, U.P.201010, changed the name of my minor son V Vikneshvar to Vikneshvar Venkateswaran aged-16. 0040498632-1

I V Navena D/o V Venkateswaran R/o H NO.69A, Sadhna, Sector-2B,Vaishali, Ghaziabad, U.P.-201010, changed my name to Navena Venkateswaran. 0040498648-6

I Sonia Arora,W/o Jitender Arora R/o.H.No.2012,Sector-23A.declare that in my matric-certificate my DOB is wrongly-mention 05.01.1979 but my correct-DOB is-06.01.1979. 0040498621-7

I Satbir Singh S/o Shanker Lal R/o-Villa.No-F2/56 Block-F Park Land Sector-88 Faridabad have changed my name to Satbir Singh Kadian. 0040498624-1

I Priyanka Lekhi,W/o Vivek Adab R/o 321 Gali.No.2 Jharoda-Extn. Phase-2, Burari Delhi-110084, have changed my name to Priyanka Nirankari. 0040498624-5

I,Punit Phool S/o.Tilak Raj Phool R/o-WZ-68,4th floor Mukherjee Park Delhi-18, have changed my name to Puneet Phool. 0040498623-7

I Priya Singh Paul D/o Sheila Singh Paul R/o H No.3, A-25,Neeti Bagh, Gulmohar Park, New Delhi-110049, changed my name to Priyadarshini Gandhi. 0040498624-3

I Alka Ganpat Chouhan W/o Sant Gaurav R/o RZF-544 Gali No.-42 Sadhnagar-2 Palam Colony Delhi-45 have changed my name to Alka Chouhan. 0040498623-5

I, Varidh Goel S/O Govind Kumar Goel R/O I-2/48-49, Sector-16, Rohini, Delhi-85 Changed My Name To Varid Goel. 0040498623-2

रिक्त स्थान

Urgent Requirement Of Accountant/ Junior Accountant, Fresher Can Apply. BA/4A Janak Puri Nd:58. 9811555561, 9891987974 0050149695-1

सार्वजनिक सूचना

मैं नितिन अग्रवाल सुपुत्र श्री मान एस.बी. अग्रवाल। मै. ये स्पष्ट करता हूँ कि नितिन अग्रवाल उर्फ अकाश अग्रवाल दोनों मेरे ही नाम हैं। अगर किसी (व्यक्ति या बैंक या संस्थान या किसी और) का किसी भी तरह का (लेना देना या कर्ज या लोन या कुछ और) नितिन अग्रवाल या अकाश अग्रवाल से है या था या होगा। तो उसका पूर्ण तरह से मैं जिम्मेदार होऊंगा।
मै. ये भी स्पष्ट करता हूँ कि मैंने आज तक अपने दो नाम का कोई भी दुर्र उपयोग नहीं किया है ना ही मैंने कभी कोई लोन या ऋण लिया है, न ही कभी दो मतदान किये हैं ना ही सरकार द्वारा किसी भी तरह का कोई लाभ उठाया है।

PUBLIC NOTICE

It is informed to general public that my clients Sd. Kirpal Singh S/o Late S. Makhan Singh & Mrs. Harvinder Kaur W/o Sd. Kirpal Singh both R/o 20-B/113A, Tilak Nagar, New Delhi-18 have debarred/disowned their Son Gurpreet Singh & his wife Harmeet Kaur from all their movable & immovable properties and severed all relations with them due to their misdeeds causing defame, humiliation, insecurity & terror for my clients. Any person dealing with them shall do so at his/her own cost & responsibility. My clients shall not be responsible for their any act & deed.

Adv Ishvinder Singh, K-23 Fateh Nagar, Delhi 9811773177

PUBLIC NOTICE

Public at large is informed that my client Govind Kaur wife of Late Karan Singh resident of F-93, F-block, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 has disowned/debarred her son namely RAVINDER SINGH and his wife AMRITA KAUR from her movable and immovable properties due to his/their disrespectful behavior, out of control and has severed her relations with them for all intents and purposes with immediate effect, Anybody he/ they deals with them will do so at his/her/their own risk and responsibility.

Sd/-
Ashok Kumar Tyagi & Associates
Advocates
A-3, Main Najafgarh Road, Uttam Nagar, New Delhi-110059

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that the original Documents of the property bearing Plot No. 20, Road No. 26, East Punjabi Bagh, New Delhi-110026 are discovered missing/lost and this is to inform the public in general not to enter into any deal with any person presenting the said original documents and that any transaction with such person/s will be void if anybody does that without my consent and permission.

1. Original Registered Sale Deed Dated 12.02.1962 in favour of Sh. Daulat Ram Dhingra pertaining to Property Plot No. 20, Road No. 26, East Punjabi Bagh, New Delhi admeasuring 659.72 Sq. Yards along with Site Plan.
2. Original Partition Deed Dated 24.08.1987 in respect of Property Plot No. 20, Road No. 26, East Punjabi Bagh, New Delhi Between Siddharth Dhingra, And Madhur Dhingra & Gaurav Dhingra.
3. Original Sanctioned Plan Dated 10.08.1987 in respect of Property Plot No. 20, Road No. 26, East Punjabi Bagh, New Delhi.

Siddharth Dhingra
S/o Late Sh. O.P. Dhingra
House No. 20A, Road No. 26,
East Punjabi Bagh, New Delhi-110026

S.M. BHASKER (Advocate)
B-3, Lajpat Nagar-III, New Delhi-24

खोया+पाया

I Satwant Kaur W/O.Tarlok Singh R/O.D-685 C.R.park, New-Delhi-110019.have lost my original-property papers of address-plot.no.9, Block-P, khasra.no.25/17, village-Rzapur Khurd, plot size-500 sq.yards, 3-side. 0040498648-7

I, Akash Bhargava S/o-shashi Bhargava. R/o-640 Rangpuri, new-Delhi-37. have lost my original-certificate class-10th (2009) Rollno-6166646 Class-12th (2011) Rollno-9160890 c.b.s.e-Delhi. 0040498632-5

I, Ayushi Bhutani D/o Sandeep Bhuatani R/o-380 st.no-16 east Azad nagar Delhi-51.have lost my original-certificate class-10th year-2017 Rollno-8160792 c.b.s e-Delhi. 0040498632-6

I, Nikhil s/o-Daya shankar R/o.H.no-c77a new Gautam-colony Narela Delhi-40.have lost my original-Duplicate certificate class-10 (2010) Rollno-6364419 class-12th (2012) Rollno-9660622 c.b.s.e-Delhi. 0040498632-4

I, Parul D/o Ajit Singh R/o.h.no-17 mangolpur kalan sec-2 Rohini,Delhi-85.have lost my original-certificate class-10th year-2012 Rollno-8153990 c.b.s.e-Delhi. 0040498632-8

I, Prabhaat Gupta S/o Late Fateh Chand Gupta R/o C-1/31, Rajasthali Apartment, Pitampura, Delhi-110034, would like to inform the General Public that, I have lost Allotment Letter & Possession Offer Letter of my property GAM-122, DLF New Town Heights, Sector-86, Gurugram, Haryana. Finder please inform me at my above residence address or on my mobile no. 9811062656 within 15 days from the issue of this ad. 0040498669-1

I, Rahul Oberai S/o Ravinder Oberai C-2C, Pocket-2, Plot No. 100, Janakpuri, New Delhi-58, have lost my 10th Certificate Roll No. 6167224 (2010), 12th Certificate Roll No. 9159109 (2012), BBA Certificate Roll No. 04114901812 (2015), Passport No. M8587103. 0040498615-1

I, Sanskar singhal s/o Dinesh singhal R/o 27/24 st.no-9 vish-was-nagar shahdara Delhi-32,Have lost my original-certificate Class-10th year-2017 Rollno-8150372 c.b.s.e-Delhi. 0040498632-7

It is notified for the information that my Original/ Duplicate Qualifying Examination Certificate of Main/Compartment Secondary ,Senior Secondary Examination of Year 2016 and Roll No.8636989 issued by CBSE has been actually lost/destroyed/mutilated. Name of the candidate ASHUTOSH Full Address/Tel. E/408/st no-05 West Karawal Nagar Delhi-110094 mob-9654594399 0040498679-2

I Amarjit Kaur W/O.Jagtar Singh R/O.D-685 C.R.park, New-Delhi-110019.have lost my original property papers of address-plot.no.18, block-P,khasra no.25/18, village-Rzapur khurd, plot.size-500 sq.yards, 3-side. 0040498648-8

It is notified for the information that my original Marksheet of main Senior Secondary Examination of year 2019 having Roll No. 9124381 issued by CBSE has been actually lost. Name: Pranit Mathur Address: B-83, Surya Nagar, Ghaziabad, (U.P.). 0050149895-1

LOST AND FOUND

I, Parveen Kumar S/o Laxmi Dass R/o KD-201, Pitampura, Delhi-110034, have lost Property papers bearing Plot No.1 measuring 200 sq. yds. situated in Block-E at Satyawati Nagar, Village Sadhora Kalan, Delhi, i.e. Original and Additional copy of partition deed date 18/02/2000 executed by Mr. Praveen Kumar Sidana (Southern side half portion show as red colour measuring 100 sq.yds.) and Mr. Naveen Kumar Sidana (Northern side half portion shown as green colour measuring 100 sq. yds.) in respect of the said property duly registered with the concerned sub-registrar Delhi sa document no.1814 in addl. book no.1, volume no.955 on pages 184-189, on 18/02/2000, vide FIR dated 07-06-2019.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to all General Public that my Clients Sh.Ramful S/o Sh. Hukam Chand and his wife Smt. Munni Both R/o 183 K-63, Panchsheel Colony, Sahibabad, Ghaziabad, (U.P.) have severed all their relations and connection with their Son "Sumit" and his wife "Smt. Reena" due to their unsocial activities, misbehavior and also deprived them from inheriting any kind of moveable of immoveable properties. My clients shall not be responsible for their acts, omissions and overt-acts in any manner whatsoever

Sd/-
Rahul Verma
Advocate
Ch No. 625, Western Wing, Tis Hazari Courts Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my clients **Mohan Wati** w/o Mahinder Singh, **Raj Kapoor** S/o Mahinder Singh **& his wife Sunita,** all residents of 6791, Quila Kadam Sharif, Balmiki Mandir, Nabi Karim, Pahar Ganj, New Delhi-110055, **disowned SHIVANI GAHLOT her husband Monu, their to be children,** from all movable immovable properties as she is have abusing and quarreling with my clients and other family members and my clients have broken all relations from them and my clients have no concern with any liabilities or any transactions belongs to them in any manner.

Sd/-
G.L. GOSWAMI
(Advocate)
3530, Qutab Road, Delhi-06

PUBLIC NOTICE

PUBLIC AT LARGE IS HEREBY INFORMED THAT MY CLIENT SH. DHAWAR SAHNI S/O RAM AVTAR SAHNI R/O H. NO.- 1338 BLOCK-T MANGOLPURI S-BLOCK DELHI-110083 HAS SEVERED ALL HIS RELATIONSHIP WITH HIS SON NAMELY RANJEET S/O DHAWAR SAHNI DUE TO HIS ACT, CONDUCT AND BEHAVIOUR AND HIS INVOLVEMENT IN UNLAWFUL ACTIVITIES AND THUS HAS DISOWNED/ DISINHERITED HIM FROM ALL HIS MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES FOR ALL TIME TO COME WHICH MY CLIENT SHALL BE HAVING AT THE TIME OF HIS DEATH. ANYBODY DEALING WITH HIM SHALL BE DOING SO AT HIS/HER/THEIR OWN COST, RISK AND CONSEQUENCES.

Sd/-
GHANSHYAM MISHRA (Advocate)
Ch. No. B-131, B.G.S. Block, Tis Hazari Courts, Delhi-54

भाजपा में संगठन चुनावों से पहले अमित शाह ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

भाजपा में संगठन के चुनावों से पहले पार्टी अध्यक्ष अमित शाह ने 13 और 14 जून को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के संगठन से जुड़े प्रमुख नेताओं की बैठक बुलाई है।

पार्टी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि बैठक में सांगठनिक मामलों के प्रभारी नेता शामिल होंगे। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पार्टी की इकाइयों में संगठन के चुनाव हरियाणा और महाराष्ट्र राज्यों में विधानसभा चुनावों के साथ हो सकते हैं। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

शाह का तीन साल का कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हो चुका है लेकिन पार्टी ने उनसे संगठन के चुनाव होने तक कामकाज संभालने को कहा। लोकसभा चुनावों पर ध्यान देने की वजह से संगठन के चुनाव टाल दिए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में शाह के शामिल होने के बाद अटकलें हैं कि वह पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ देंगे। भाजपा ने अभी तक इस विषय पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान भी चलाएगी जिसके बाद राज्यों में उसके अध्यक्षों का चुनाव होगा। इस पूरी प्रक्रिया के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाएगा।

● सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पार्टी की इकाइयों में संगठन के चुनाव हरियाणा और महाराष्ट्र राज्यों में विधानसभा चुनावों के साथ हो सकते हैं।

PUBLIC NOTICE

It is notified to General Public that my client Sh. Sonveer Singh s/o Sh Vasudev and his wife Smt. Rajkumari both r/o House No. 4 B, Kh. No. 62/2, Krishan colony, Pehlad Pur Bangar, Delhi-110042, disowns and disinherit, their daughter respectively Smt. Lokesh @ Preeti and her husband Sh. Parminder Singh @ Sagar r/o 77A, Chander Vihar, Nilothi Extension, New Delhi from all their moveable and immoveable properties for all times to come. My aforesaid clients has no concern with them. Anyone dealing with him shall do so at his own risk and responsibility and my client shall not in any manner be liable for any act and deed of the said persons.

Sd/-
MAN MOHAN GOEL
(Advocate)
Ch No. B-39-40, B.G.S. BLOCK, Tis Hazari Courts Delhi-54

The Indian EXPRESS Classifieds FROM ANYTHING TO EVERYTHING

EXPRESS EDUCATION

YDM
Y.D. Misra's IAS
GENERAL STUDIES PRELIM-CUM-MAIN
IAS : 2020-21 (HINDI & ENGLISH)
3 दिवसीय नि:शुल्क कार्यशाला
JUNE 10 | 11 | 12 11:30am
VENUE : A-7, Jai Tower, First Floor, Commercial Complex, Near Chawla Restaurant Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
G.S. MAIN EXAM-2019
JOIN 60 DAYS SPECIAL BATCH
16 G.S./Essay Tests
100 Focused Talks/ Explanation
Work hard, Believe yourself and us | Let success be yours
(Hindi & English) Begins on JUNE 10 | Time: 11:30am
ENQUIRY OFFICE : 625, First Floor, Main Road, Near Aggarwal Sweet , Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
011-43045306 | 8929430710 | 8929630710

ECONOMICS OPTIONAL
by Ravindra N. Jha
CSE - 2018 RESULT
AIR-29 AIR-43 AIR- 48 AIR- 97
AIR-102 AIR- 162 AIR- 222 AIR- 290
AIR- 432 AIR- 538 AIR- 629 AIR-725
TEST SERIES 16 JUNE
New Batch OFFLINE & ONLINE BOTH 10 JUNE
BLISS POINT STUDIES®
join the best ... to do your best
North Delhi 2453, Hudson Line
9811343411, 9811343938, 9811343464

ALL YOU NEED TO KNOW ABOUT IAS & HOW TO CRACK IT
CONTACT FOR FREE COUNSELLING SESSION
Shubham Gupta AIR-6, 2018
Batches Start 10th June 2019
Personalised Coaching in Small Batches
Weekend Batches Available
NIRVANA IAS ACADEMY
www.nirvanaias.com
ROHINI: H-17/262, Near Rohini West Metro Station, (Opp. Metro Pillar No.424), Sector - 7, Rohini, New Delhi - 85.
TILAK NAGAR: 30/4, Ashok Nagar, Near Tilak Nagar Metro Station, Gate No- 3, New Delhi - 18.
Ph: 011-47032447, 011-25121005, 9990471004, 9990471005.
Kindly Register yourself for the Counselling Session
Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

प्रशांत किशोर के संगठन के काम से जद (एकी) का कोई वास्ता नहीं : नीतीश

पटना, 8 जून (भाषा)।

बिहार के मुख्यमंत्री और जद (एकी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की संस्था इंडियन पॉलीटिकल एक्शन कमेटी (आइपैक) के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए काम करने को लेकर शनिवार को कहा कि उनके संगठन के काम से जद (एकी) का कोई वास्ता नहीं।

पटना स्थित जद (एकी) के प्रदेश कार्यालय में अपनी पार्टी के आगामी पांच जुलाई तक चलने वाले सदस्यता अभियान को लेकर शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के अवसर पर नीतीश ने कहा कि उनके संगठन (आइपैक) के काम से जद (एकी) का कोई मतलब और संबंध नहीं। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर को पार्टी ने एक जिम्मेदारी सौंपी थी और पार्टी के काम में कोई दिक्कत नहीं है व उनके संगठन के इस निर्णय से जद (एकी) का कोई सरोकार नहीं।

नीतीश ने कहा कि प्रशांत किशोर रविवार को पटना में आयोजित होने वाली जद (एकी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भाग लेने आएंगे और इस बारे में वे स्वयं स्पष्ट कर देंगे कि उनकी इच्छा क्या है। क्या प्रशांत किशोर के इस निर्णय पर जद (एकी) द्वारा उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा, नीतीश ने कहा कि इसकी चर्चा मीडिया में सार्वजनिक रूप ने नहीं की जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोर विरोधी ममता बनर्जी के लिए प्रशांत किशोर के काम करने को लेकर भाजपा की ओर से आपत्ति जताए जाने पर नीतीश ने कहा कि भाजपा को कोई आपत्ति नहीं है। प्रशांत किशोर ने गुरुवार को ममता बनर्जी से कोलकाता में मुलाकात की थी और इसके बाद उन्होंने उनके साथ काम के लिए हामी भरी थी।

अमरिंदर ने आठ सलाहकार समूहों का गठन किया, सिद्धू शामिल नहीं

चंडीगढ़, 8 जून (भाषा)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने अपनी सरकार के महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए आठ सलाहकार समूहों का गठन किया है लेकिन उनमें राज्य के मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू को शामिल नहीं किया गया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार सिद्धू और चिकित्सकीय शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री ओम प्रकाश सोनी को किसी भी समूह का हिस्सा नहीं बनाया गया है। इन समूहों में कुछ विधायक और अधिकारी शामिल हैं। सिंह और सिद्धू के बीच टकराव चल रहा है। बृहस्पतिवार को पंजाब कैबिनेट में हुए फेरबदल में सिद्धू से महत्त्वपूर्ण स्थानीय शासन, पर्यटन एवं संस्कृति प्रभार ले लिया गया था और उन्हें बिजली तथा नवीन एवं अक्षय ऊर्जा विभाग का प्रभार दिया गया था। सिद्धू ने अपना नया प्रभार अभी तक नहीं संभाला है। इन सलाहकार समूहों को राज्य सरकार के कार्यक्रमों के प्रदर्शन की समीक्षा करने और उन्हें सुधारने के लिए सुझाव देने का अधिकार दिया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ये समूह कार्यक्रमों की पहुंच में सुधार और उनमें नागरिकों की हिस्सेदारी के लिए बदलाव के भी सुझाव देंगे। बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है कि कांग्रेस सरकार ने पंजाब के लोगों के प्रति अपनी प्रतबद्धता को बनाए रखते हुए कई गरीब समर्थक कार्यक्रम शुरू किए हैं। उन्होंने कहा, इन कार्यक्रमों ने पर्याप्त परिणाम दिखाए हैं लेकिन हाल में क्षेत्र के दौरे के दौरान यह बात सामने आई कि इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में निर्वाचित प्रतिनिधियों और समुदायों की हिस्सेदारी और प्रभावशाली होनी चाहिए।

नक्सलियों ने यात्रियों को उतार कर बस में लगाई आग

रायपुर, 8 जून (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक यात्री बस में आग लगा दी। हालांकि, इस घटना में किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। बीजापुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिले के कुटरू और फरसेगढ़ गांव के बीच नक्सलियों ने यात्री बस में आग लगा दी।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम बीजापुर शहर से बेदरे के लिए जय भवानी ट्रेवल्स की यात्री बस रवाना हुई थी। बस जब कुटरू और फरसेगढ़ के बीच थी तो नक्सलियों ने उसे रोक लिया और यात्रियों को नीचे उतारने के बाद उसमें आग लगा दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में बस पूरी तरह से जल गई। यात्रियों और चालक-परिचालक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया और घटना के जिम्मेदार नक्सलियों की खोज शुरू की गई।

अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया और घटना के जिम्मेदार नक्सलियों की खोज शुरू की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में नक्सली इस महीने की पांच तारीख से जन पितुरी सप्ताह मना रहे हैं।

नक्सली इस सप्ताह के दौरान अपने मृत साथियों को याद करते हैं। मानसून से पहले इस सप्ताह के दौरान माओवादी नए सदस्यों की नियुक्ति करते हैं और अपने कार्यों का प्रचार-प्रसार करते हैं।

मुठभेड़ में जैश ए मोहम्मद का आतंकी ढेर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में जैश ए मोहम्मद का एक आतंकवादी मारा गया। जिसकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के वेरिनाग क्षेत्र में घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी कर दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने पर गिरफ्तार

इंदौर, 8 जून (भाषा)।

सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने वाले संदेश सोशल मीडिया पर फैलाने के आरोप में पुलिस ने यहां एक चाय विक्रेता को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध निरोधक शाखा) अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान आसिफ खान उर्फ शमशेर (30) के रूप में हुई है। वह शहर की गुलजार कॉलोनी में चाय की दुकान चलाता है। उन्होंने बताया कि सातवीं तक पढ़े खान पर आरोप है कि वह वाट्सऐप और फेसबुक के जरिए सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने वाले संदेश फैला रहा था।

मौसम
तापमान नई दिल्ली
अधिकतम–45.2 डि.से. सूर्योदय– 5:23
न्यूनतम– 29.4 डि.से. सूर्यास्त– 19:18

आयुष्मान योजना पर जारी है खतों का खेल

अब हर्षवर्धन बोले, मोहल्ला क्लीनिक फ्लॉप

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

आयुष्मान भारत योजना को लेकर केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार के बीच का टकराव थमता नजर नहीं आ रहा है। योजना को लेकर केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने दिल्ली सरकार को जवाब भेजा है और दिल्ली सरकार की मोहल्ला क्लीनिक को फ्लॉप शो करार दिया है। पत्र के माध्यम से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पत्र व्यवहार का जवाब सोशल मीडिया के माध्यम से दिए जाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने दिल्ली सरकार को सलाह दी है कि आम जनता की सुविधा के लिए दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू किया जाए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दिल्ली की स्वास्थ्य योजनाओं को केंद्र की योजना से बेहतर करार दिया था।

हर्षवर्धन ने अपने दो पन्ने के पत्र में कहा कि इस बात को लेकर उन्हें काफी दुख हुआ है कि आयुष्मान भारत योजना लागू करने के मामले में जो पत्र भेजा गया था उस पत्र का जवाब सोशल मीडिया के माध्यम से भेजा गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे पता चलता है कि आप दिल्ली के लोगों के भले में कम दिलचस्पी रखते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार कहती है कि वह मुफ्त में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है। इसके बाद भी यह दावा निराधार है कि आयुष्मान भारत योजना की दिल्ली को जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार जितना भी दावा करें कि वह जनता को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है लेकिन यह हकीकत है कि जनता को मुफ्त उपचार के लिए भी पैसा देना पड़ रहा है।

● इस बात का दुख हुआ कि आयुष्मान योजना लागू करने के मामले में जो पत्र भेजा गया था उसका जवाब सोशल मीडिया से भेजा गया

'आयुष्मान मात्र छलावा'

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बैठक में केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत को छलावा बताया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के मुताबिक जिसके घर में स्कूटर या फ्रिज है या ऐसी अन्य कोई सरकारी चीजें जो आयुष्मान भारत में लिखित हैं उन नागरिकों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना को बनाकर केंद्र सरकार ने देश की जनता को बेवकूफ बनाया है। दिल्ली सरकार पिछले चार साल से सभी तरह के इलाज और दवाएं हर व्यक्ति व वर्ग को मुफ्त उपलब्ध करा रही है। सभी के लिए समान सुविधाएं दिल्ली सरकार के अस्पतालों में उपलब्ध है।

पांच साल में वाईफाई नहीं दिया, मुफ्त यात्रा कैसे देंगे : भाजपा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 5 साल में आम आदमी सरकार दिल्ली जनता को वाईफाई नहीं दे पाई है, तो मुफ्त बस सेवा कैसे उपलब्ध करा पाएगी। उन्होंने कहा कि 2015 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने जनता से 70 वादे किए थे। इन वादों में से एक भी वादा दिल्ली सरकार ने पूरा नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि अब आउटकम बजट को अपनी असफलताएं छिपाने का आधार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब आम आदमी पार्टी ने वाईफाई की समय सीमा बढ़ा दी है और इसे पूरा करने के लिए 2030 तक का लक्ष्य रखा है। ऐसा करके आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता को एक बार फिर से सपना दिखाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार यह सरकार आम जनता को आज तक फ्री वाईफाई नहीं दे पाई है। उसी तरह महिलाओं को मुफ्त बस सेवा भी नहीं दे सकेगी।

युवती ने उधार दिए रुपए मांगे तो मार दी गोली

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

वसंत कुंज में एक युवक ने युवती को गोली मार घायल कर दिया और अपने वाहन से युवती को बीच रास्ते में फेंक कर फरार हो गया। वारदात शुक्रवार रात करीब नौ बजे की है। वारदात के बाद समय रहते राहगीरों ने युवती को पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जिससे उसकी जान बच गई। फिलहाल सलोनी नामक युवती का अस्पताल में इलाज चल रहा है। शुरुआती छानबीन में पुलिस को पता चला है कि युवती ने आरोपी युवक को उधार में करीब ढाई लाख रुपए दिए थे। वह उससे रुपए वापस मांग रही थी। पर युवक देने का तैयार नहीं था। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी युवक राहुल सिंघल के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर लिया है और फरार चल रहे आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

पीड़िता ने आरोपी युवक को दिए थे उधार में करीब ढाई लाख रुपए

वसंत कुंज में गोली मार बीच रास्ते में फेंक कर हुआ फरार

जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सलोनी अपने परिवार के साथ देवली में रहती हैं। एमबीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह इन दिनों एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में गुरुग्राम में नौकरी करती हैं। पड़ोस में रहने वाली एक सहेली के भाई राहुल सिंघल को सलोनी ने करीब ढाई लाख रुपए उधार में दिए थे। राहुल ने जल्दी से रुपए लौटाने का आश्वासन दिया था। पर वह लौटा नहीं रहा था। शुक्रवार शाम को करीब साढ़े सात बजे सलोनी घर से यह कह कर निकली थी कि वह अपनी सहेली के साथ मॉल में खरीदारी करने के लिए जा रही है। वह देर शाम तक नहीं लौटी।

सालोनी के पिता जोगिंदर सिंह ने बताया कि रात करीब नौ बजे उनके पास फोन आया। पुलिस ने बताया कि उनकी बेटी हादसे का शिकार हो गई है। वह अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि उसे गोली मारी गई है। पुलिस ने बताया कि चार युवकों ने सलोनी को समय रहते अस्पताल में भर्ती करा दिया था। इस कारण उसकी जान बच गई।

आगे की छानबीन में पता चला कि सलोनी को आरोपी रुपए देने की बात कह कर अपनी कार में वसंत कुंज ले गया था, जहां पर दोनों में रुपए की लेनदेन की वजह से कहासुनी हो गई, जिसके बाद आरोपी राहुल ने सलोनी को गोली मार दी। बाद में कार से बीच सड़क पर फेंक कर फरार हो गया, तभी वहां से गुजर रहे चार युवकों की नजर घायल सलोनी पर पड़ी और उन्होंने युवती को पास के अस्पताल में भर्ती करा दिया।

24 घंटे बिजली–पानी वाला दिल्ली इकलौता शहर : केजरीवाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि दिल्ली इकलौता शहर है, जहां पर 24 घंटे बिजली–पानी उपलब्ध है। वे मालवीय नगर क्षेत्र में आम जनता की समस्याएं जानने के लिए पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से ही मुख्यमंत्री लगातार आम जनता के साथ ऐसी ही बैठकें कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी ट्रांसफार्मर खराब हैं, उन्हें बदलने का काम चल रहा है। जहां भी तकनीकी खराबी की वजह से कोई भी परेशानी सामने आती है तो उसका भी तत्काल समाधान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त

दिल्ली में देश की सबसे सस्ती बिजली उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि बीते सालों में उन जगह भी पानी की लाइन पहुंची है। जहां पर 70 साल में पानी नहीं पहुंचा था। उन्होंने कहा कि बिजली की तर्ज पर ही पानी की समस्या हल करने पर भी काम किया जा रहा है।

स्कूलों में चल रहे काम की जांच करने पहुंचे सिसोदिया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

निर्माणाधीन स्कूलों के कामकाज में तेजी लाने के दिल्ली सरकार ने विकास कार्यों की जांच तेज कर दी है। शनिवार को दिल्ली के उप मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया स्कूलों की जांच करने पहुंचे और अधिकारियों को तय समयसीमा में परियोजनाओं को पूरा करने के आदेश दिए। उन्होंने पांच सरकारी स्कूल भवनों की जांच की।

लोकसभा चुनाव में हुई हार के बाद से ही विपक्ष की तरफ से सरकारी स्कूलों की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी इन सवालों पर भाजपा के नेताओं को भी घेरती रही है। दिल्ली सरकार अपनी योजनाओं को वक्त पर पूरा करना चाहती है।

बिजली बिल के तय शुल्क पर कांग्रेस ने घेरा

जनता को छह माह तक मुफ्त बिजली दे दिल्ली सरकार : शीला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

लोकसभा चुनाव में नंबर दो पर आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अब दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को घेरने में जुट गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर केजरीवाल सरकार पर बिजली कंपनियों को बेजा फायदा कराने के लिए दिल्ली के लोगों से 7400 करोड़ से ज्यादा झटक लेने का आरोप मढ़ा और दस्तावेज पेश किए। मांग की कि विभिन्न मदों में वसूले गए इन पैसों को बिजली बिल में समायोजित कर जनता को लौटाया जाए। इसके लिए आगामी छह महीने तक का बिजली बिल माफ किया जाए। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हारुन युसूफ, राजेश लिलौठिया, पूर्व विधायक किरण वालिया, मंगलराम सिंघल भी मौजूद थे। उन्होंने संवाददताओं से कहा कि सोमवार को इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलेंगे। यदि सरकार ने उनकी मांगों को अनदेखा किया तो आंदोलन होगा।

कांग्रेस ने बिजली कंपनियों पर 7400 करोड़ से ज्यादा झटक लेने का आरोप मढ़ा

केजरीवाल से मिलेंगी शीला, छह महीने तक बिल मुक्त बिजली देने की रखेंगी मांग

शीला दीक्षित ने कहा–केजरीवाल की सरकार दूसरे दरवाजे से बिजली वितरण कंपनियों को फायदा पहुंचा रही है। जनता को लूट कर रही है। उन्होंने दिल्लीवासियों के विश्वास के साथ धोखा किया। बिजली के बिलों में फिक्स चार्ज (फिक्स चार्ज) और पेंशन फंड के नाम पर गैरजरूरी रकम को बिल में जोड़कर बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाया है। दीक्षित ने कहा कि पहले नागरिकों की सहूलियत के नाम पर लाखों बिजली के नए मीटर लगवाए गए। फिर बिजली के मीटरों पर फिक्स चार्ज जो मामूली दर से हुआ करते थे उनपर बेतहाशा वृद्धि करके दिल्ली की जनता की खून पसीने की कमाई के हजारों करोड़ रुपए झटक लिए गए।

हारुन यूसुफ ने कहा– बीते डेढ़ साल में बिजली कंपनियों ने फिक्स चार्ज के नाम 7401 करोड़ रुपए वसूले हैं। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक दिल्ली की तीनों निजी कंपनियों बीवाइपीएल, बीआरपीएल, टीपीडीडीएल ने यह मिलकर वसूला है। बीवाइपीएल ने फिक्स चार्ज के नाम पर 1139 करोड़ रुपए, बीआरपीएल ने 2096 करोड़ रुपए और टीपीडीडीएल ने 1474 करोड़ रुपए वसूले। इसके अलावा 16.3 फीसद की दर से पेंशन फंड के नाम पर 1023 करोड़ रुपए बिल में जोड़ कर लिए गए। हमारी यह मांग है कि इस नाजायज वसूली के एवज में दिल्ली सरकार दिल्ली वालों को अगले 6 महीनों तक बिजली के बिल न भेजे।

'मूल रचना की भांति ही अहम होता है अनुवाद'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ने कहा कि किसी भी रचना का अन्य भाषा में अनुवाद मूल रचना की भांति ही अहम होता है। अनुवाद होने का मतलब एक लेखक को दूसरी भाषा में नया पाठक वर्ग मिलना होता है। वे सोशल प्रोग्रेसिव सोसाइटी, बीकानेर द्वारा राजेंद्र जोशी की कृति 'मौन से बतकही' की उर्दू अनुवाद कृति 'खामोशी से गुफ्तगू' के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। सोसाइटी के अध्यक्ष नदीम अहमद नदीम ने कहा कि मोहम्मद फारूक रजा द्वारा कृति के अनुवाद कार्य में ज्यादा समय जरूर लगा लगा लेकिन इस अनुवाद कार्य में एक नवाचार भी सामने आया कि अनुवाद को उर्दू लिपि के साथ ही देवनागरी में भी हुबहू प्रस्तुत किया गया है। जाकिर अदीब ने कहा कि कवि राजेंद्र जोशी की कविताओं में सामाजिक सरोकारों की गूंज है जो अब उर्दू में भी सुनाई देगी। जाकिर अदीब ने अनुवाद से जुड़ी ताजा नज्म प्रस्तुत की। शकीला बानो ने कहा कि मूल कृति में राजस्थानी परिवेश के शब्दों का उर्दू अनुवाद करना भी रजा की काबिलियत को प्रदर्शित करता है।

गुलाम मोहियुद्दीन 'माहिर' ने कहा कि राजेंद्र जोशी की कविताओं में उर्दू शब्दों की मिठास शामिल रहती है। मोहम्मद फारूक रजा ने अनुवाद के संदर्भ में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि किसी पुस्तक का अनुवाद करने की यह उनकी पहली कोशिश है। कार्यक्रम का संचालन रेणुका व्यास ने किया। सोशल प्रोग्रेसिव सोसाइटी के उपाध्यक्ष संजय जनागल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विदेशी छात्र कर सकेंगे 25 तक आवेदन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

ऑनलाइन पोर्टल के जरिए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में विदेशी छात्र अब अपने दाखिले का आवेदन 25 जून तक कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी घोषणा की है। शनिवार को प्रेस को जारी बयान में विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विदेशी छात्र दाखिले का आवेदन इस ऑनलाइन पोर्टल के जरिए 10 जून से 25 जून तक कर सकते हैं। छात्र इस बाबत विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ले सकते हैं।

परिषद ने प्रदर्शन किया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद व छात्र संघ ने दाखिले के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने दावा किया कि आवेदन शुल्क में 50 फीसद तक बढ़ोतरी कर दी गई है जो अनुचित है। पहले यह 500 रुपए थी और अब 750 रुपए है। परिषद ने शनिवार को बढ़ोतरी के निर्णय के खिलाफ उत्तरी परिसर के कला संकाय के गेट पर प्रदर्शन किया। साथ ही डीयू की वेबसाइट में पंजीकरण के समय लगातार आ रही समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।

निगम मुख्यालय में महिलाओं के लिए लगी मशीन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

पूर्वी दिल्ली निगम मुख्यालय में 'फीमेल यूरीनेशन डिवाइस' मशीन लगाई गई है। 'पी जॉय' फीमेल यूरीनेशन डिवाइस दिल्ली विश्वविद्यालय की दो छात्राओं स्तुति अरोड़ा और वेदाक्षी गुप्ता की पहल है। पटपड़गंज स्थित निगम मुख्यालय में वेंडिंग मशीन स्थापित की गई है। इसे अभी प्रायोगिक तौर पर लगाया गया है। निगम के मुताबिक, वे गंदे मूत्रालय इस्तेमाल करने के बजाय महिलाएं 'फीमेल यूरीनेशन डिवाइस' का प्रयोग कर सकती हैं। इन्हें इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता है। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	42.7 डि.से.	42.7 डि.से.	43.5 डि.से.	43.2 डि.से.
न्यूनतम	28.0 डि.से.	28.0 डि.से.	28.0 डि.से.	26.1 डि.से.

40 मिनट तक राजीव और पटेल चौक मेट्रो स्टेशन में फंसे रहे यात्री

पीली लाइन पर फिर पस्त हुई मेट्रो

- पावरलाइन ट्रिप, फेल हुई येलो लाइन, हजारों यात्री परेशान
- शाम के व्यस्त घंटों की वजह से और बढ़ गया संकट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

राजीव चौक और पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर शनिवार को यात्री 40 मिनट तक स्टेशन के भीतर प्रवेश नहीं कर पाए। इस वजह से नई दिल्ली के स्टेशनों पर अफरातरफी जैसा माहौल हो गया। येलो लाइन पर बिजली लाइन ट्रिप होने की वजह से यात्रियों का प्रवेश रोका गया था। जानकारी के मुताबिक, नई दिल्ली और चावड़ी बाजार के बीच मेट्रो टनल में पानी का रिसाव था। इस वजह से एकाएक मेट्रो की पावरलाइन बंद हो गई। इस वजह से यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।

जानकारी के मुताबिक, इस वजह से केंद्रीय सचिवालय से कश्मीरी गेट (येलो लाइन) की बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी और मेट्रो को रूट

पर अपनी सेवाओं को भी बंद करना पड़ा। किसी भी गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए मेट्रो स्टेशनों को भी खाली करा दिया गया था। इसके अतिरिक्त प्रमुख जगहों से यात्रियों का प्रवेश रोक दिया गया था ताकि यात्रियों को परेशानियों से बचाया जा सके। गाड़ियां रुकने की वजह से स्टेशन पर अधिक भीड़ बढ़ गई और करीब सात बजे इस आपूर्ति को सामान्य किया जा सके। आपूर्ति सामान्य होने के बाद आने व जाने दोनों ही आपूर्ति को सामान्य किया गया। मेट्रो से संबंधित अधिकारियों का कहना था कि एकाएक भीड़ बढ़ जाने की वजह से स्थिति सामान्य होने में थोड़ा वक्त लगा। इस वजह से उद्योग भवन से मॉडल टाउन जाने वाली सेवाओं पर असर पड़ा। दिल्ली मेट्रो में सफर कर रहे मृदुल ने बताया कि मेट्रो सेवा बाधित होने से वे गाड़ी में फंसे रहे। अचानक बिजली गुल होने के बाद देर तक कोई सूचना नहीं मिल रही थी। गाड़ी खड़ी हो गई। देखते ही देखते स्टेशनों पर भी यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी। लेकिन गाड़ियों की आवाजाही बंद थी। उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद इस खंड के कुछ हिस्सों में मेट्रो सेवाएं बहाल कर दी गई।

मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि उद्योग भवन और माडल डाउन के बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से गाड़ियां फंस गईं। इसलिए प्रभावित हिस्से को छोड़ कर दोनों दिशाओं में अलग-अलग ट्रेनें चलाई गई जिन्हें फिलहाल दो अलग लूप में चलाया गया है। इसका पहला लूप केंद्रीय सचिवालय और हुडा सिटी सेंटर के बीच है,वहीं दूसरा लूप कश्मीरी गेट और समयपुर बादली के बीच है। लूप लाइन वह अतिरिक्त लाइन होती है जिस पर से होकर आपात हालात में गाड़ियां निकाली जाती हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ने बताया कि अन्य लाइनों पर मेट्रो सेवाएं सामान्य हैं। डीएमआरसी ने भी ट्वीट कर स्थिति की जानकारी दी और बताया कि गड़बड़ी को ठीक करने का काम चल रहा है। डीएमआरसी ने कहा कि हमारे इंजीनियर काम कर रहे हैं। देर रात तक इस पर काम होता रहा। लूप लाइन से गाड़ियां चलाने से सेवाओं में थोड़ी देरी भी हो रही थी। इस बीच प्रभावित हिस्से के यात्री परेशान हुए।

घर में घुसकर किशोरी के साथ बलात्कार, आरोपी गिरफ्त में

- वारदात के समय पीड़ित किशोरी की मां छोटी बेटी के स्कूल गई हुई थीं
- आरोपी 22 वर्षीय युवक निजी कंपनी में करता है नौकरी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

न्यू अशोक नगर इलाके में 13 साल की एक किशोरी से बलात्कार का मामला सामने आया है। आरोप पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर लगा है। बताया जा रहा है कि घटना के समय किशोरी घर में अकेली थी तभी आरोपी ने तमंचा दिखाकर बलात्कार किया। उसने किशोरी को धमकी दी और फरार हो गया। मां जब वापस घर आई तो उसे आपबीती सुनाई। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। किशोरी के बयान पर पुलिस ने पोक्सो व बलात्कार का मामला दर्ज कर आरोपी पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया। 22 साल का आरोपी युवक निजी कंपनी में नौकरी करता है।

पुलिस को दिए बयान में पीड़िता ने बताया कि शनिवार को वह घर में अकेले थी। मां उसकी छोटी बहन के स्कूल में शिक्षक-अभिभावक बैठक (पैरेंट्स मीटिंग) में गई थीं। पिता भी नौकरी पर गए थे। घर का दरवाजा खुला हुआ था तभी पड़ोसी युवक जबरन घर में घुस गया। वह हाथ में तमंचा लिए था। किशोरी रसोई में काम कर रही थी। आरोपी ने तमंचे के बल पर उसके साथ जबरन बलात्कार किया। वह चिल्लाई तो उसके मकान मालिक का बेटा आ गया। उसने घर का दरवाजा खटखटाया और शोर मचाने की धमकी दी। कुछ देर के बाद आरोपी युवक ने दरवाजा खोल दिया। मकान मालिक के बेटे ने आरोपी युवक को तीन-चार थप्पड़ मारे। लोगों से घिरता देख आरोपी वहां से भाग गया। जब मां स्कूल से घर पहुंची तो उसे पूरी बात किशोरी ने बताई। पिता और मामा को भी इस घटना के बारे में बताया गया। मां ने पीसीआर कॉल कर सूचना पुलिस को दी। यह घटना सुबह की थी लेकिन पीड़ित परिजन न्यू अशोक नगर पुलिस थाने शाम साढ़े 6 बजे पहुंचे। पुलिस ने किशोरी का चिकित्सकीय परीक्षण कराया और उसकी काउंसलिंग भी कराई गई। पीड़ित किशोरी के बयान पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

खबरों में शहर

इनामी बदमाश दिल्ली में गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हरियाणा के सोनीपत निवासी इनामी बदमाश रविंद्र बडवासनी (45) को आरकेपुरम सेक्टर-दो से गिरफ्तार किया है। बदमाश पर हरियाणा पुलिस की तरफ से 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक पिस्तौल, छह कारतूस और एक बोलेरो कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी संदीप बडवासनी का भाई है। रोहतक में सत्यवान मलिक नामक शख्स की हत्या के आरोप में रविंद्र करीब डेढ़ साल से फरार चल रहा था। सत्यवान वकालत का पेशा छोड़कर बदमाश बना था।

मुठभेड़ के बाद दो बदमाश पकड़े गए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

गाजियाबाद में तेल व्यापारी की दिन में ही लूटपाट के बाद हत्या के आरोपी बदमाश को पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ एक मुठभेड़ को अंजाम दिया। दोनों राज्यों में 50-50 हजार रुपए के इनामी बदमाश के साथ यह मुठभेड़ बागपत के चांदनी नगर इलाके में हुई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने शातिर बदमाश सोनू ठाकुर उर्फ को उसके साथी मनोज उर्फ मलखान के साथ दबोच लिया। दोनों के ऊपर हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, हथियार के बल पर लूटपाट, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर और खुर्जा में 20 मामले दर्ज पाए गए।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

इंडिया हैबीटेट सेंटर और विमहांस : स्वास्थ पर चर्चा, हैबीटेट वर्ल्ड, लोदी रोड, शाम सात बजे। और संगीत कार्यक्रम हैबीटेट वर्ल्ड, लोदी रोड, शाम सात बजे।

यू-ट्यूब का उभरता सितारा था गोविंदा यादव

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 8 जून।

नंद नगरी थाना में पुलिस हिरसात में संदिग्ध अवस्था में जिस गोविंदा यादव की मौत हो गई थी, वह सोशल नेटवर्किंग साइट यू-ट्यूब पर उभरता हुआ एक सितारा था। गोविंदा ने यू-ट्यूब पर 'जार्स टीम' नाम से चैनल बना रखा था। बताया जा रहा है कि टीम में 10-12 लोग थे। उनकी टीम कॉमेडी, सामाजिक समस्याएं और भ्रष्टाचार पर वीडियो बनाती थी।

साथ ही वह भ्रष्टाचार के प्रति लोगों को अपने चैनल के माध्यम से जागरूक करने का काम करता था। यू-ट्यूब पर अभी तक 1500 सब्सक्राइबर्स हैं। यू-ट्यूब वीडियों के अलावा गोविंदा रोड शो और धार्मिक जागरण में भी काम करता था। गोविंदा जागरण में किए जाने वाले सुदामा के किरदार के लिए भी काफी चर्चित था। वहीं, गोविंदा के परिवार वालों ने पुलिस पर बेहद संगीन आरोप लगाए हैं।

उसकी मुंहबोली बहन रेशमा का कहना है कि शाम को उन्हें पता चला कि नईम और गोविंदा के साथ पकड़े गए दो अन्य

हिरासत में मौत का मामला

जागरण में अभिनय करता था गोविंदा

परिजनों ने लगाया रिश्वत लेकर गोविंदा को छोड़ने का आरोप

आरोपियों को पुलिस ने रुपए लेकर छोड़ दिया है। इस पर वह भाई की रिहाई की बात करने थाने पहुंची। तो उधम नाम के एक कांस्टेबल ने गोविंदा को छोड़ने के लिए 20 हजार रुपए की मांग की। इस पर रेशमा ने इतने रुपए न होने की बात कही तो कांस्टेबल 18 हजार मांगने लगा।

बाद में दोनों के बीच 10 हजार रुपए में बात तय हुई। उन्होंने उधम को दस हजार रुपए भी दे दिए। बावजूद इसके पुलिस ने उनके भाई को नहीं छोड़ा।

बिजली, पानी और सेहत पर सरकार का मंथन

परिणामोन्मुख बजट रिपोर्ट को लेकर हमलावर हुआ विपक्ष

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 8 जून।

लोकसभा के बाद अब आम आदमी पार्टी का बड़ा लक्ष्य 2020 में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। चुनाव में बड़े लक्ष्य को साधने के लिए दिल्ली सरकार सीधे जनता से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही है। शुक्रवार को जारी दिल्ली के आउटकम (परिणामोन्मुख) बजट की रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी ने मोहल्ला क्लीनिक, पानी की लाइनों का विस्तार, कच्ची कॉलोनियों में पानी कनेक्शन समेत आम जन से जुड़ी कई योजनाओं पर जोर दिया है। वहीं विपक्ष इस आउटकम बजट रिपोर्ट को लेकर हमलावर हो गया है।

दिल्ली सरकार ने वक्त पर परियोजनाओं को पूरा करने के लिए इस बार के आउटकम बजट रिपोर्ट के आधार पर बजट दिया था। हाल ही में इस बजट की रिपोर्ट जारी की गई थी। इस रिपोर्ट में दिल्ली सरकार ने अब तक हुए कामों का लेखा जोखा दिया है। इसमें 2019-20 के लिए दिल्ली सरकार ने अपने कामों का अधिक विस्तार करने का लक्ष्य रखा है। इनमें सीधे आम नागरिकों के रोजमर्रा की जरूरतें से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

योजना	18-19 लक्ष्य	पूर्ति	2019-20 लक्ष्य
मोहल्ला क्लीनिक	530	191	530
अस्पताल से मरीज भेजे	3000	2263	3000
पानी लाइन विस्तार	5300	4413	4700
कच्ची कॉलानी में कनेक्शन	1521	1374	1525
सीवर	950	996	1125
कलस्टर बस	2758	1679	2679

दिल्ली सरकार की रिपोर्ट में सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में पानी की लाइनों व सीवर सेवाओं का विस्तार है। सरकार ने बीते साल की तुलना में इसे कम किया है लेकिन आगामी वर्ष का लक्ष्य अधिक रखा है। सरकार का अधिक जोर कलस्टर बस सेवा के दायरे में बसों की संख्या बढ़ाना है। इस बार दिल्ली सरकार इस लक्ष्य से चूकी है और आगामी वर्ष में 2500 से भी अधिक बसें लाने का दावा कर रही है।

भ्रमित कर रही है 'आप' : भाजपा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि आउटकम बजट में दिल्ली सरकार ने एक बार फिर से अपनी पीठ थपथपाई है लेकिन रिपोर्ट से जनता को गुमराह करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट में ही दिल्ली सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि वो दिल्ली के लिए काम करने में असफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि यह सरकार साढ़े चार साल में जनता को फ्री वाईफाई की सुविधा नहीं दे पाई है और अब महिलाओं के मुफ्त सफर का दावा कर रही है। इससे पूर्व भी सरकार ई-बस, ई-वाहनों की सबसिडी जैसे वादों में पिछड़ गई है। आम जनता को आज भी सीसीटीवी, मोहल्ला क्लीनिक, लैंड स्केपिंग जैसी सुविधाओं का इंतजार है।

छात्रा से बलात्कार के आरोप में आइआइटी के प्रोफेसर गिरफ्तार

नोएडा, 8 जून (भाषा)।

अपनी एक पूर्व छात्रा से बलात्कार करने के मामले में आइआइटी जोधपुर के एक आरोपी प्रोफेसर को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस प्रवक्ता प्रभात दीक्षित ने बताया कि थाना सेक्टर-20 में शुक्रवार तक एक महिला ने यह शिकायत दर्ज कराई थी कि आइआइटी जोधपुर के प्रोफ़ेसर विजय वर्गीय पुत्र ज्ञानेंद्र ने सेक्टर-16 स्थित गेल कंपनी के गेस्ट हाउस में गुरुवार को उसके साथ बलात्कार किया।

> आरोप है कि सेक्टर-16 स्थित गेल कंपनी के गेस्ट हाउस में गुरुवार को उसके साथ बलात्कार किया गया

पुलिस के मुताबिक, शनिवार को पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया, जो आइआइटी जोधपुर में प्रोफेसर हैं।

पीड़िता ने बताया कि 2000 में उसने आरोपी प्रोफेसर से राजस्थान के कोटा स्थित एक कोचिंग सेंटर में कोचिंग ली थी। घटना के दिन वह प्रोफेसर से नौकरी के सिलसिले में मिलने गई थी। पुलिस का कहना है कि मामले में अभी जांच चल रही है।

पार्किंग विवाद में दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

- लोगों ने एक युवक पर लाठी-डंडों के साथ तलवार से हमला किया
- घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में शनिवार को वाहन पार्किंग करने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान कुछ लोगों ने एक युवक पर लाठी-डंडों के साथ तलवार से हमला किया। सचूना मिलने पर पुलिस ने घायल युवक को मूलचंद अस्पताल में भर्ती करा दिया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पूरे घटनाक्रम से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ है, जिसमें आरोपियों को युवक को पीटते हुए देखा जा सकता है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को दो पीसीआर कॉल मिली थीं कि दो गुटों में लड़ाई हो गई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित की पहचान सूर्य प्रताप के रूप में की। वह अपने परिवार के साथ संत नगर में रहते हैं। वहीं पर आरोपी गुरुपाल भी रहते हैं। सूर्य प्रताप ने अपनी गाड़ी मेन रोड पर खड़ी कर रखी थी। वहीं, पर आरोपी गुरुपाल ने अपनी गाड़ी सूर्य प्रताप के गाड़ी के पीछे लगा दी। जब सुबह सूर्य प्रताप गाड़ी निकालने आया तो सोढ़ी को गाड़ी हटाने की बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई उसके बाद अचानक दर्जन भर से ज्यादा लोग लाठी-डंडों के साथ आए और तलवार लेकर हमला बोल दिया और सूर्य प्रताप को पीटकर अधमरा कर दिया। मारपीट की सारी करतूत सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई।

पति की हत्या के आरोप में पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

अमन विहार थाना क्षेत्र में बीते महीने नाले में एक व्यक्ति का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला था। बदबू के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी बीते पांच जून को पुलिस को दी थी। शव को प्लास्टिक की बोरी में डाल कर फेंका गया था। इस मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने शनिवार को मृतक की पत्नी, उसके प्रेमी और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी महिला इस वारदात की मास्टरमाइंड थी। मृतक की पहचान मुन्ना लाल (38) के तौर पर हुई थी।

इस मामले में 45 पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की टीम ने छानबीन कर हत्या में शामिल महिला समेत दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान राजेंद्र उर्फ लक्की (28) और तरुण ऊर्फ तन्नू के तौर पर हुई है। राजेंद्र महिला का प्रेमी है, जो पहले मुन्ना लाल के गोदाम में काम करता था। पुलिस ने बताया कि हत्या विवाहेत्तर संबंध की वजह से की गई थी। रोहिणी जिला पुलिस के अतिरिक्त उपायुक्त इंगीत प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने आसपास के सभी थानों से सबसे पहले गुमशुदा लोगों की जानकारी ली गई। पता चला कि 32 लोग लापता हैं, जिनमें से 17 लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

योगपथ — राजपथ पर होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का समारोह

विवादों से बचने के लिए योग गुरुओं की मदद से तैयार किया कार्यक्रम

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 8 जून।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर दिल्ली में होने वाले कार्यक्रमों में से मुख्य आयोजन राजपथ पर होगा। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद आयुष मंत्रालय के साथ मिलकर इसका आयोजन करेगी। इसके साथ ही योग को लेकर मंत्रालय ने कई स्तर की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयुष मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, अलग-अलग लोगों के लिए अलग योग को लेकर कोई विवाद न हो इसलिए योग गुरुओं की मदद से योग का सामान्य प्रोटोकॉल तैयार किया गया है।

दिल्ली में राजपथ पर होने वाले मुख्य आयोजन के अलावा लालकिला, नेहरू पार्क, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, यमुना स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स, रोहिणी के स्वर्ण जयंती पार्क और द्वारका सेक्टर 11 में भी योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य जगहों पर भी लोग अपने स्तर पर योग का आयोजन करेंगे।

45 मिनट की अवधि के योगासनों का कार्यक्रम

ऐसे आयोजन सौहादर्पूर्ण वातावरण में हों, यह सुनिश्चित करने के लिए देश के कुछ नामी योग गुरुओं ने एक साथ मिलकर योग आसनों का एक प्रोटोकॉल विकसित किया है। यह 45 मिनट की अवधि के योगासनों का कार्यक्रम है जो विभिन्न आयु वर्ग के लोगों के तन और मन दोनों को स्वस्थ बनाता है। सामान्य योग प्रोटोकॉल की सीडी और ई-बुक आयुष मंत्रालय की वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है। मंत्रालय विभिन्न सहयोगी संगठनों के माध्यम से भी इन्हें वितरित कर रहा है।

मंत्रालय की मुस्तैदी

मंत्रालय ने विभिन्न संगठनों, केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों और

विभागों की मदद से देशभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से जुड़ी गतिविधियां संचालित करने के लिए कई पहल की हैं। 2.5 लाख गांव के ग्राम प्रधानों, योग संस्थानों, शिक्षण संस्थाओं, उद्योग संगठनों, स्थानीय निकायों सभी से कहा गया है कि वे बड़ी संख्या में लोगों को योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रचार के लिए मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों के साथ ही अन्य प्रचार माध्यमों का भी इस्तेमाल करने के लिए व्यापक योजना बनाई है। विभिन्न एजंसियों की ओर से संचालित गतिविधियों में समन्वय सुनिश्चित करने के लिए कई दौर की बैठकें की गई हैं। इनमें आयुष सचिव की अध्यक्षता में गठित अंतर मंत्रालयी समिति की बैठक और मंत्रालय की ओर से विभिन्न औद्योगिक संगठनों और शिक्षण संस्थाओं के साथ की गई बैठकें शामिल हैं।

सोशल मीडिया व ऐप से प्रचार

योग दिवस के बारे में लोगों को सटीक और संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सोशल मीडिया का भी भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। मंत्रालय के नए वेब पोर्टल का भी इसके लिए पूरा इस्तेमाल किया जा रहा है। आम जनता को योग प्रशिक्षकों, योग केंद्रों और मुफ्त योग आयोजनों की जानकारी देने के लिए योग लोकेटर के नाम से एक मोबाइल एप्लीकेशन (ऐप) शुरू किया गया है। इस ऐप के जरिए योग दिवस के दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के स्थान, प्रतिभागियों, आयोजकों और प्रशिक्षकों के बारे में जानकारी हासिल की जा सकती है। 20,000 केंद्रों से वीडियो के जरिए योग कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण करने की व्यवस्था की गई है।

प्रधानमंत्री योग पुरस्कार

प्रधानमंत्री योग पुरस्कारों की घोषणा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का एक मुख्य आकर्षण होगा। हर साल यह पुरस्कार योग के विकास और उसे बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है। इस साल दो श्रेणियों में ऐसे चार पुरस्कार दिए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर पर योग के प्रचार और विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (दो) और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग के प्रचार और विकास के उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (दो)दिया जाएगा। इन पुरस्कारों के लिए मंत्रालय को 200 आवेदन मिल चुके हैं। इनमें से विजेताओं के चयन की प्रक्रिया चल रही है।

स्वयंसेवकों को भुवन ऐप इस्तेमाल करने के लिए भी जागरुक बनाया जा रहा है। पर्यावरण अनुकूल योग कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय योग दिवस पर लोगों को हरित उत्पाद इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

देहरादून में शनिवार को पासिंग आउट परेड के बाद जश्न मनाते इंडियन मिलिट्री एकेडमी के कैडेट।

कांग्रेस और राकांपा के कई विधायक भाजपा के संपर्क में : महाजन

मुंबई, 8 जून (भाषा)।

महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने शनिवार को दावा किया कि विपक्षी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 25 विधायक सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के संपर्क में हैं ।

महाजन ने कहा कि इस साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष को संभवतः बड़ा झटका लगने वाला है। प्रदेश में इस साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने संवाददाताओं से कहा, 'कांग्रेस और राकांपा के कम से कम 25 विधायक मेरे संपर्क में हैं। उनमें कुछ ने मुझसे व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात की है तो कुछ ने फोन पर बात की है या फिर उन्होंने अपने संपर्क सूत्र मेरे पास भेजे हैं और भाजपा में शामिल होने की इच्छा जताई है।'

महाजन ने कहा, 'प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चव्हाण भी नहीं जानते कि जो लोग उनके आसपास हैं, वे जल्दी ही पाला बदल सकते हैं। राजनीतिक परिस्थिति राज्य में पूरी तरह भाजपा के पक्ष में है।' महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव एवं उत्तर महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत का श्रेय महाजन को ही जाता है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विश्वस्त महाजन ने कहा कि कांग्रेस और राकांपा एक साथ मिल कर भी राज्य विधानसभा की 50 से अधिक सीटें नहीं जीत सकती हैं।

● कहा, इस साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष को संभवतः बड़ा झटका लगने वाला है

उन्होंने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि मुख्यमंत्री व्यक्तिगत तौर पर कांग्रेस के विधायकों को तोड़ने के लिए उन्हें फोन कर रहे हैं।

महाजन ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल को 17 जून से शुरू होने वाले राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले भाजपा में शामिल कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के अध्यक्ष अमित शाह ने नौ जून को दिल्ली में एक महत्त्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिसमें फडणवीस और राज्य के अन्य वरिष्ठ नेता इसमें शिरकत करेंगे।महाराष्ट्र में 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 122 सीट जीती थी जबकि सहयोगी शिव सेना ने 63 सीटों पर जीत हासिल की थी।

कार्यपालक अभियंता सहित दो लोकसेवक रिश्वत लेते गिरफ्तार

पटना, 8 जून (भाषा)।

बिहार राज्य निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की एक टीम ने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सुरेश प्रसाद सिंह और लेखा लिपिक शशिभूषण कुमार को शनिवार को एक ठेकेदार से रिश्वत के तौर पर 14 लाख रुपए लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

ब्यूरो से प्राप्त जानकारी के मुताबिक परिवादी अखिलेश कुमार जायसवाल ने शिकायत की थी कि पथ निर्माण विभाग के पटना प्रमंडल (पश्चिम) में कार्यरत कार्यपालक अभियंता सुरेश प्रसाद सिंह और लेखा लिपिक शशिभूषण कुमार ने 44 करोड़ रुपए के सड़क निर्माण से जुड़े एक इकरारनामा के एवज में उनसे 44 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी, लेकिन जब उन्होंने अनुनय विनय किया तो वह 32 लाख रुपए लेकर रक्षित अग्रिम बिल का भुगतान करने पर रजामंदी जाहिर की।

ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक गोपाल पासवान के नेतृत्व में एक टीम ने सुरेश प्रसाद और शशिभूषण कुमार को रिश्वत की निर्धारित राशि में से अग्रिम के तौर 14 लाख रुपए लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो की एक अन्य टीम द्वारा सुरेश के पटना स्थित आवास की तलाशी के क्रम में उनके घर से दो करोड़ 36 लाख रुपए नकद राशि, पटना में पांच फ्लैट और एक मकान, नोएडा में एक फ्लैट, पटना के बिहटा में 14 कट्ठे का भूखंड व 26 जीवन बीमा निगम की पॉलिसी से संबंधित दस्तावेज व दो वाहन जब्त किए।

'भारतीय सेना के सामने कई चुनौतियां'

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 8 जून।

भारतीय थल सेना के दक्षिण-पश्चिम कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल चैरिश मैथसन ने कहा कि भारतीय सेना के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनका मुकाबला भारतीय सेना डटकर कर रही है।

उन्होंने कहा कि देश की अंतरराष्ट्रीय पश्चिमी और उत्तरी सीमा में दो जगह हम दुश्मन देशों से सामना कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर आतंकवादियों से हम मुकाबला कर रहे हैं। इस तरह सेना के सामने ढाई ओर से चुनौतियां हैं। जिनका मुकाबला करने में भारतीय सेना सक्षम है। वे शनिवार को देहरादून में भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलवामा की घटना के बाद बालाकोट और जाफरान में हवाई हमले के बाद आतंकवादियों की गतिविधियों पर काफी हद तक काबू पाया गया है।

भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में से एक है। मैंने तीस देशों की फौजें नजदीक से देखी हैं और इनमें भारतीय फौज और हमारी सेना के जवान बहुत बेहतर हैं। ऐसी सक्षम फौज और बहादुर जवान दुनिया में मैंने कहीं नहीं देखे हैं।

भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी अकादमी का प्रशिक्षण उच्चकोटि का है और हमारी फौज श्रेष्ठतम है, तभी 14 देशों सहित कई मित्र देशों के जवान हमारी अकादमी में प्रशिक्षण लेने आते हैं और यहां से पासआउट होकर अपने-अपने देशों की फौज में सैन्य अफसर बनते हैं।

इसी साल इस सत्र में नौ देशों के 77 विदेशी कैडेट्स ने हमारी अकादमी से प्रशिक्षण लेकर पासआउट किया। क्योंकि यह सब इसलिए हो रहा है कि हमारी फौज और हमारी अकादमी विश्व में सर्वश्रेष्ठ है और कई विदेशी देशों का हमारी फौज और अकादमी को लेकर आकर्षण तेजी से बढ़ा है।

उन्होंने बताया कि 14 मित्र देशों के 20 फीसद फौजी अफसर हमारी अकादमी और सेना से पासआउट होकर अपने-अपने देशों की सेना में भर्ती हो रहे हैं। यह हमारी सेना और अकादमी की कार्यकुशलता का परिणाम है।

कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार 12 को : कुमारस्वामी

बंगलुरु, 8 जून (भाषा)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को घोषणा की कि कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार 12 जून को होगा। कांग्रेस-जद (सेकु) गठबंधन के भीतर बढ़ते असंतोष को समाप्त करने के लिए यह काफी अपेक्षित कदम था, जो सरकार की स्थिरता के लिए खतरा है।

कुमारस्वामी ने यह घोषणा राज्यपाल वजुभाई वाला से मुलाकात के बाद ट्वीट कर-के की। यह मुलाकात मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेताओं के बीच मशविरे के कुछ सप्ताह बाद हुई थी। उन्होंने ट्वीट किया कि आज मैंने माननीय राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें कैबिनेट विस्तार के लिए समय देने का अनुरोध किया। उन्होंने शपथ दिलाने के लिए 12 जून, बुधवार, पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे का समय तय किया है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और जद (सेकु) के खराब प्रदर्शन के बाद कैबिनेट विस्तार होने की उम्मीद की जा रही थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और जद (सेकु) दोनों कर्नाटक में मात्र एक-एक सीट ही जीत पाए। भाजपा ने कर्नाटक में 28 सीटों में से 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार एस अंबरीश ने मांड्या सीट पर कुमारस्वामी के पुत्र निखिल को हराया।

कैबिनेट विस्तार को चुनाव में हार के बाद उभर रहे असंतोष पर काबू पाने के एक तरीके के तौर पर देखा जा रहा है, विशेष तौर पर कांग्रेस में, क्योंकि कई वरिष्ठ नेता खुलेआम प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं। कर्नाटक में कुल 34 मंत्रिपद हैं, जिनमें से कांग्रेस और जद (सेकु) ने एक सहमति के तहत 22 और 12 साझा किए हैं। वर्तमान में तीन पद खाली हैं, दो जद (सेकु) से और एक कांग्रेस से। गठबंधन के लिए मुश्किल इस सप्ताह के शुरू में शुरू हुई थी, जब जद (सेकु) प्रदेश प्रमुख एएच विश्वनाथ ने गठबंधन के कामकाज की आलोचना करते हुए अपना पद छोड़ दिया था, जबकि कांग्रेस के दो वरिष्ठ विधायकों ने आम चुनाव में हार के लिए पार्टी के प्रदेश नेताओं पर निशाना साधा था।

त्रिपुरा : राजनीतिक हिंसा के सभी मामलों की जांच करेगी गठित समिति

अगरतला, 8 जून (भाषा) ।

त्रिपुरा की भाजपा-आइपीएफटी सरकार ने राजनीतिक हिंसा के उन सभी मामलों की जांच का फैसला किया है, जिनमें मृतकों के परिवार अपराधियों को सजा देने के लिए उचित जांच की मांग कर रहे हैं।

अधिसूचना के अनुसार सरकार ने कानून मंत्री रतन लाल नाथ के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो जांच पूरी होने के बाद अपनी अनुशंसाएं देगी। नाथ के अलावा कानून विभाग के प्रधान सचिव डीएम जमातिया को सदस्य और गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव देवेन्द्र रियांग को संयोजक के रूप में समिति में शामिल किया गया है।

हालांकि 2018 के विधानसभा चुनाव में हार के साथ 25 साल बाद सत्ता से बाहर हुई माकपा ने इस फैसले पर चिंता जताई है। पार्टी की राज्य समिति के सदस्य पबित्र कार ने कहा कि समिति का गठन पार्टी के सदस्यों को प्रताड़ित करने के लिए किया गया है और यह बीते एक साल में हुई हिंसक घटनाओं की जांच नहीं करेगी।

रियांग की ओर से गुरुवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है, राज्य सरकार ने उन सभी मामलों की जांच का फैसला किया है जिनमें बहुत समय पहले राजनीतिक हिंसा के चलते पीड़ितों की मौत हुई थी। पीड़ितों के परिवार के सदस्य इन मामलों में उचित जांच की मांग कर रहे हैं।

'एट होम' पार्टी का आयोजन नहीं करेंगे ओड़ीशा के राज्यपाल

भुवनेश्वर, 8 जून (भाषा)।

ओड़ीशा के राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल चक्रवात फोनी से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए इस साल स्वतंत्रता दिवस पर 'एट होम' पार्टी का आयोजन नहीं करेंगे।

राजभवन के एक प्रवक्ता ने कहा, 'राज्य में चक्रवात फोनी से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता जताते हुए राज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस-2019 के मौके पर 'एट होम' जश्न न मनाने का फैसला किया है।' ओड़ीशा के तटीय जिलों में भीषण चक्रवात फोनी से हुई क्षति के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। पुरी में तीन मई को दस्तक देने वाले चक्रवात फोनी के चलते कम से कम 64 लोग मारे गए। मौजूदा परंपरा के अनुसार राज्यपाल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर हर साल राजभवन में 'एट होम' पार्टी का आयोजन करते हैं।

उप्र सरकार ने राशन का अनाज असली लाभार्थियों को दिए जाने के लिए प्रणाली बनाई

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अनाज के गैरकानूनी वितरण को रोकने के लिए सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध करा रही राशन की दुकानों पर असली लाभार्थियों की पहचान के लिए सफलतापूर्वक सत्यापन की प्रक्रिया बनाई है।

उत्तर प्रदेश के खाद्य व नागरिक आपूर्ति राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि राज्यभर में राशन की दुकानों में ईपीओएस (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल) स्थापित की गई।

इसमें मशीन सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभार्थियों का उनके अंगूठे के निशान से सत्यापन करती है। ईपीओएस सुनिश्चित करती है कि सस्ती दरों पर अनाज का लाभ इसके पात्रों को ही मिले।

गर्ग ने कहा कि 50 लाख से अधिक गरीब परिवारों को सस्ती दरों पर अनाज नहीं मिला जबकि 1.75 करोड़ लोगों के लिए रखे अनाज को पहले 'फर्जी' लाभार्थियों में बांट दिया गया, लेकिन राज्य में भाजपा सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर सुधारात्मक उपाय किए।

अलीगढ़ में दो साल की बच्ची की निर्मम हत्या के बारे में एक सवाल पर मंत्री ने कहा कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और राज्य सरकार ने उचित कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने लापरवाही बरतने के आरोपी पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया है और मामले की जांच के लिए एक एसआइटी का गठन किया है।

केंद्र ने ओड़ीशा सरकार से मांगी प्रधानमंत्री किसान योजना के लाभार्थियों की सूची

भुवनेश्वर, 8 जून (भाषा) ।

ओड़ीशा के कृषि एवं किसान सशक्तिकरण मंत्री अरुण कुमार साहू ने कहा है कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत लाभ पाने वाले प्रदेश के किसानों सूची 31 जुलाई तक भेजने के लिए कहा है।

साहू ने, हालांकि, यह भी कहा कि यह अब तक स्पष्ट नहीं है कि प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत बड़े किसानों को शामिल करना है या नहीं।

मंत्री ने शुक्रवार को कहा, केंद्र ने ओड़ीशा सरकार से किसानों की सूची 31 जुलाई तक मांगी है। उन लोगों ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 2011 के कृषि जनगणना के अधार पर 46 लाख छोटे और कम जोत वाले किसानों को शामिल करने का निर्णय किया है। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान योजना की शुरूआत इस साल 24 फरवरी को की थी।

आग लगने के बाद गोवा हवाई अड्डा कुछ घंटों के लिए बंद रहा

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

गोवा हवाई अड्डे को शुक्रवार की दोपहर की आग की घटना के बाद कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया। नौसेना के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। हवाईअड्डे पर नौसेना के लड़ाकू विमान के एक ड्रॉप टैंक के नीचे गिरने से यह हादसा हुआ था। नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन डी के शर्मा ने कहा मिग-29के के उड़ान भरते समय इसका ड्रॉप टैंक नीचे गिर गया था जिससे हवाईअड्डे के मुख्य रनवे पर आग लग गई थी।

उन्होंने कहा कि अपराह्न दो बजे हुई घटना के बाद हवाई अड्डे को कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया था। गोवा हवाई अड्डे का इस्तेमाल नागरिक और सैन्य दोनों सेवाओं के लिये किया जाता है।

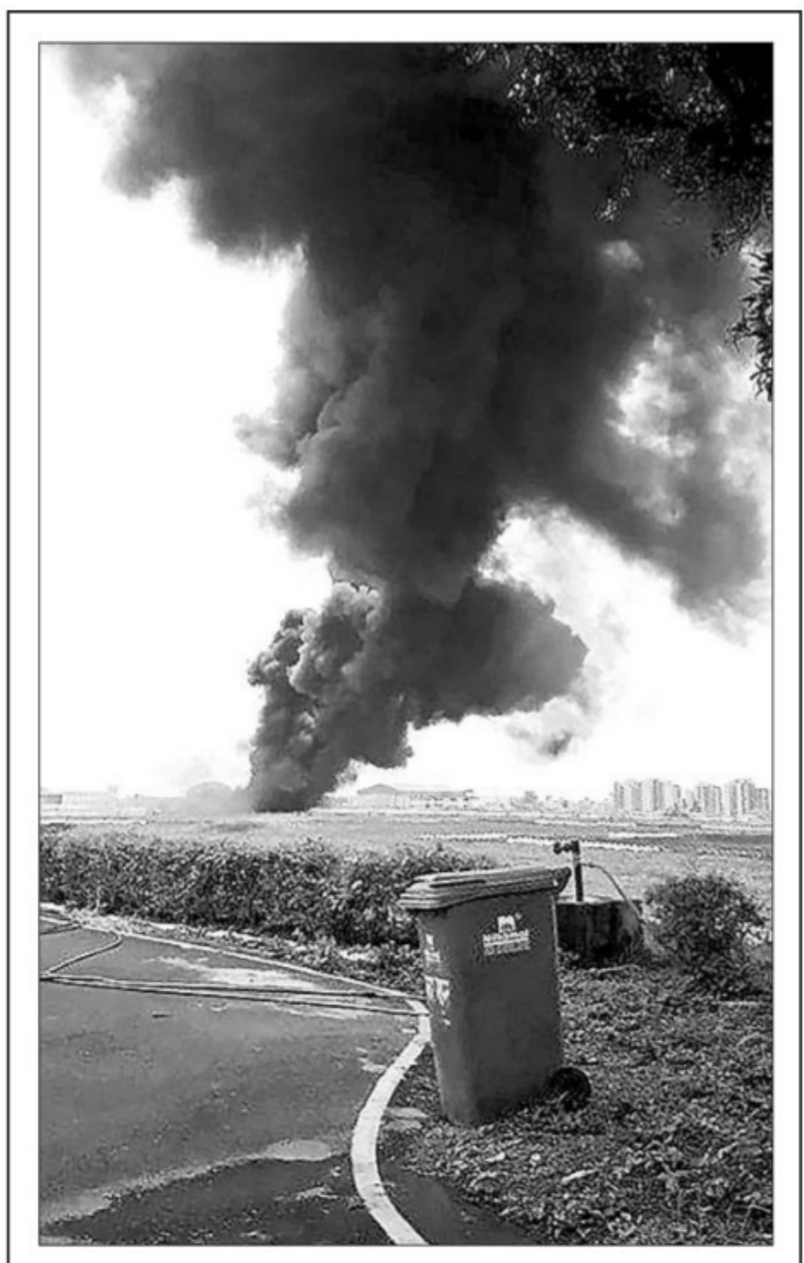

गोवा हवाई अड्डे पर शनिवार को गिरे मिग-29 विमान के ड्रॉप टैंक में आग लगने के कारण रनवे का मुख्य हिस्सा काफी देर तक बंद रहा।

मंदिर मुद्दे पर सभी को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिए : आठवले

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की 16 जून को अयोध्या की प्रस्तावित यात्रा से पहले राजग के घटक दल आरपीआई (ए) के प्रमुख व केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि सभी को इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे का अपनी पार्टी के सभी 18 नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों के साथ 16 जून को अयोध्या जाने और भगवान राम के दर्शन करने का कार्यक्रम है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के अध्यक्ष आठवले ने यहां जारी एक बयान में कहा, 'शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे अयोध्या जा रहे हैं उनका स्वागत है किन्तु उनके इस दौरे का राम मंदिर के निर्माण पर कोई असर नहीं पड़ेगा।'

आठवले ने कहा कि राम मंदिर मुद्दे का मध्यस्थता के माध्यम से यदि समाधान निकल आता है तो यह और बेहतर होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'सुप्रीम कोर्ट का फैसला इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अनुसार ही आएगा।'

उन्होंने कहा, 'देश के हिंदू समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए, हमेशा से उनका ऐसा मत रहा है लेकिन सभी पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का इंतजार करना चाहिए।'

उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर निर्माण को लेकर मध्यस्थता भी चल रही है और यदि इसके माध्यम से सकारात्मक निर्णय आ जाता है तो इससे समाज के सभी वर्गों के बीच मे आपसी सद्भाव भी बढ़ेगा।

फार्मा कंपनी के मालिक से घूस लेते समय वैज्ञानिक गिरफ्तार

इंदौर, 8 जून (भाषा)।

लोकायुक्त पुलिस ने एक फार्मा कंपनी के मालिक से दस हजार रुपए की कथित घूस ले रहे भारतीय मानक ब्यूरो के एक वैज्ञानिक को शनिवार को यहां रंगे हाथ धर दबोचा। इस संबंध में लोकायुक्त पुलिस के उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रवीण सिंह बघेल ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो के भोपाल स्थित शाखा कार्यालय में पदस्थ वैज्ञानिक अरुण कुमार शंखवार को इंदौर की एक फार्मा कंपनी के मालिक सुनील अजमेरा की शिकायत पर जाल बिछा कर पकड़ा गया। अजमेरा के दवा कारखाने का निरीक्षण करने भोपाल से इंदौर आया शंखवार इसी संयंत्र में उनसे दस हजार रुपए की कथित घूस ले रहा था।

उन्होंने बताया कि अजमेरा ने अपनी फार्मा कंपनी के एक रासायनिक उत्पाद के लिए आइएसआइ मार्क हासिल करने के वास्ते भारतीय मानक ब्यूरो को अर्जी देने के साथ तय शुल्क भर दिया था। आरोप है कि इस अर्जी को हरी झंडी दिलवाने के बदले शंखवार ने उनसे 50 हजार रुपए की घूस मांगी थी।

योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में 30 हजार लोग जुटेंगे

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 जून।

इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम रांची में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को रांची के प्रभात तारा मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम की अगुवाई करेंगे। इस कार्यक्रम में करीब 30 हजार लोगों के हिस्सा लेने की संभावना है।

मुख्य कार्यक्रम का पूर्वावलोकन 13 जून को रांची में होगा, जिसमें योग संगठनों और योग गुरुओं के साथ ही राज्य के कई अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही दिल्ली सहित देश भर में योग को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। आयुष मंत्रालय के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

आयुष मंत्रालय पिछले चार सालों में योग दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित कर चुका है। इस साल भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मंत्रालय की ओर से कई छोटे-बड़े आयोजन की तैयारी की गई है।सीआइआइ, फिक्की और आइसीएस जैसे उद्योग संगठनों के अलावा सीबीएसई, एनसीईआरटी, यूजीसी और डीएवी जैसे शैक्षिक निकाय भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के तहत विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत कर चुके हैं।

इसके अलावा, मंत्रालय शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी निकायों, व्यावसायिक संस्थानों, उद्योगों और सांस्कृतिक संगठनों को भी अपने कर्मचारियों और सदस्यों के स्वास्थ्य लाभ के लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। अंतराराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय इस बात पर जोर दे रहा है कि इस दिन बड़ी संख्या में लोग विभिन्न स्थानों पर सामूहिक रूप से योग कार्यक्रम में भाग लें।

मंत्रालय ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और जन कल्याण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने की केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप संबंधित मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समन्वित तरीके से काम करें।

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

क्या मोदी सबका भरोसा जीतेंगे

नरेंद्र मोदी को जो जनादेश मिला है, वह वाकई बहुत बड़ा है। निश्चित ही, पहले भी ऐसे मौके आए हैं जब लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों को तीन सौ तीन से ज्यादा सीटें मिली हैं। गौर करें, इंदिरा गांधी को 1980 में तीन सौ तिरपन सीटें मिली थीं, और 1984 में राजीव गांधी को चार सौ पंद्रह सीटें। लेकिन तब हालात अलग थे। इंदिरा गांधी ने एक अलोकप्रिय सरकार के खिलाफ बहादुरी से संघर्ष किया था और जेल सहित कई तरह के उत्पीड़न झेले थे और लगभग अकेले ही उन लोगों का समर्थन वापस हासिल किया, जिन्होंने उन्हें (रायबरेली में) और उनकी पार्टी को हराया था। राजीव गांधी के मामले में, वे सहानुभूति की उस लहर में जीते थे जो इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश में पैदा हुई थी।

मतदाताओं का भारी समर्थन

केवल जीती हुई सीटों की संख्या (303) ने नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर हुई भाजपा की जीत ने आश्चर्यचकित कर दिया। सिर्फ तीन राज्यों- केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश- में भाजपा सेंध नहीं लगा पाई। जीत का अंतर भी आश्चर्यजनक रूप से बड़ा रहा, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और असम में तो दोनों दलों के बीच सीधे मुकाबले में यह काफी ज्यादा रहा।

जब प्रामाणिक आंकड़े नहीं हैं, चुनाव और सर्वे इस बात की पुष्टि कर चुके हैं, जैसी कि उम्मीद थी, कि हिंदीभाषी और हिंदी जानने-समझने वाले राज्यों में सवर्ण जातियों के वोट पूरी तरह से भाजपा को गए। इसी तरह अन्य पिछड़े वर्गों और दलित, मुसलमानों और ईसाइयों के भी काफी वोट भाजपा को मिले। हो सकता है, उनका मकसद कुछ और रहा हो, लेकिन तथ्य यह है कि उन्होंने भाजपा को वोट दिए।

वोट मिले, विश्वास नहीं

मुझे लगता है नरेंद्र मोदी खुश तो हैं, पर संतुष्ट नहीं हैं। ऐसा कुछ तो है जिसे वे समझ गए हैं और शायद उनकी पार्टी में दूसरे लोग उसे पकड़ पाने में नाकाम रहे हैं, और वह यह कि दलितों, मुसलमानों, ईसाइयों और बेहद गरीबों के वोट हासिल कर लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका भरोसा जीतना भी जरूरी है। वे जानते हैं कि अपने पहले कार्यकाल में वे उनका भरोसा नहीं जीत पाए थे, इसलिए सबका साथ सबका विकास में सबका विश्वास भी जोड़ा।

यह एक चतुराई भरा कदम है, लेकिन इसमें जोखिम और मुश्किलें भी हैं। इस तरह की मुश्किलों के नाम हैं- गिरिराज सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और संजीव बालियान। और भी हैं जो चुन तो लिए गए, लेकिन दरकिनार कर दिए गए या चुन लिए गए और इंतजार में रखे गए हैं, जैसे- महेश शर्मा, अनंत कुमार हेगड़े, साक्षी महाराज, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और अन्य अनजाने।

गिरिराज सिंह जो एक कैबिनेट मंत्री हैं, पहले ही दो सहयोगी दलों के नेताओं के इफ्तार पार्टी में जाने को लेकर बेवजह अनुचित टिप्पणी कर चुके हैं। इसके लिए उन्हें पार्टी अध्यक्ष से फटकार भी सुननी पड़ी, लेकिन उन्होंने कोई खेद व्यक्त नहीं किया। साक्षी महाराज अपनी जीत के लिए धन्यवाद देने एक कैदी से मिलने जेल पहुंच गए जो उन्नाव बलात्कार कांड में जेल में बंद है। इस बलात्कार कांड ने 2017 में देश को हिला कर रख दिया था। साक्षी महाराज को अब तक कोई डांट-फटकार नहीं लगाई गई है।

बचपन या जवानी में जो पूर्वाग्रह बन जाते हैं उनसे मुक्त हो पाना आसान नहीं है। अगर संघ और भाजपा के नेता समय-समय पर इन पूर्वाग्रहों ('ईद के लिए बिजली, दीवाली के लिए बिजली नहीं', 'निर्वाचन क्षेत्र जहां अल्पसंख्यक बहुसंख्यक हैं') को हवा देते रहें तो ये मददगार नहीं होते। अगर दलितों और मुससमानों की भीड़ द्वारा हत्या की घटनाओं, जो कम से कम हफ्ते में एक बार तो हो ही जाती हैं, को नहीं रोक पाते हैं तो ये मददगार नहीं होते। अगर तीन सौ तीन सदस्यों में से एक मुसलिम समुदाय का चुन कर आ जाता है तो भी धारणा को बदलने में ये मददगार नहीं होते।

खौफ, कल्याण

एक और जटिल समस्या है। भाजपा इन वर्गों का विश्वास सिर्फ तभी जीत सकती है जब दो शर्तों को पूरा करे। पहली शर्त यह है कि किसी को भी खौफ में नहीं रहना चाहिए। दूसरी शर्त यह है कि धीरे-धीरे उनका आर्थिक स्तर सुधरना चाहिए। आज दोनों में से कोई भी शर्त पूरी नहीं हो पाई है, इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार इन दो शर्तों को पूरा करने के लिए कैसे बढ़ती है।

खास वर्गों के मन से खौफ खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। जब कभी किसी अपराध के लिए सजा न दी जाए तो अपराधी और सजा न देने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। क्या भाजपा उन लोगों को दंडित करेगी, जिन्होंने सजा देने में कोताही बरती और खौफ फैलाया? यह भारी काम है। आज के हालात में तो यह संभव नहीं दिखता, लेकिन मुझे उम्मीद है कि भाजपा नेतृत्व उन लोगों के खिलाफ अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करेगा जो आपराधिक कृत्यों में शामिल हैं।

दूसरी शर्त दरअसल पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में नहीं है। उदासीन वर्गों का आर्थिक स्तर तभी सुधरना शुरू हो पाएगा जब उन्हें और रोजगार मिलेंगे, और ज्यादा रोजगार सुरक्षा मिलेगी, उनकी आमद बढ़ेगी और सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं तक उनकी पहुंच बेहतर होने लगेगी। रोजगार और आमद उच्च और न्यायसंगत आर्थिक वृद्धि से ही सृजित होती हैं। और 2018-19 का साल किस निराशाजनक स्थिति के साथ खत्म हुआ है कि उच्च और न्यायसंगत विकास दर का दूर तक नाम नहीं है।

मुझे संदेह है कि दलित, मुसलिम, ईसाई और गरीबी रेखा से नीचे के तबके के लोगों ने भाजपा के उम्मीदवारों को वोट इसलिए दिया कि कोई और दूसरा उम्मीदवार चुनाव जीतता नहीं लगा और निश्चित रूप से कोई दूसरा उम्मीदवार जीतता हुआ नहीं लग रहा था। यह समझदारी का वोट था, यह विश्वास का वोट नहीं था। इनका भरोसा जीतने के लिए भाजपा को अभी काफी कुछ करना है।

यह असाधारण स्थिति है। भाजपा ने अपने उत्साही समर्थकों (जिनकी नजरों में मोदी गलत नहीं कर सकते) और उदासीन वर्गों (जिनकी नजर में मोदी ने अब तक कुछ नहीं किया है) के वोटों के सहारे सरकार बनाई है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि संसाधन संपन्न मोदी कैसे इस समंदर में बिना नक्शे के रास्ता तलाशते हैं।

बदरंग होते गांव

सुधीर विद्यार्थी

विगत कुछ दशकों से रचनाकारों का ग्रामीण जीवन से रिश्ता छीजा ही नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर टूटा है। गांवों से नगरों और फिर महानगरों की ओर पलायन इसका सबसे बड़ा कारक है। शहर चले गए लोगों की वह खेती लायक जमीन भी बिक-चुक गई, जिससे कभी उनका मिट्टी का रिश्ता रहा आया था। जो लेखक गांव में पले-बढ़े थे, उनके लिए भी शहर पहुंचने के बाद गांव एक नॉस्टेल्जिया भर रह गया, जो उनके सपने में जीने और भावुक होने का मामला बना रहा। स्मृतियों में रहा-बचा गांव यथार्थ में अब कहीं नहीं है। अब वह एकदम बदले और विरूपित रूप में हमारे सम्मुख विद्यमान है, जिसे शहरों के अपार्टमेंट्स में रह कर समझा नहीं जा सकता।

हालांकि आजादी के बाद देर तक गांवों में सामंती ढांचे के अवशेष बने-जमे रहे, जिनके टूटने-दरकने में काफी समय लगा। पर यह टूटन अनेक मायनों में सार्थक नहीं रही। इसे सबसे पहले तो इस रूप में देखा-समझा जा सकता है कि गांव-समाज बुरी तरह विघटित ही नहीं, बल्कि अनुपस्थित हुआ है। पूंजी और बाजार की दखलंदाजी से गांव अब पहले जैसे इकाई के तौर पर नहीं रहे। उनकी आत्मनिर्भरता खत्म हुई है। वे भी धीरे-धीरे नगर और महानगरमुखी होकर पराश्रित हो गए। वे अपने जीवन-यापन के मामले में भी पराधीनता का शिकार हुए। एक तरह से यह उनका स्पंदनहीन हो जाना है। संसदीय चुनावी राजनीति ने गांवों को अत्यंत बेदर्दी से जिस तरह निगलना और बदरंग करना शुरू किया, वह सचमुच पीड़ादायक है। सामंती ढांचा मिटा नहीं, बल्कि वह तब्दील होकर राजनीतिक दलों की बुनावट और सांचे-ढांचे में बहुत निर्लज्जता से ढलता-समाता चला गया। आज गांव राजनीतिक शत्रुता के हिंस्र अखाड़ों और शराबखोरी-मुकदमेबाजी के सबसे बड़े टापुओं में तब्दील हो गए हैं। शहर में बैठे कथाकार के लिए दूर से इस बदले गांव के यथार्थ को पकड़ पाना सचमुच कठिन होता जा रहा है।

गांवों में पहले भी जातियां थीं। सवर्ण और दबंगों का शोषण-दमन था, जो कमोबेश लंबे समय तक जाति-संघर्ष और जातीय शोषण के तौर पर बना रहा। धीरे-धीरे उसका चेहरा-मोहरा बदला। वोट की राजनीति ने जाति के आधार पर शोषितों-उत्पीड़ितों के भीतर नई चेतना का संचार किया। उनमें स्वयं के मनुष्य होने का भाव जागृत हुआ। उन्होंने सामंती वर्चस्व को तोड़ा। वे अपने अधिकारों के लिए उठ खड़े होने के रास्ते पर चल दिए। लेकिन इस स्थिति ने भी गांवों का बहुत भला नहीं किया। मसलन, जातिगत वैमनस्य और राजनीतिक खेमेबाजी की बुनियाद बेहद विषाक्त होती चली गई, जो किसी भी तरह ग्रामीण जीवन के नवनिर्माण के लिए उर्वर नहीं हो सकी। राजनीति में पहले जातियों का इस्तेमाल और बर्चस्व बढ़ा तो लगा कि यह जातिविहीन समाज के निर्माण के सपने को सार्थक और जीवंत करने का जरिया बनेगा, लेकिन दुर्भाग्यवश वैसा नहीं हो सका। जातिविहीन समाज के बनने की अवधारणा एक यूटोपिया ही बनी रही।

शहरों के अनाप-शनाप और उसके अनियोजित विकास के दैत्य ने विगत डेढ़-दो दशकों में ही कितने गांवों को निगल लिया, इसका मीजान लगाने का न किसी के पास समय है और यह सब समाज के नीति-निर्धारकों की चिंता के दायरे में भी नहीं आता। गांव के दुश्मन वे भवन निर्माता हैं, जो उनकी जमीनों को लगातार अजगर की मानिंद निगलते जा रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि खेती-माटी के प्रति पहले जैसा मोह और लगाव किसानों के भीतर नहीं रहा-बचा, सो ऊंची कीमत मिलने पर उससे अपना रिश्ता तोड़ने में उन्हें कतई संकोच नहीं होता। गांव पहले इकाई थे। किसानी अपने जीवन-जरूरत की चीजें स्वयं उपजाती थी। धीरे-धीरे पैसे का महत्त्व बढ़ा और नकदी फसलों का चलन रूझान में आता गया। खेती-किसानी की जरूरत की चीजें कस्बे और शहरों से खरीद कर लाई जाने लगीं। गांवों की आत्मनिर्भरता के क्षतिग्रस्त होने का यह सबसे बड़ा कारण था। अब सोचिए कि एक गांव की कई फसली उपजाऊ धरती बिक कर जब शहर की सीमा में समा कर पलक झपकते अपनी छाती पर कंक्रीट का जंगल खड़ा कर लेती है, तो यह सिर्फ एक गांव और उसकी देहाती बस्ती का नष्ट हो जाना नहीं है, बल्कि उस गांव का रहन-सहन, रीति-रिवाज, वहां का लोक जीवन, गीत-गवनई, कथा-किस्से, खलिहान, अखाड़े, खान-पान, उनके लोक देवताओं के पूजा-थान, पालतू पशुओं के रंभाने की आवाजें, उनके बाड़े, खुरों के निशान, गोधूलि सब कुछ नष्ट हो जाता है, जिसकी भरपाई किसी तरह संभव नहीं।

शहरों के विकास का एक प्रतिबिंब यह भी है कि विस्तारित होती शहरी बस्तियों के बाहर बाईपास के निर्माण का सिलसिला इधर एक दशक से बेहद तेजी के साथ बना-पनपा और संचालित हुआ है। शहर के बाहर बनने वाले इन चमकीले और चौड़े मार्गों के निर्माण का फैसला और घोषणाएं बाद में होती हैं, लेकिन उससे पहले ही अपनी साठ-गांठ के चलते बिल्डरों और कॉलानाइजरों को इसका पता चल जाता है और वे औने-पौने दामों में किसानों की जमीनें खरीदना शुरू कर देते हैं। किसान इस मुनाफे और षड्यंत्र से बेखबर रहा होता है और अंततः ठगा जाता है।

आज का सबसे भयावह संकट यह है कि कृषि योग्य भूमि का रकबा बहुत तेजी से घटता जा रहा है। अब एक नगर से दूसरे नगर को जोड़ने वाले राजगार्मों के दोनों तरफ भी उद्योग-व्यवसाय और आवासीय इमारतें पसरती जा रही हैं, जिसके चलते सड़कों के किनारे की फसलों की स्वाभाविक हरित पट्टियां अनुपस्थित होती जा रही हैं। खेत और खेती पर यह नए ढंग का संकट है, जिसकी ओर किसी का ध्यान नहीं है।

मुद्दा

> आज का सबसे भयावह संकट यह है कि कृषि योग्य भूमि का रकबा बहुत तेजी से घटता जा रहा है। अब एक नगर से दूसरे नगर को जोड़ने वाले राजगार्मों के दोनों तरफ भी उद्योग-व्यवसाय और आवासीय इमारतें पसरती जा रही हैं, जिसके चलते सड़कों के किनारे की फसलों की स्वाभाविक हरित पट्टियां अनुपस्थित होती जा रही हैं।

छोटे किसान की किसी को चिंता नहीं है। उसे बचाने और संरक्षण देने का मकसद भी सत्ता-व्यवस्था और किसी राजनीतिक दल के पास नदारद है। फसल पैदा होने के बाद उसके मंडी (समितियों) तक पहुंचने-पहुंचाने तक भी बिचौलियों का साम्राज्य छोटे किसान की रीढ़ तनने नहीं दे रहा। हरी सब्जियां तक पॉलिथिन में पैक होकर अब मॉल में बिकने लगी हैं। नकदी फसलों के मोह ने गांव की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। पुराना ढांचा टूटा, लेकिन नया निर्मित नहीं हो पाया। यह त्रासदी है गांवों की। हिंदी कथा संसार इसे ठीक ढंग से पकड़ नहीं पा रहा है। वहां शहरी जीवन के प्रतिबिंबन के पीछे यही है कि रचनाकार शहरवासी ही नहीं हुआ, बल्कि वह शहरी संस्कृति में इस कदर रच-बस गया है कि गांव अब उसके लिए पूरी तरह उपेक्षणीय और गैरजरूरी हो चुके हैं।

गांव में आज भी सघन अंधेरा है, जिससे उसे निकाल पाना बिजली के खंभों के बूते का तो बिल्कुल नहीं है। कथा-कहानी ही नहीं, फिल्मों में भी ग्रामीण जीवन के दृश्य पूरी तरह अनुपस्थित हो चुके हैं। नई पीढ़ी का गांव के प्रति आकर्षण खत्म हो चुका है। चमक-दमक और रंगीनी ही आधुनिकता और प्रगति का पर्याय बन चुकी है। ऐसे में गांव की तस्वीर पूरी तरह श्रीहीन और भयावह दिखाई पड़ रही है। एकदम बदरंग और दयनीय। धुंधलाते चित्रों की ओर देखना कोई पसंद नहीं करता। देहाती खुरदरा जीवन किसी को नहीं मोहता।

गांवों से शहरों की ओर पलायन को अनेक स्तरों पर चीन्हा जा सकता है। पढ़ी-लिखी नई पौध गांव में रहना नहीं चाहती। उसके लिए वहां अवसर भी नहीं हैं और उनके भीतर उस कठोर जिंदगी को जीने की इच्छाशक्ति भी पराजित हो चुकी है, जिसे कभी उसके पुरखों ने जिया था। गांव अब सुख-चैन या शांति की जगहें भी नहीं रहीं। वहां झगड़े-झंटे और व्यर्थ के वैमनस्य हैं। यही कारण है कि ग्रामीण जीवन की थाने-अदालतों में आवाजाही और उनका हस्तक्षेप अधिक बढ़ा है। सुलह-समझौतों और जीवन की सहभागिता का क्षरण इसके लिए जिम्मेदार है। हमारी बेशुमार और बेलगाम होती जीवन लालसाओं ने भी गांवों की शांति भंग की है। गांव अब सिर्फ खेतों के मध्य कुछ कच्चे और ज्यादा पक्के घरों की आबादी भर रह गए हैं जहां जीवन-रस पूरी तरह सूख-निचुड़ चुका है।

घाटी का दर्द

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

कश्मीर घाटी से इन दिनों जब भी कोई खबर आती है, अक्सर बुरी खबर होती है। पिछले हफ्ते ईद के दिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें नकाबपोश जिहादी आईएसआईएस के काले झंडे हाथों में लिए 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाते दिखे श्रीनगर की बड़ी मस्जिद के सामने। हर दूसरे दिन खबर मिलती है किसी मुठभेड़ की, जिसमें मारे जाते हैं भारत के दिलेर जवान एक ऐसे युद्ध में, जिसमें न युद्धभूमि है न असली दुश्मन। यह ऐसा युद्ध है, जिसमें न हार होती है किसी की, न जीत। हर ऐसी खबर के बाद ऐसा लगता है कि कश्मीर घाटी में चारों तरफ हिंसा की आग जल रही है और वहां जाने में खतरा है।

सो, पिछले हफ्ते जब मैं श्रीनगर गई, तो मुझे ऐसा लगा जैसे वही माहौल दिखेगा इस शहर में जो नब्बे के दशक में था, जब आतंकवाद की शुरुआत हुई थी कश्मीर को 'आजादी' दिलाने के नाम पर। वे दिन इतने बुरे थे कि कभी भी किसी वक्त श्रीनगर में हिंसा भड़क सकती थी। ये वही दिन थे जब कश्मीरी पंडितों को रातोंरात कश्मीर छोड़ कर भागना पड़ा था। ये वही दिन थे जब इस्लाम के नाम पर सिनेमाघर और शराब की दुकानें जबर्दस्ती बंद करवाते थे 'आजादी' के सिपाही। इन हादसों को मैंने अपनी आंखों से देखा था, क्योंकि श्रीनगर तकरीबन हर दूसरे हफ्ते जाया करती थी। कश्मीर पर किताब लिख रही थी और वहां जाए बिना काम नहीं बनता था, इसलिए कि उन दिनों टीवी के नाम पर सिर्फ दूरदर्शन था, जो हर हिंसक घटना को छिपाने की कोशिश करता था।

इस बार गई तो सोचा था कि वही माहौल मिलेगा श्रीनगर में। सो, हैरान हुई जब श्रीनगर में शांति का माहौल दिखा और लोगों में हिंसा को लेकर एक गहरी थकान। पुलवामा वाले हमले के बाद मुसाफिर इतने थोड़े गए हैं कश्मीर कि श्रीनगर के होटल और हाउसबोट तकरीबन खाली पड़े हैं इस मौसम में, जब पर्यटन पर निर्भर कश्मीरी अपनी आधी से ज्यादा सालाना कमाई करते हैं। दुख उनको लेकिन सिर्फ अपनी आर्थिक कठिनाइयों से नहीं है। दुख इस बात का भी है कि ऐसा लगने लगा है कि शांति कभी वापस लौट कर ही नहीं आएगी।

एक कारोबारी ने अपनी मायूसी इन शब्दों में व्यक्त की, 'बहुत सालों बाद 2016 में मैंने अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए सोनमर्ग में कुछ जमीन खरीदी यह सोच कर कि वहां होटल या गेस्टहाउस बनाऊंगा। उस वक्त अमन-शांति का माहौल इतना बना हुआ था और सैलानी इतने आ रहे थे कि ऐसा लगा कि कश्मीर के अच्छे दिन दोबारा लौट कर आ गए हैं। फिर वह मुठभेड़ हुई, जिसमें बुरहान वानी को मार दिया गया और शांति ऐसी गायब हुई कि महीनों तक श्रीनगर की सड़कों पर पत्थरबाजी होती रही। अब जब फिर से आने लगे थे सैलानी, तो पुलवामा की घटना हो गई और आप देख रही हैं कि यह होटल तकरीबन खाली है और यही हाल है हर होटल का।'

> पुलवामा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया है कई बार कि पाकिस्तान से बातचीत का सिलसिला दुबारा तभी संभव होगा, जब पाकिस्तान सरकार अपने जिहादी गुटों पर लगाम लगाने का ईमानदारी से प्रयास करती दिखेगी। सवाल है कि क्या हम कश्मीर में शांति ला सकते हैं पाकिस्तान से बातचीत किए बगैर?

कश्मीर की मायूसी देख कर मुझे दुख तो हुआ, लेकिन इस बात का ध्यान भी आया कि इस मायूसी का फायदा उठा कर प्रधानमंत्री मोदी नए सिरे से कोशिश शुरू कर सकते हैं कश्मीर घाटी में शांति बहाल करने की। ऐसा नहीं कि अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने कोशिश नहीं की थी, लेकिन उस समय नाकाम रहीं उनकी कोशिशें, क्योंकि राज्य की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती थीं, जिनको न राजनीतिक अक्ल थी और न प्रशासनिक समझ। सो, बुरहान वानी की हत्या के बाद जब पत्थरबाजों की भीड़ें श्रीनगर की सड़कों पर रोज निकलने लगीं अपना रोष जाहिर करने, महबूबा कुछ नहीं कर पाईं और स्थिति बिगड़ती गई है पिछले तीन वर्षों में। सो, आज अगर राज्य का शासन एक ऐसे राज्यपाल के हाथों में है, जिनको राजनीतिक समझ है, बहुत अच्छा मौका है एक बार फिर शांति लाने की कोशिश करने का।

ऐसा अगर करना चाहते हैं प्रधानमंत्री, तो शायद अटल बिहारी वाजपेयी की कश्मीर नीति से प्रेरणा ले सकते हैं। अटलजी ने जो 'कश्मीरियत, इंसानियत, जम्हूरियत' को आधार बना कर अपनी नीति बनाई थी, वह आज भी कश्मीरी याद करते हैं और जितना सम्मान अटलजी के लिए मैंने देखा इस बार, शायद ही किसी दूसरे प्रधानमंत्री के लिए कभी देखा होगा।

कश्मीर को हम अपनी अंदरूनी समस्या मानते हैं, लेकिन यह भी सच है कि पाकिस्तान से बात किए बिना इस समस्या का समाधान नामुमकिन है। पुलवामा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया है कई बार कि पाकिस्तान से बातचीत का सिलसिला दुबारा तभी संभव होगा, जब पाकिस्तान सरकार अपने जिहादी गुटों पर लगाम लगाने का ईमानदारी से प्रयास करती दिखेगी। सवाल है कि क्या हम कश्मीर में शांति ला सकते हैं पाकिस्तान से बातचीत किए बगैर?

कश्मीर घाटी में बहुत सालों बाद माहौल बना है अमन-शांति की वापसी का। बहुत सालों बाद श्रीनगर में मुझे एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला इस बार, जिसने जिहादियों का समर्थन किया। मोदी पहली बार जब प्रधानमंत्री बने थे तो नए सिरे से कश्मीर से रिश्ता जोड़ सकते थे, लेकिन उस बार चूक गए, क्योंकि जिस बाढ़ राहत का वादा कर गए थे कश्मीर में पहुंच कर वह 'पैकिज' कभी आया नहीं। श्रीनगर में शायद ही कोई घर था जिसको बाढ़ से गंभीर नुकसान न हुआ हो और जिसको सरकारी राहत की सख्त जरूरत न हुई हो, लेकिन वह राहत कभी पहुंची नहीं और मोदी ने घाटी का दिल जीतने का एक बहुत अच्छा मौका गंवा दिया। आज फिर से मौका है नए सिरे से कश्मीर में शांति लाने की कोशिश करने का। उम्मीद है कि इस बार इस मौके को मोदी हाथ से नहीं निकलने देंगे।

दीदी को इतना गुस्सा क्यों आता है?

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

नूतन सरकार! नया नया उत्साह, हर तरफ छलका पड़ रहा है।

सौ दिन का एजंडा। सौ दिन सरकार के इरादों के। सौ दिन मंत्रियों के। सौ दिन काम के। सौ दिन सौ बार बताने के- क्या क्या किया है, क्या क्या करना है और क्या क्या करेंगे कि बहुत तेजी से विकास करना है और नया भारत बनाना है।

सौ दिन के संकल्प बताए जा रहे हैं। नए नए मंत्री पुलकित हो कार्यभार ग्रहण कर 'फोटो ऑप' कर रहे हैं। हर खबर चैनल कोर्निश बजाता दिख रहा है कि आज उन्होंने कार्यभार संभाला, आज इन्होंने कार्यभार संभाला!

एंकरों में नंबर दो को लेकर दार्शनिक किस्म का ऊहापोह बना रहा। जिनकी आत्मा संशय से संतप्त नहीं रही, वे पहले ही क्षण से बताते रहे कि असली नंबर दो कौन हैं। उनके अहर्निश कवरेज बताते रहे कि इन दिनों असली 'डेप्युटी' कौन हैं?

तेज विकास की हुलास में ज्यों ही नई शिक्षा नीति का प्रस्ताव आया, त्यों ही उसमें प्रस्तावित तीन भाषा फार्मूले की धुनाई होने लगी। पहला गोला डीएमके नेता स्टालिन ने दागा कि भारत सिर्फ हिंदी राज्यों का देश नहीं है और इस नीति के बहाने हिंदी का थोपा जाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंग्रेजी एंकरों की मानो मन की चीती हो गई। हिंदी थोपने की बात पर सब धुनाई करने लगे। कर्नाटक तक से हिंदी-विरोधी कांग्रेसी आवाजें सुनाई देने लगीं। डीएमके के कंपटीशन में एआईडीएमके के महाबली जी ट्वीट मार दिए कि तीसरी भाषा की जगह सारे भारत में तमिल पढ़ाई जाए।

मगर फिर पता नहीं क्या हुआ कि ऐसे दिव्य तमिलवादी ट्वीट को अचानक वापस ले लिया गया।

सरकार तुरंत चेती और नई शिक्षा नीति के प्रस्ताव से 'तीसरी भाषा के रूप में हिंदी' वाली लाइनें हटा दी गईं, साथ ही अन्य भाषाओं की तरह हिंदी को भी 'वैकल्पिक' कर दिया और इस तरह 'डैमेज कंट्रोल' किया गया। मंत्री जी बोले कि यह 'प्रस्ताव' भर है, 'नीति' नहीं है।

तब भी अंग्रेजी एंकर तीन दिन तक हिंदी को 'टारगेट' करते रहे, लेकिन अफसोस कि इतने सारे हिंदी चैनलों में से एक भी हिंदी की पिटाई के खिलाफ नहीं जुटा!

कुछ अंग्रेजी चैनलों की जात ही कुछ ऐसी है कि कमाई हिंदी विज्ञापनों से करते हैं और गरियाते भी हिंदी को हैं! अरे भैये! हिंदी से इतनी ही नफरत है तो हिंदी के विज्ञापन दिखाना छोड़ दो। इस तरह हिंदी की कमाई खाना भी छोड़ दो!

और हिंदी खबर चैनल! उनके पास तो जैसे कोई भाषा नीति ही नहीं दिखती। तीन-चार दिन हिंदी पिटती रही और वे उसके पक्ष में एक लाइन न बोले! हिंदी से कमाई और हिंदी की ठुकाई! कुछ तो शर्म करो महानुभावो!

> कुछ अंग्रेजी चैनलों की जात ही कुछ ऐसी है कि कमाई हिंदी विज्ञापनों से करते हैं और गरियाते भी हिंदी को हैं! अरे भैये! हिंदी से इतनी ही नफरत है तो हिंदी के विज्ञापन दिखाना छोड़ दो। इस तरह हिंदी की कमाई खाना भी छोड़ दो!

इधर, सरकार नए भारत को बनाने में जुटी रही। उधर कुछ नेता नए भारत में अपनी 'ठोक-लीला' प्रदर्शित करते रहे।

कई चैनल ऐसे 'ठोक वीडियो' दिखाते रहे : एक बड़े दल का नेता एक लघु दल की नेत्री को सरेआम लात-घूंसों से मारता है। अगले सीन में औरत न्याय की गुहार करती है। एक एंकर पूछती है कि क्या इस औरत को इंसाफ मिलेगा? क्या 'महिला आयोग' इस शर्मनाक घटना का संज्ञान लेगा। लेकिन शाम तक अगले वीडियो में वही औरत उसी पीटने वाले को राखी बांधती दिखती है और बताती है कि उन्होंने माफी मांग ली, तो हमने राखी बांध दी! इसे कहते हैं कि 'धींग मारे रोने न दे'! इसका अगला संस्करण है : धींग मारे भी और राखी भी बंधवाए!

नए भारत में घृणा के भी एक से एक दिव्य संस्करण बनते रहे : ममता दीदी कार में जा रही हैं कि सड़क के एक ओर से 'जै श्रीराम' के नारे सुनाई पड़ते हैं। ममता दीदी कार रोक और उतर कर नारेबाजों को ललकारने लगती हैं : मुझे गाली देते हो... मेरे सामने आकर दो...

बार-बार 'जै श्रीराम' नारा लगता दिखता। बार-बार कार रुकती। ममता दीदी उतरतीं और वही डायलाग बोलतीं। अंग्रेजी के दो एंकर ममता दीदी की असहिष्णुता को कोसते रहे। जवाब में टीएमसी वाले भी 'बंगी-हिंदी' में बहसते रहे कि बंगाल में 'जै श्रीराम' नहीं चलता। इधर 'जय मां काली', 'जय बांग्ला' और 'जय हिंद' चलता है।

इसके आगे फूहड़ किस्म की गांधीगीरी की जाने लगी। 'जै श्रीराम' वालों ने एलान किया कि वे 'जै श्रीराम' लिखे हुए दस लाख पोस्टकार्ड ममता दीदी को भेजेंगे, तो जवाब में टीएमसी वाले बोले कि हम दिल्ली को बीस लाख पोस्टकार्ड पर 'जय बांग्ला' 'जय हिंदी' लिख कर भेजेंगे! अंत में एक टीएमसी वाले ने 'जै श्रीराम की टीआरपी डाउन' कह कर भक्तों को 'चैलेंज' किया, जिसका उत्तर अभी आना है।

ममता दीदी को इतना गुस्सा क्यों आता है?

ममता चिढ़ती हैं, तो चिढ़ाओ और उनकी चिढ़ को 'एक्सपोज' करो- भक्त जन पिछले पांच साल से इसी तरह की भड़काऊ और चिढ़ाऊ सांस्कृतिक राजनीति करते रहे हैं और चिढ़ कर और खिसिया कर विपक्षी उनकी संकुल राजनीति में फंसते रहे हैं। ध्यान रहे, आपकी चिढ़ आपको कमजोर दिखाती है। चिढ़ा हुआ चेहरा भक्तों का सबसे आसान शिकार होता है।

और किसी से नहीं, तो ममता दीदी, माया-अखिलेश से ही सीख लें। इतनी करारी हार के बाद भी माया ने गठबंधन तोड़ा, तो हंसते हुए और अखिलेश ने टूटा माना तो हंसते हुए। ममता दीदी को इनसे कुछ तो सीखना चाहिए।

इस तू-तू मैं-मैं के बीच दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कमाल किया। दिल्ली मेट्रो और डीटीसी की बसों में दिल्लीवासी औरतों को मुफ्त में यात्रा करने का एलान करके भक्तों को चित्त कर दिया। कई भक्त एंकर बेचैन दिखे कि इतना पैसा कहां से लाएंगे कि ऐसी 'फ्री राइड' देने से खजाने खाली हो जाते हैं और कि यह सब चुनाव की हार के बाद वोट बैंक बनाने की राजनीति है। राजनीति किस चीज में नहीं है महाराज?

हार की जिम्मेदारी सामूहिक होती है

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक तंवर का कहना है कि कांग्रेस को अपनी एक सौ चौंतीस साल की विरासत के साथ अपने संघर्ष को बचाना है। इस बार लोकसभा चुनाव में हरियाणा में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई। इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस में हाहाकार है। हार का ठीकरा तंवर के सिर फोड़ते हुए उनसे इस्तीफे तक की मांग की गई, पर उन्होंने कहा कि बेशक मुझे गोली मार दो, पर मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। इन तमाम मुद्दों को लेकर हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए एक सबक भी है और चुनौती भी कि हम अपनी कमियों को स्वीकार करें और भाजपा से मुठभेड़ के लिए तैयार हो जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मेहनत करेगी और उठ खड़ी होगी। बातचीत कार्यक्रम का संचालन किया कार्यकारी संपादक मुकेश भारद्वाज ने।

बारादरी की बैठक में अशोक तंवर

सभी फोटो : आरुष चोपड़ा

अजय पांडेय : आज हरियाणा में सीधी लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच है, बाकी दल किनारे हो चुके हैं। इसके बावजूद कांग्रेस चुनाव में कैसे पिछड़ गई?

अशोक तंवर : यह बात बिल्कुल ठीक है कि सीधी लड़ाई है। पहले हरियाणा की राजनीति चंद घरानों के बीच घूमती थी, पर पिछले कुछ वर्षों में उसमें एक बड़ा बदलाव आया है। हालांकि जबसे हरियाणा बना है, तबसे इनेलोद बी टीम की तरह ही काम करती रही है। कभी भाजपा की बी टीम, कभी किसी और की। पिछले चुनाव में लोकसभा की दो सीटें मिली थीं, उन्नीस सीटें विधानसभा में मिलीं और उन्हें विपक्ष की भूमिका मिली। मगर वे विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पाए और फिर धीरे-धीरे जिस तरह से परिवार में कलह हुई उसका नतीजा यह हुआ कि वह पार्टी टूटी। जहां तक वोट प्रतिशत की बात है, तो उनको बहुत कम वोट प्रतिशत मिला है। वह वोट भाजपा को मिला। हालांकि हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा है। पूरे हरियाणा में हमें छह प्रतिशत वोट मिले। मगर सच्चाई यह है कि हम हारे हैं। उसके बावजूद लोग कहते हैं कि वे मुद्दे अलग थे। वोट लोगों ने मोदी जी के नाम पर दिए। लोग कहते हैं कि पहले सांसद प्रधानमंत्री को चुनते थे, इस बार प्रधानमंत्री के चेहरे पर लोगों ने सांसदों को चुना। यह उनकी रणनीति थी, जो कामयाब हुई। मगर मुझे पूरा यकीन है कि हरियाणा में अभी से उनका विरोध शुरू हो गया है और आने वाले समय में कांग्रेस को हर वर्ग का सहयोग और समर्थन मिलने वाला है। और इस लोकसभा चुनाव में जो वोट भाजपा की तरफ गया है, चाहे वह इनेलोद का हो, जेजेपी का हो या दूसरी पार्टियों का, उसे कांग्रेस अपने पक्ष में लाने में कामयाब होगी।

पंकज रोहिला : तीन महीने का समय बहुत कम है। ऐसे में कांग्रेस की क्या रणनीति होगी कि वह हरियाणा में जनाधार अपने पक्ष में कर ले?

● तीन महीने तो बहुत ज्यादा समय है। जब नतीजे आ रहे थे तभी तीन-चार दिन पहले लोगों ने कहना शुरू कर दिया था कि लोकसभा का मामला अलग था और विधानसभा का मामला अलग है। अभी कर्मचारियों के आंदोलन शुरू हो गए हैं। कई जिलों में किसान धरने पर बैठे हैं। वे अपनी फसल के मूल्य को लेकर भी बैठे हैं, कहीं भूमि अधिग्रहण को लेकर भी बैठे हैं। जो कीमत यूपीए सरकार ने तय की थी, वह उन्हें नहीं मिल रही। तो, कई मुद्दे हैं। युवाओं की बेरोजगारी का मामला है। तो, धीरे-धीरे जब चीजें खुलेंगी, तो मैं समझता हूं कि परिस्थिति बदलेगी। पहले भी अनेक उदाहरण रहे हैं कि लोकसभा और विधानसभा के नतीजे भिन्न रहे हैं। जहां दोनों के चुनाव साथ होते हैं, वहां भी नतीजे भिन्न आए हैं। यहां तो तीन-चार महीने का समय है। तो, मैं समझता हूं कि कांग्रेस के भीतर जो हमारी कमियां हैं, उन्हें भी हम दूर करें और लोगों के बीच एकजुट होकर मजबूती से जाएं, तो निश्चित रूप से परिणाम बहुत आश्चर्यजनक होंगे। हरियाणा में चमत्कार होगा।

मृणाल वल्लरी : भाजपा का काम बूथ के स्तर पर दिखा, बहुत सूक्ष्म स्तर पर उसने प्रबंधन किया। इसके बरक्स कांग्रेस में जमीनी पकड़ नहीं दिखी। अब कांग्रेस की सूक्ष्म स्तर पर क्या रणनीति होगी?

● हम सूक्ष्म स्तर पर काम कर रहे हैं। हमारे जो साथी चुनाव लड़ रहे थे और जो हमारे साथी कार्यकर्ता हैं, उन्होंने भी बूथ स्तर पर काफी मेहनत की। ऐसा नहीं कि भाजपा का बूथ बहुत मजबूत था। कई जगहों पर उनके बूथ एजंट भी नहीं थे। हां, यह जरूर है कि भाजपा को सरकारी मशीनरी का बहुत अच्छी तरह दुरुपयोग करने आता है। अंतिम समय तक, मतदान के दिन तक, लोगों के खाते में सरकारी योजनाओं के पैसे गए। हमारे यहां एक जिले के अंदर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए बांटने का काम किया। इसी तरह सरपंचों को प्रलोभन देने का काम किया। कांग्रेस न तो इस तरीके से कभी करती है और न कभी किया कि सरकारी तंत्र का उपयोग इस पैमाने पर करे। तो, यह हमारे लिए एक सबक भी है और चुनौती भी है कि हम अपनी कमियों को स्वीकार करें और भाजपा से मुठभेड़ के लिए तैयार करें।

दीपक रस्तोगी : कांग्रेस ने अनुभवी नेताओं के साथ युवा नेताओं का तालमेल बिठाने की रणनीति बनाई थी। लोकसभा चुनाव में वह तालमेल कैसे गड़बड़ हुआ कि दोनों के बीच मतभेद उभरने शुरू हो गए?

● मैं समझता हूं कि कांग्रेस के शीर्ष से लेकर बूथ स्तर तक के नेताओं को सबसे पहले अपना अहं त्यागना पड़ेगा। कांग्रेस सबसे पुरानी पार्टी है। तो कई बार हम अपने पद और कद को लेकर अहं पाल लेते हैं, जबकि आज कद और पद की लड़ाई नहीं, देश, प्रदेश और कांग्रेस को बचाने की लड़ाई है। किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, बेरोजगार नौजवान, माताएं-बहनें, जो हमारी तरफ देखते हैं कि कांग्रेस पार्टी हमें बचा सकती है, हमारी मदद कर सकती है, उनके बारे में हमें सोचना चाहिए। इसलिए हमने कहा कि अगले चार महीने कांग्रेस को बचाने की हमारी लड़ाई होगी।

मुकेश भारद्वाज : कांग्रेस के लिए यह मंथन का दौर है। मगर हरियाणा में एक-दूसरे पर आरोप लगाए जा रहे हैं। इस अंदरूनी झगड़े ने आप लोगों की हार में कितनी भूमिका निभाई है?

● हार-जीत तो सामूहिक होती है। न तो कोई एक व्यक्ति जिता सकता है और न हरा सकता है। इसमें बहुत से बाहरी कारण होते हैं, जो आपके हाथ में नहीं होते। इस चुनाव में ऐसी कई बाहरी शक्तियां थीं, जिन्होंने प्रतिकूल प्रभाव डाला। जो हमारे हाथ में है, उसका हम अपने तरीके से सही इस्तेमाल करें। आरोप-प्रत्यारोप से काम नहीं चलेगा। हमें देखना है कि कैसे हम एक-दूसरे का पूरक बन कर काम करें। हम अलग-अलग जगहों से चुनाव लड़े इसलिए हम जो एक-दूसरे का सहयोग कर सकते थे वह नहीं कर पाए, शायद यह भी एक कारण रहा। जबकि भाजपा के सारे नेता एक-दूसरे की मदद कर पाए। तो अब हमें लोकसभा चुनाव में जो कमियां रहीं उनका विश्लेषण करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। अब तो जो धुंधलका था, वह भी काफी हद तक छंट गया है। अंदरूनी कारणों की जांच हमें करनी पड़ेगी।

अजय पांडेय : राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने की घोषणा कर दी थी। अब क्या लगता है कि वे विधानसभा चुनावों में सभी को एकजुट कर पाने में सक्षम होंगे?

● पूरे देश से आवाज उठ रही है कि राहुल जी ही एकमात्र विकल्प हैं। वही कांग्रेस को आगे लेकर जा सकते हैं। यह तो सबको पता है कि पिछले पांच साल तक किसी ने सड़कों पर उतर कर किसी ने मजबूती से आवाज उठाई तो वे राहुल गांधी हैं। आज निश्चित रूप से परिणाम हमारे लिए निराशाजनक रहे हैं, पर आज भी प्रेरक शक्ति हमारे लिए वही हैं। उनके नेतृत्व में संगठन आज भी सुरक्षित है, ऐसा हम मानते हैं। उनकी सादगी, समर्पण, संघर्ष और उनकी समझ, सारी चीजों को आज देख रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि एक समय आएगा कि जब देश यह कहेगा कि हमने 2014 में उनको क्यों नहीं चुना। 2019 में क्यों नहीं चुना और जब चुना तब देश काफी पीछे चला गया था। उन्होंने जिम्मेदारी ली, यह उनका बड़प्पन है। मगर जिम्मेदार वे अकेले नहीं हैं, जिम्मेदार हम जैसे सभी लोग हैं, जिनके ऊपर जिम्मेदारी थी। इसलिए हमें सामूहिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

सूर्यनाथ सिंह : कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर आरोप है कि वे जमीनी स्तर पर संजीदगी से नहीं उतरते, जिसके चलते नीचे के कार्यकर्ताओं पर बुरा असर पड़ता है। जबकि भाजपा ने बहुत आक्रामक तरीके से प्रचार अभियान चलाया। इस तरह उसे कहां तक टक्कर दे पाएंगे?

● देश में सब जगह कांग्रेस का मत प्रतिशत बढ़ा है। हां, कमियां अभी हैं और उन्हीं कमियों को चिह्नित कर-के हमें बारीकी से काम करना पड़ेगा। अब वह समय गया, जब कांग्रेस का एकछत्र राज्य हुआ करता था और हम काम करें, न करें वोट हमें मिलता था। अब हमें अपने को नए ढांचे में ढालना पड़ेगा। संगठन की अलग-अलग स्तर पर ओवरहालिंग करनी पड़ेगी।

मुकेश भारद्वाज : राहुल गांधी ने कुछ नेताओं का नाम लेकर कहा कि वे पुत्रमोह में पड़े रहे। क्या आपको लगता है कि आपके नेता परिवार को ऊपर रख रहे हैं, इसलिए पार्टी को नुकसान हो रहा है?

● मैं समझता हूं कि कई ऐसे चुनाव क्षेत्र हैं, जहां एक ही परिवार के लोगों को लंबे समय से मौका मिलता रहा है। आजादी के बाद से अब तक उन पर एक ही घराने का वर्चस्व है। तो कहीं न कहीं हमें सोचना पड़ेगा कि चुनाव क्षेत्रों में रोटेशन प्रणाली लागू की जाए। नए लोगों को मौका दिया जाए। हरियाणा चुनाव में हम यह प्रयोग करेंगे। हमें पुत्रमोह और बार-बार हारने वालों पर दांव लगाने के चक्र से बाहर निकलना होगा।

आर्येंद्र उपाध्याय : इस चुनाव में ईवीएम पर भी सवाल उठाए गए हैं। आप इसे किस तरह देखते हैं?

● ईवीएम पर बहुत पहले से शंकाएं जाहिर की जा रही हैं। बहुत से लोग कहते रहे हैं कि वर्तमान सत्ता पक्ष ईवीएम में गड़बड़ी करता रहा है। फिर जिन देशों ने ईवीएम ईजाद किया, उन्होंने जब उसका इस्तेमाल बंद कर दिया, तो हमें क्यों उससे चिपके रहना चाहिए। इन्हीं बातों को लेकर सारे विपक्षी दल बार-बार निर्वाचन आयोग में गए, सर्वोच्च न्यायालय में गए। कहीं-कहीं कुछ गड़बड़ हो सकती है, जैसे किसी बूथ पर हमें तीन-चार सौ वोटों से जीतना चाहिए था, वहां हम तीन-चार सौ वोटों से हार गए। तो, जहां इतनी नजदकी लड़ाई है, वहां तो गड़बड़ी की बात समझी जा सकती है, पर जहां हजारों वोट का अंतर है, उसे हम प्रमाणित नहीं कर सकते। इसलिए हम यह नहीं कह सकते कि पूरे देश के स्तर पर वे मशीनों को बदल देते हैं। पर कहीं न कहीं कुछ तो गड़बड़ है। इन शंकाओं को दूर करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है और यह लोकतंत्र के हित में भी है।

मृणाल वल्लरी : आज का समय छवि की राजनीति का है। इस बार दो चेहरों को सामने रख कर चुनाव लड़े गए, उसमें राहुल गांधी को लोगों ने खारिज कर दिया। अगले चुनाव में आप किस तरह से इस छवि को तोड़ेंगे?

● दरअसल, राहुल जी की एक छवि बना दी गई है। जो उनकी असली कार्यशैली है, जिस तरीके से वे सोचते हैं, जिस तरह वे देश को सशक्त करना चाहते हैं, उन सबके बारे में लोगों को बताना पड़ेगा। कहीं न कहीं कांग्रेस से इस मामले में चूक हुई है। जब वह छवि बदलेगी, तो लोग निश्चित रूप से कांग्रेस के साथ खड़े होंगे। उसकी शुरुआत हम हरियाणा चुनाव से करने जा रहे हैं।

अजय पांडेय : कहा जाता है कि हरियाणा की राजनीति जाट और गैर-जाट में बंट गई है। इस विभाजन को आप कैसे दूर करेंगे?

● कांग्रेस ने कभी धर्म और जाति के नाम पर लोगों को बांटने का काम नहीं किया। यह भाजपा करती रही है। मैं सभी हरियाणा वासियों से अनुरोध करूंगा कि हमें इस लड़ाई को इन सब चीजों से ऊपर उठ कर देखना चाहिए।

पहले भी अनेक उदाहरण रहे हैं कि लोकसभा और विधानसभा के नतीजे भिन्न रहे हैं। जहां दोनों के चुनाव साथ होते हैं, वहां भी नतीजे भिन्न आए हैं। यहां तो तीन-चार महीने का समय है। तो, मैं समझता हूं कि कांग्रेस के भीतर जो हमारी कमियां हैं, उन्हें भी हम दूर करें और लोगों के बीच एकजुट होकर मजबूती से जाएं, तो निश्चित रूप से परिणाम बहुत आश्चर्यजनक होंगे। हरियाणा में चमत्कार होगा।

दीपक रस्तोगी : आप भूपिंदर सिंह हुड्डा के लिए कुछ कहना चाहेंगे?

● मैं तो कांग्रेस के सभी नेताओं से कहना चाहूंगा कि वे अपने अहं को त्यागें और प्रदेश को बचाने का काम करें, पार्टी को बचाने का काम करें। अगर हम लोग मिल कर आज से मन बना लें कि कांग्रेस को लेकर आना है, तो मुझे नहीं लगता कि कोई ऐसी ताकत है, जो कांग्रेस को बहुमत लाने से रोक सके।

पंकज रोहिला : किसानों को लेकर आपके पास क्या योजनाएं हैं?

● योजना तो फिलहाल यही है कि किसानों के लिए जो वादे वर्तमान सरकार ने किए थे, वे पूरे नहीं हुए। फिर जब हम चार्जशीट दाखिल करेंगे, तो उसमें वे सारे मुद्दे डालेंगे, कि किसानों को लेकर केंद्र की सरकार ने क्या वादे किए, राज्य की सरकार ने क्या वादे किए। उन पर कितना काम हुआ, उसका फायदा किसान तक पहुंचा कि नहीं पहुंचा। इन्होंने 'भावांतर' की घोषणा तो कर दी, पर वास्तव में किसान को उसका लाभ नहीं मिला। ये सारी चीजें लेकर हम लोगों के पास जाएंगे।

आर्येंद्र उपाध्याय : हरियाणा के मौजूदा मुख्यमंत्री के कामकाज को आप दस में से कितने नंबर देंगे? आपको क्यों लगता है कि वे दुबारा सत्ता में नहीं आएंगे?

● मैं तो उनके कामकाज को ऋणात्मक अंक दूंगा। वे चार साल तो यही कहते रहे कि मेरे पास अनुभव नहीं है। जब जाट आरक्षण का आंदोलन हुआ, तो वे मुख्यमंत्री आवास में चद्दर डाल कर सो गए। पर मैं यह भी मानता हूं कि नगरपालिकाओं के जो चुनाव हुए वहां से कांग्रेस स्थिति को बदल सकती थी, पर हम नाकाम रहे। हमारी गलती थी कि हमारे लोग चुनाव निशान पर चुनाव नहीं लड़े। पर प्रदेश में जिस तरह से वहां की सरकार ने भ्रष्ट लोगों को संरक्षण दिया है उससे लोग उसके खिलाफ हो गए हैं। इसलिए वहां खट्टर सरकार का जाना तय है।

प्रस्तुतिः सूर्यनाथ सिंह / मृणाल वल्लरी

जनसत्ता बारादरी

अशोक तंवर

डॉक्टर अशोक तंवर का जन्म 12 फरवरी, 1976 को दिल्ली में हुआ। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एमए, एमफिल और पीएचडी की। जेएनयू में ही कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआइ से जुड़े और 2003 में छात्र संघ के अध्यक्ष बने। एनएसयूआइ में युवा नेता के तौर पर इनका कार्यकाल उल्लेखनीय रहा। छात्र संगठन को अनुशासित कर ज्यादा से ज्यादा छात्रों के बीच पहुंचाने का काम किया। 2009 में कांग्रेस ने जब इन्हें सिरसा से टिकट दिया, तो इनके पास चुनावी तैयारी के लिए एक महीने से भी कम वक्त था, लेकिन इन्होंने इनेलोद के प्रतिद्वंद्वी सीताराम को पैंतीस हजार से ज्यादा वोटों से हराया। ताजा लोकसभा चुनावों में हरियाणा में कांग्रेस की हार के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के तौर पर सवालों के घेरे में हैं। हरियाणा आसन्न विधानसभा चुनाव भी इनके लिए बड़ी चुनौती है।

किताबें मिलीं

श्रीकृष्ण रस

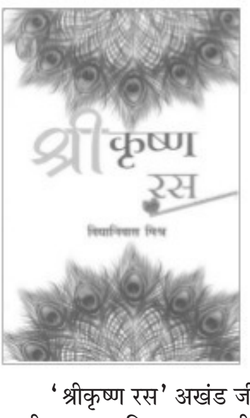

भारतीय जीवन में श्रीकृष्ण और उनकी लीला के विविध रूप गहराई तक भिने हुए हैं। प्रतीकों, उत्सवों और तमाम जीवन व्यापारों में कृष्ण आज भी सजीव हैं और जन-जन की आस्था के आधार बने हुए हैं। भारतीय नृत्य, संगीत और चित्रकला में भी कृष्ण अनेकशः उपस्थित देखे जा सकते हैं। उनका चरित्र बहुआयामी है। नायक, योद्धा, मित्र, गोपी, नीतिविद जाने कितने रूप इस लीला पुरुषोत्तम ने धरे हैं, जो जीवन के कड़वे-मीठे सच का साक्षात अनुभव कराते हैं। कृष्ण जैसा संघर्षमय जीवन केवल कृष्ण का ही है। समस्त लोक के कल्याण के लिए कृष्ण ने अपने को सदैव सन्नद्ध रखा, पर स्वयं किसी तरह की आसक्ति से कभी विचलित नहीं हुए। गोपियों के साथ महारास हो या भीषण युद्ध क्षेत्र हो, गुरु का आश्रम हो या राज-भवन श्रीकृष्ण हर अवसर पर देश-काल की मर्यादा का सम्मान करते हैं।

'श्रीकृष्ण रस' अखंड जीवन के लिए आमंत्रण है। सकारात्मक भाव, सर्वभूतहित की चेतना और जीवन का अविरल प्रवाह ही श्रीकृष्ण रस है। इसी रस की उद्भावना इस संकलन में प्रस्तुत रचनाओं में प्रकट हुई है। आजकल के विश्रृंखलित हो रहे जीवन में जब मोह, लोभ और मद जैसी आपदाओं से लड़ने के लिए आंतरिक शक्ति चाहिए, 'श्रीकृष्ण रस' एक सबल आधार प्रदान करेगा।

श्रीकृष्ण रस : विद्यानिवास मिश्र; वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली; 495 रुपए।

चौबारे पर एकालाप

इस कविता संग्रह की कविताएं एक विडंबनात्मक समय-बोध के साथ जीने के एहसास को और सघन बनाती हैं। औसत का संदर्भ, नए समय के नए संबंध, खुरदुरापन, स्थितियों के बेढब ढांचे, वजूद की अजीबोगरीब शर्तें, तेजी से बदलता परिवेश, जिनमें जीवन जीने की बुनियादी लय ही गड़बड़ायी हुई है। अपने इस वर्तमान को कवि देखता है, रचता है और कई बार उसका यह विडंबना बोध सिनिकल होने की हदों को भी छूने लगता है। एक तर्कहीन समय और बहुत सारे छद्म के बीच जीते हुए इन कविताओं का अंदाज किसी हद तक एक अगंभीर मुद्रा को अपना औजार बनाता है। जीवन जिसमें सपने, स्मृतियां, उदासी, खीझ, तिक्तता और लाचारी एक दूसरे में घुल मिल गए हैं। इन कविताओं में बहुत सारे विषय और परिस्थितियां हैं, मूर्त और अमूर्त स्थितियों का मिश्रण है, परिदृश्य की एक स्थानिकता है, एक धीमी लय, एक तलाश और अस्त व्यस्तता है, जगमगाहट के पीछे से झांकते अंधेरे कोने-कुचाले हैं, विद्रूपताएं हैं और स्थिति विपर्यय का एहसास है। इस शक्ति-तंत्र में घिरे हुए सामान्य जन की एक गृहस्थी है, जहां घर-कुनबे की मार्मिकता है, जहां वह खुद के पास खुद होने के एहसास को पाना चाहता है।

चौबारे पर एकालाप : अनूप सेठी; भारतीय ज्ञानपीठ, 18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली; 220 रुपए।

एक नींद हजार सपने

अपने छोटे-छोटे सुखों को महसूस करते और पहाड़ जैसे दुखों से लड़ने को अपनी आदत में शुमार किए लोगों की दुनिया से भूपी जैसा पात्र उठा लेने की सामर्थ्य रखती हैं अंजू शर्मा। उनके पहले कहानी संग्रह 'एक नींद हजार सपने' में ऐसी कहानियां हैं, जिन्हें पढ़ते हुए आप कहीं पाएंगे कि प्रेम-जनित इच्छाएं किसी बंधन की कैद स्वीकार नहीं करतीं, तो कहीं महसूस करेंगे कि तमाम विपरीत माहौल के बावजूद भरोसा अभी कायम है। इनके चरित्र, कहानी पढ़ लेने के बाद भी आसानी से पीछा नहीं छोड़ते। कहीं गुलाबो सामने आ खड़ी होती है, तो कहीं चौरासी में सब कुछ खो चुके सरदार जी। कहीं रेवा और स्वरा तो कभी 'बंद खिड़की खुल गई' जैसी वह स्थिति सामने आ खड़ी होती है, जहां विश्वास की घनी धूप के ढलते ही एक परछाई सिर भले ही उठा ले, पर इंसानी जज्बे के आगे वह खुद-ब-खुद बहुत पीछे छूट जाती है।

अंजू शर्मा की विशेषता है कि वे एकदम अकेले छूट गए इंसान की तकलीफ भी महसूस करती हैं और बखत के चक्के के गुलाम बने लोगों की नियति भी। बंधी-बंधाई परंपराओं से बाहर निकल एक स्त्री का फैसला सुनाने का साहस तो उनमें है ही, वे गहरे होते विश्वास के रंग को भी खूब पकड़ लेती हैं।

एक नींद हजार सपने : अंजू शर्मा; सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली; 200 रुपए।

नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सच्चाई और प्यार के साथ खड़ी थी : राहुल

वायनाड (केरल), 8 जून (भाषा)।

अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड की यात्रा के दूसरे दिन भी कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी सच्चाई, प्यार और लगाव के साथ खड़ी थी। वायनाड लोकसभा सीट जीतने के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र आए राहुल ने शनिवार को कालपेटा, कंबलकाडु और पनामरम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और रोड शो भी निकाला।

कांग्रेस अध्यक्ष के विशेष वाहन पर उनके साथ कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी केसी वेणुगोपाल, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता रमेश चेन्नीतला और केरल कांग्रेस के प्रमुख मुल्लापल्ली रामचंद्रन मौजूद थे। शुक्रवार को क्षेत्र में कई जगहों पर भारी बारिश हुई, लेकिन शनिवार दोपहर को मौसम सुहाना हो गया था और राहुल के कार्यक्रमों में बाधक नहीं बना।राहुल ने कालपेटा में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर हम जहर से लड़ रहे हैं। उन्होंने वायनाड में शुक्रवार और शनिवार को रोड-शो किया। इस दौरान सड़कों पर भारी भीड़ रही और लोगों ने नवनिर्वाचित सांसद का स्वागत किया।

हाटी समुदाय को मिले जनजाति का दर्जा : जयराम ठाकुर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात में प्रदेश के सिरमौर जिले के हाटी समुदाय को जनजाति का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनजाति का दर्जा मिलने से समुदाय के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा जा सकेगा और उन्हें विकास के अधिक अवसर मिलेंगे। नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में लौटने के बाद दिल्ली आए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने गृह मंत्री के अलावा पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर और कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र तोमर से भी मुलाकात की और प्रदेश में विकास को गति देने के उपायों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल के लिए एक और महिला आइआरबी बटालियन की तैनाती का भी अनुरोध किया। गृह मंत्री ने उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया। बैठक में हिमाचल के मुख्य सचिव बीके अग्रवाल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर से भी मुलाकात की और उनसे हिमाचल के पर्यावरण संबंधित मसलों पर चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण मंत्री से क्षेत्र के विकास कार्य के लिए पांच हेक्टेयर तक वन भूमि को परिवर्तित करने का अधिकार राज्य सरकार को देने की मांग की। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्य होने के कारण हिमाचल का अधिकतर क्षेत्र वन भूमि के अंतर्गत आता है जिससे परियोजनाओं को वक्त पर पूरा करने में बाधा होती है। यदि वन भूमि को परिवर्तित करने की शक्ति राज्य सरकार को दी जाती है, तो इससे परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में मदद हासिल होगी। उन्होंने बताया कि देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय हिमाचल प्रदेश से काफी दूर है। इस वजह से भी परियोजनाओं में विलंब होता है। यदि हिमाचल प्रदेश का क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के अधिकार क्षेत्र में हो तो कार्य निष्पादन में काफी तेजी आएगी।

हिमाचल प्रदेश की सड़कों के बेहतर रखरखाव के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने हिमाचल की सड़कों के रखरखाव के लिए बजट प्रावधान करने का आग्रह किया है।

कैबिनेट सचिव को सेवा विस्तार : 60 साल पुराना नियम बदला

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

केंद्र सरकार ने कैबिनेट सचिव प्रदीप कुमार सिन्हा को तीन महीने का सेवा विस्तार देने के लिए 60 साल पुराने नियम में बदलाव किया है। कैबिनेट सचिव की नियुक्ति दो साल के तय कार्यकाल के लिए होती है।

अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 के मुताबिक, सरकार कैबिनेट सचिव को सेवा विस्तार दे सकती है, लेकिन उनका कुल कार्यकाल चार साल से ज्यादा का नहीं होना चाहिए। शुक्रवार को अधिसूचित संशोधित नियमों के अनुसार, केंद्र सरकार चार साल के कार्यकाल के बाद भी कैबिनेट सचिव को अधिकतम तीन महीने का कार्य विस्तार दे सकती है। नियम में बदलाव के तुरंत बाद सरकार ने सिन्हा को तीन महीने का कार्य विस्तार देने की घोषणा की है।

इसके साथ ही सिन्हा कैबिनेट सचिव के तौर पर सबसे लंबे वक्त तक काम करने वाले देश के पहले नौकरशाह बन जाएंगे। सिन्हा को तीसरी बार कार्य विस्तार दिया गया है। इससे पहले उनका कार्यकाल 2017 और 2018 में एक-एक साल के लिए बढ़ाया गया था।

पाकिस्तान में नाबालिग हिंदू लड़की के साथ बलात्कार

कराची, 8 जून (भाषा)।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक नाबालिग हिंदू किशोरी के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। किशोरी को शराब पीने को मजबूर करके दो लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। मीडिया खबरों से यह मामला प्रकाश में आया है।

डॉन समाचार की खबर के मुताबिक यह वारदात सात जून को तांडो मोहम्मद खान जिले में उस समय हुई जब पीड़िता कुछ सामान खरीदने जा रही थी। तभी दो लोगों ने उसे अपने पास बुलाकर शराब पीने को मजबूर किया और उससे बलात्कार किया। अखबार ने पीड़िता के पिता को यह कहते हुए उद्घृत किया कि किशोरी के घर नहीं लौटने पर उसके पिता और भाई उसकी तलाश में गए। बाद में किशोरी अचेत अवस्था में एक चीनी मिल के निकट स्थित मैदान में मिली।

पीड़िता के पिता ने बताया कि हमने उसे चीनी मिल के निकट एक मैदान में पाया। उसकी हालत खराब थी। हम उसे एक अस्पताल में ले गए और इसकी सूचना पुलिस को दी। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने जिला स्वास्थ्य अधिकारी के हवाले से कहा, 'हिंदू लड़की की चिकित्सा जांच में बलात्कार का पता चला है और अंतिम रिपोर्ट के लिए सबूत को प्रयोगशाला में भेजा जा रहा है।'

भूख से मौत की जांच के लिए शव निकालने का आदेश

लातेहार, 8 जून (भाषा)।

झारखंड के खाद्य मंत्री सरयू राय ने 65 वर्षीय एक बुजुर्ग की भूख से मौत होने के आरोपों की जांच के लिए शव को खोद कर निकालने और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के निर्देश शनिवार को प्रशासन को दिए। स्थानीय मीडिया में खबरें आई थीं कि जिले के लुरगुमी काला गांव के रहने वाले रामचरण मुंडा की बुधवार को भूख से मौत हो गई। पिछले दो माह से उन्हें राशन नहीं दिया जा रहा था। हालांकि प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया है।

'देश ने नकारात्मकता को खारिज किया'

पेज 1 का बाकी

बार लोकसभा चुनाव जीतने के बाद अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि राज्य से (भाजपा का) कोई सांसद नहीं चुने जाने के बावजूद उन्होंने अपनी पहली यात्रा के लिए केरल को चुना क्योंकि यह भी उन्हें उत्तर प्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी जितना ही प्रिय है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव को 'लोकतंत्र का पर्व' बताते हुए मोदी ने केरल की जनता की प्रशंसा की और यहां के मतदाताओं के योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया।

भाजपा की केरल इकाई की तरफ से आयोजित अभिनंदन सभा में उन्होंने कहा कि देश ने देखा है कि चुनाव में जनता जनार्दन होती है। इससे पहले उन्होंने यहां भगवान कृष्ण के मंदिर में पूजा- अर्चना की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियां और राजनीतिक पंडित लोगों के मूड को भांप नहीं सके। वे (चुनावी) सर्वेक्षण करने में लगे रहे और जनता ने भाजपा को अपना मजबूत जनादेश दे दिया। उन्होंने कहा हालिया चुनाव ने साबित किया है कि लोगों ने नकारात्मकता को खारिज किया और सकारात्मकता को स्वीकार किया है। इस भावना के साथ हम सभी मिलकर नए भारत का निर्माण करें।कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा मोदी पर फिर से प्रहार करने के सिलसिले में उनका यह बयान आया है। राहुल ने मोदी और भाजपा पर देश में 'घृणा और असहिष्णुता' फैलाने के आरोप लगाए।

लोकसभा चुनाव के बाद अपनी पहली यात्रा के लिए केरल को चुनने पर मोदी ने कहा कि कुछ लोग हैरान हो रहे होंगे कि यहां तो भाजपा का खाता भी नहीं खुला फिर भी उन्होंने दक्षिणी राज्य को क्यों चुना। उन्होंने कहा, एक चुना हुआ नेता सर्वमान्य होता है। लोकतंत्र में चुनाव का अपना स्थान होता है और यह जीतने वाले की जिम्मेदारी होती है कि वह देश के 130 करोड़ लोगों का ख्याल रखे। जिन लोगों ने हमें जिताया है या जिन लोगों ने ऐसा नहीं किया है, दोनों हमारे अपने (लोग) हैं। केरल वाराणसी जितना ही मुझे प्रिय है। मैं केरल के लोगों के प्रति आभार प्रकट करने के लिए यहां आया। हां, हमारी पार्टी को यहां से एक भी सीट नहीं मिली फिर मैं इस राज्य की सेवा करूंगा।

सम्मान गुरुवायुर में शनिवार को देवास्वम के अध्यक्ष मोहनदान से प्रतीक चिह्न ग्रहण करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

मालदीव में प्रधानमंत्री को सर्वोच्च सम्मान

पेज 1 का बाकी

दूसरे कार्यकाल में पहले विदेश दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी मालदीव पहुंचे हैं। माले पहुंचने के बाद विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद ने उनका हवाई अड्डे पर स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि मोदी का यह दौरा यादगार साबित होगा और भारत-मालदीव के संबंध को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

इसके पहले मोदी और इब्राहिम ने माले में द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। इस मौके पर मोदी ने उन्हें टीम इंडिया के सदस्यों के हस्ताक्षर वाला क्रिकेट बैट भेंट किया। पीएम मोदी इसके बाद ट्वीट कर बताया कि सोलिह क्रिकेट के फैन हैं, लिहाजा मैंने उन्हें वर्ल्ड कप खेल रही टीम इंडिया का हस्ताक्षर किया हुआ बैट तोहफे में दिया।

इसके बाद वहां की मजलिस में संबोधन में मोदी ने कहा कि मुझे मालदीव के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है। मेरे पास धन्यवाद देने के लिए शब्द नहीं हैं। भारत और मालदीव के संबंध इतिहास से भी पुराने हैं। सागर की लहरें हम दोनों देशों की तटों को पखार रही हैं। ये लहरें हमारे लोगों के बीच मित्रता की संदेशवाहक रही हैं। हमारे रिश्तों को सागर की गहराई और विस्तार का आशीर्वाद मिला है।

जीजेएम के 17 पार्षद भाजपा में शामिल

पेज 1 का बाकी

कैलाश विजयवर्गीय ने भी बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के कार्यकाल में अनेक संस्थाओं पर हमले हुए हैं। दार्जीलिंग से सांसद राजू बिस्ता ने कहा कि राज्य में खासकर उत्तर बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को हुए नुकसान के लिए पुलिस क्षेत्र में भाजपा के लोगों को परेशान कर रही है

जम्मू-कश्मीर बैंक मुख्यालय पर सतर्कता विभाग ने मारे छापे

पेज 1 का बाकी

मंडल में निदेशक नहीं होंगे और साथ ही बोर्ड में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक भी नहीं रहेंगे।' आदेश में कहा गया है कि छिब्बर को जम्मू-कश्मीर बैंक के निदेशक मंडल में अंतरिम अध्यक्ष और निदेशक नियुक्त किया गया है।

मुख्य आरोपी की पत्नी और भाई भी गिरफ्तार

पेज 1 का बाकी

एक की उम्र लगभग 43 साल है और उसका आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ गुंडा एक्ट लग चुका है और नाबालिगों के साथ यौन अपराध के लिए दो बार कार्रवाई हुई है। उन्होंने बताया कि उक्त आरोपी के खिलाफ पॉक्सो के दो अलग-अलग मामले और बलात्कार का एक मामला लंबित है। दिल्ली में अपहरण के एक मामले में वह जेल गया था।

कुलहरि ने बताया कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ मजबूत मामला बना रही है, ताकि यह सभी कानूनी प्रक्रियाओं पर खरा उतरे और फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए तेजी से न्याय सुनिश्चित हो सके। सभी संदिग्धों के फोन रिकार्ड खंगाले जा रहे हैं। कुलहरि शुक्रवार देर रात तक घटनास्थल पर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अगर कोई अफवाह फैलाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता है या शांति भंग करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन डाक्टरों के पैनल ने बच्ची के शव का पोस्टमार्टम किया। उन्हें बलात्कार का कोई साक्ष्य नहीं मिला। हालांकि, फॉरेंसिक विशेषज्ञ नमूनों की जांच कर रहे हैं।

इस बीच, नृशंस हत्या के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए कई जगहों पर कैंडल लाइट जुलूस निकाले गए। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के शिक्षकों और छात्रों ने इस जघन्य हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने अपराध को अंजाम देने वालों को जल्द और कड़े से कड़ा दंड देने की मांग की। एएमयू शिक्षक संघ की विशेष बैठक में मांग की गई कि फास्ट ट्रैक कोर्ट का तत्काल गठन किया जाए। विश्वविद्यालय के छात्रों ने परिसर में कैंडल लाइट मार्च किया। छात्रों ने कानून में बदलाव की मांग की, ताकि ऐसे अपराधियों को उसी तरह का कड़ा दंड मिल सके, जैसा सऊदी अरब में मिलता है। इस मामले में एसएचओ सहित पांच पुलिसकर्मियों को लापरवाही बरतने के आरोप में शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया। बच्ची टप्पल कस्बे से 30 मई को गायब हुई थी। उसका शव तीन दिन बाद घर के निकट कूड़े के ढेर पर /इप/इड़ा मिला था।

अगले महीने अंतरिक्ष युद्धाभ्यास करने की भारत की योजना

पेज 1 का बाकी

मार उपग्रहों) के साथ-साथ गैर-गतिज के रूप में अंतरिक्ष में सैन्य क्षमताओं को विकसित किया है। चीन ने अंतरिक्ष में अमेरिका के वर्चस्व को खतरे में डालने वाले अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम (समंदर में एक जहाज से 7 सैटेलाइट छोड़ने) को तीन दिन पहले ही लांच किया है।

चीन के इन अभियानों के मद्देनजर भारत के लिए 'इंडस्पेसएक्स' कार्यक्रम को अहम माना जा रहा है। भारत लंबे समय से स्थाई और मजबूती से अंतरिक्ष कार्यक्रमों को अंजाम दे रहा है। इसके बावजूद वह चीन की संचार, नेविगेशन, पृथ्वी अवलोकन और अन्य उपग्रहों से मिलकर 100 से अधिक अंतरिक्ष यान मिशन की बराबरी नहीं कर पाया है। भारतीय सशस्त्र बल अब भी दो सैन्य उपग्रहों के अलावा, निगरानी, नेविगेशन और संचार उद्देश्यों के लिए बड़े पैमाने पर दोहरे उपयोग वाले रिमोट सेंसिंग उपग्रह का उपयोग करते हैं।

भारत ने हाल में अंतरिक्ष में सैन्य अभियान की पहल की, जब मिशन शक्ति के तहत पृथ्वी की कक्षा में 283 किमी. की ऊंचाई पर 740 किलोग्राम की माइक्रोसेट-आर उपग्रह को नष्ट करने के लिए 19-टन की इंटरसेप्टर मिसाइल (छएड) 27 मार्च को छोड़ा गया। डीआरडीओ के प्रमुख जी सतीश रेड्डी के मुताबिक, भारत काउंटर-स्पेस क्षमताओं को विकसित करने के लिए काम कर रहा है, मसलन, निर्देशित ऊर्जा हथियार, लेजर, ईएमपी आदि। नई डिफेंस स्पेस एजंसी ने रक्षा इमेजरी प्रसंस्करण और विश्लेषण केंद्र (दिल्ली) और डिफेंस सेटेलाइट कंट्रोल सेंटर (भोपाल) को नया रूप देने का काम शुरू किया है। वायुसेना के दो आला अफसर इन विभागों के प्रमुख होंगे।

मालदीव में छह समझौतों पर हुए दस्तखत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 जून।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलेह ने शनिवार को कई मुद्दों पर बातचीत की। दोनों देशों ने रक्षा और समुद्र समेत महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। पहला समझौता ज्ञापन (एमओयू) जल विज्ञान संबंधी मामलों के क्षेत्र में सहयोग के लिए किया गया। दूसरा करार स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया गया। अन्य समझौते समुद्र मार्ग के जरिए यात्री और मालवाहक सेवाएं स्थापित करने, भारत के केंद्रीय परोक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड तथा मालदीव सीमा शुल्क सेवा के बीच सहयोग पर किए गए। राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग और मालदीव के प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर मालदीव प्रशासनिक सेवा आयोग के कार्यक्रम के बीच भी सहमति करार पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय नौसेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के बीच भी सूचना साझा करने पर एक तकनीकी समझौता हुआ।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति सोलेह ने गर्मजोशी से चर्चा की। उन्होंने ट्विटर पर कहा, 'परस्पर लाभकारी साझेदारी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोलेह के बीच बैठक में गर्मजोशी से चर्चा हुई। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर हमारे खास रिश्ते को और मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित है।'

मिसाइल प्रणाली की अमेरिका की पेशकश

पेज 1 का बाकी

की भी बात उठाते हुए कहा कि अगर भारत रूस के साथ सौदे से पीछे हटता है तो पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक एफ -35 लड़ाकू भारतीय वायुसेना को दिया जा सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन अपनी बेहतरीन रक्षा प्रौद्योगिकियों की भारत को पेशकश करने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्रालय को व्हाइट हाउस से मिली जानकारी के मुताबिक, 'अमेरिका ने भारत को समन्वित हवाई एवं मिसाइल रक्षा प्रौद्योगिकी की भी पेशकश की है।' हालांकि, यह खुलासा नहीं किया गया है कि भारत को हथियारों से लैस ड्रोन की बिक्री कब की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जून 2017 में बैठक के दौरान अमेरिका ने भारत को गार्जियन ड्रोन के निगरानी संस्करण को बेचने पर सहमति जताई थी। भारत परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं करने वाला पहला देश है, जिसे एमटीसीआर श्रेणी - एक मानव रहित हवाई प्रणाली की पेशकश की गई है। यह 2.5 अरब डॉलर से अधिक का सौदा हो सकता है। अमेरिका ने भारत को समन्वित रक्षा मिसाइल की भी पेशकश की है। अधिकारियों के मुताबिक, यह पेशकश दो नवीनतम प्रणालियों को लेकर है -टर्मिनल हाई अल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम (टीएचएएडी) और पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम। भारत ने रूस के साथ एस- 400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने का समझौता किया है और उसने अमेरिकी पेशकश का अभी तक जवाब नहीं दिया है।

केरल में मानसून की दस्तक, तटीय इलाकों में झमाझम

पेज 1 का बाकी

की देरी होगी। मौसम विभाग ने उत्तरी क्षेत्रों में जून के अंतिम और जुलाई के पहले सप्ताह में मानसून पहुचंने की संभावना जताई है। बताते चलें कि मानसून के दिल्ली पहुंचने का सामान्य समय 29 या 30 जून होता है। इसमें अगर हफ्ते भर की देरी मानें तो मानसून जुलाई में आठ या नौ को दिल्ली में दस्तक देगा। इस लिहाज से दिल्ली वालों को मानसूनी बारिश के लिए करीब महीने भर का इंतजार करना पड़ेगा।

कितना अहम है दक्षिण पश्चिमी मानसून :

भीषण गर्मी, सूखते जलाशयों व पानी के लिए मचे हाहाकार के बीच राहत की बात यह है कि मानसून केरल पहुंच गया है। पश्चिमोत्तर, उत्तर व मध्य भारत में भीषण गर्मी का असर पश्चिम और दक्षिणी राज्यों के जलाशयों पर भी पड़ा है। इन इलाकों में देश के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर काफी नीचे चला गया है जिसकी वजह से महाराष्ट्र और राजस्थान सहित आसपास के तमाम सूखाग्रस्त इलाकों में जल संकट गहरा गया है। अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र खेती में सिंचाई जरूरतों के लिए दक्षिण पश्चिम मानसून के दौरान चार महीने तक होने वाली बारिश पर ही निर्भर रहता है। देश में कुल वर्षा जल का 75 फीसद हिस्सा दक्षिण पश्चिमी मानसून से मिलने के कारण इसमें होने वाली बारिश की कमी-बेसी का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

राजधानी सहित समूचा मध्य व पश्चिमोत्तर भारत भीषण गर्मी की चपेट में है। भोपाल में गर्मी ने 40 साल का रेकार्ड तोड़ दिया है। यहां लगातार तीन दिन तक पारा 45 डिग्री के पार रहा। इसी तरह दिल्ली में भी भीषण गर्मी जारी है और तापमान 46 डिग्री सेल्यिस के आसपास बना रहा। अगले दो दिन तक भी पारे के इसी के आस पास रहने के आसार हैं। हालांकि केरल तट पर मानसून की दस्तक के साथ ही भीषण गर्मी से झुलस रहे उत्तरी और मध्य भारत के मैदानी क्षेत्रों व दक्षिणी राज्यों में तापमान में गिरावट आने की भी उम्मीद जगी है। मैदानी इलाकों में इन दिनों अधिकतम तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। वहीं, राजस्थान के बीकानेर में पारा 46.6और मध्य प्रदेश के होशंगाबाद में पारा 47.2 डिग्री रेकार्ड किया गया। यहां तक कि इलाके में न्यूनतम तापमान में छह से आठ डिग्री की उछाल देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने दिल्ली और अन्य इलाकों सहित लगभग पूरे देश में मानसून की सामान्य बारिश होने की संभावना जताई है।

अब चलती ट्रेन में मिलेगी मालिश की सुविधा

पेज 1 का बाकी

को बढ़ाया जा सके। अब तक यह सुविधा केवल पैलेस ऑन व्हील्स, महाराजा एक्सप्रेस आदि में थी।

यह प्रोजेक्ट सफल होता है तो रेल मंत्रालय इस सेवा को मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बंगलुरु, जम्मू, श्री वैष्णोदेवी धाम कटरा, हरिद्वार, देहरादून आदि स्थानों पर भी उपलब्ध कराएगा। मसाज सेवा के लिए निजी कंपनियों की मदद से कर्मचारी तैनात किए जाएंगे और इन्हें एक विशेष आइकार्ड भी जारी किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के निदेशक राजेश वाजपेयी ने बताया कि इस सेवा के तहत रेलवे ने 20 हजार यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इस सुविधा के तहत यात्री को 15-20 मिनट के लिए मसाज दिया जाएगा। मालिश की सुविधा को तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

इसमें गोल्ड श्रेणी में जैतून तेल से मसाज के लिए 100 रुपए, डायमंड श्रेणी में क्रीम व वाइप्स के साथ मसाज के लिए 200 रुपए और प्लेटिनम श्रेणी के तहत जैविक तेल, क्रीम आदि से मसाज के लिए 300 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। इस सेवा के लिए सुबह 6 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक कर्मचारी तैनात रहेंगे, जो लोगों की सीट तक जाकर उनकी मालिश व चंपी करेंगे।

आतंकवाद पर पानी सिर से ऊपर : मोदी

पेज 1 का बाकी

संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद का खतरा एक देश या एक क्षेत्र के लिए नहीं, पूरी मानवता के लिए है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता है जब आतंकवाद कहीं किसी जगह अपना भयानक रूप दिखाकर किसी निर्दोष की जान न लेता हो। आतंकियों के न तो अपने बैंक होते हैं न टकसाल और न ही हथियारों के कारखाने, फिर भी उन्हें धन और हथियारों की कभी कमी नहीं होती है। कहां से पाते हैं ये सब, कौन देता उन्हें ये सुविधाएं? आतंकवाद का राजकीय पोषण सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है।

प्रधानमंत्री ने पूछा कि जिस प्रकार विश्व समुदाय ने जलवायु परिवर्तन के खतरे के प्रति विश्व सम्मेलन किए हैं वैसे ही आतंकवाद पर क्यों नहीं हो रहे हैं? उन्होंने कहा कि मैं वैश्विक संगठनों से आग्रह करूंगा कि एक समय सीमा के भीतर आतंकवाद पर वैश्विक सम्मेलन आयोजित करे ताकि आतंकी और उनके समर्थक जिन खामियों का फायदा उठाते हैं, उन्हें बंद करने पर विचार किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मालदीव में लोकतंत्र की मजबूती के लिए भारत और हर भारतीय आपके साथ था और साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि पड़ोसी प्रथम हमारी प्राथमिकता है और इसमें मालदीव का प्राथमिकता में होना स्वभाविक है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने सामुद्रिक संपदा के प्रदूषण, धरोहरों का संरक्षण, लोगों के बीच संपर्क, जलवायु संकट जैसे मुद्दे उठाए और इन पर काम करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि भारत के सहयोग से माले की सड़कें 2500 एलईडी स्ट्रीट लाइट के दूधिया प्रकाश में नहा रही हैं और दो लाख एलईडी बल्ब मालदीव के लोगों के घरों और दुकानों को जगमगाने के लिए आ चुके हैं। इससे बिजली बचेगी और खर्च भी। यह पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चर्चा करते हुए कहा कि यहां दुनिया की 50 फीसद जनसंख्या रहती है लेकिन इस क्षेत्र में बहुत से अनसुलझे विवाद हैं। यह क्षेत्र हमारी जीवन रेखा है और व्यापार का राजमार्ग भी है। उन्होंने कहा कि यह हर मायने में हमारे साझा भविष्य की कुंजी है, इसलिए मैंने जून 2018 में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में खुलेपन, एकीकरण एवं संतुलन कायम करने के लिए सबके साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया था। इससे देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा

नई दिल्ली

दक्षिण एशिया में शांति की जिम्मेदारी पाक पर : अमेरिका

वाशिंगटन, 8 जून (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद इमरान खान सरकार की तरफ से मिले नए शांति संदेशों के बीच अमेरिका ने पाकिस्तान सरकार से साफ किया है कि आतंकवादी समूहों को अलग-थलग करके दक्षिण एशिया में सतत शांति लाने की जिम्मेदारी उसकी है।

इमरान खान ने प्रधानमंत्री मोदी के दोबारा चुने जाने के बाद लिखे दूसरे पत्र में कहा कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे समेत सभी मतभेदों को सुलझाने के लिए भारत के साथ बात करना चाहता है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की जनता को गरीबी से उबारने के लिए दोनों के बीच वार्ता ही एकमात्र समाधान है और क्षेत्र के विकास के लिए मिल कर काम करना महत्त्वपूर्ण है।

हालांकि, भारत ने बातचीत के पाकिस्तान के प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा है कि आतंकवाद और वार्ता साथ में नहीं चल सकते और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 13-14 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से इतर दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच किसी द्विपक्षीय मुलाकात की योजना नहीं है।

वाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने

वाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका वास्तव में चाहता है कि पाकिस्तान में गिरफ्तारियां हों और मुकदमे चलें तथा इन समूहों को आजाद घूमने, हथियार खरीदने, भारत में प्रवेश करने और हमले करने नहीं दिये जाएं।' अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ऐसे सतत कदम देखना चाहता है जिनसे आतंकियों की गतिविधियां बंद हो जाएं।

कहा, 'अमेरिका वास्तव में चाहता है कि पाकिस्तान में गिरफ्तारियां हों और मुकदमे चलें तथा इन समूहों को आजाद घूमने, हथियार खरीदने, भारत में प्रवेश करने और हमले करने नहीं दिए जाएं।' अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ऐसे सतत कदम देखना चाहता है जिनसे आतंकियों की गतिविधियां बंद हो जाएं।

भारत-पाक के बीच तनाव पर अमेरिका के आकलन से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए वाइट हाउस के अधिकारी ने कहा, 'जब तक इन समूहों को अलग-थलग नहीं किया जाता, तब तक भारत और पाकिस्तान के लिए सतत शांति हासिल करना बहुत कठिन है। इसलिए इन समूहों पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है।' विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले के मद्देनजर अमेरिका ने पाकिस्तान को प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के खिलाफ कुछ शुरुआती कदम उठाते देखा है।

अधिकारी ने कहा, 'हम इन कदमों का स्वागत करते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने हमेशा इस बात पर सहमति जताई है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बुनियादी कारणों पर ध्यान देना जरूरी है। यह तनाव आतंकी ताकतों की वजह से है जिनकी पाकिस्तान की सरजमीं पर पनाहगाह हैं। इसलिए हम निश्चित रूप से एक ऐसे माहौल के निर्माण को प्रोत्साहित करते हैं जिसमें संवाद होगा।'

हांगकांग में लाए गए प्रत्यर्पण विधेयक के खिलाफ शनिवार को विरोध मार्च निकालते विद्यार्थी।

एलिजाबेथ के जन्मदिन पर भारतीय मूल के 30 से ज्यादा लोग होंगे सम्मानित

लंदन, 8 जून (भाषा)।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के जन्मदिन समारोह में शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों को सम्मानित किया जाएगा। इन हस्तियों में भारतीय मूल के 30 लोग भी शामिल हैं। यह सूची लंदन में शनिवार को जारी की गई। सूची के अनुसार, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम में ऑप्थाल्मोलॉजी एंड विजुअल साइंसेज के प्रोफेसर हरमिंदर सिह दुआ को नेत्र स्वास्थ्य, स्वास्थ्य शिक्षा और ऑप्थाल्मोलॉजी के क्षेत्र में सेवा के लिए 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर' (सीबीई) सम्मान दिया जाएगा।

दुबई बस हादसे में मरे भारतीयों के शव घर भेजने की कवायद जारी

दुबई, 8 जून (भाषा)।

दुबई में बस दुर्घटना में मारे गए 12 भारतीयों के शवों को घर भेजने के लिए सभी औपचारकताओं को भारतीय वाणिज्य दूतावास तेजी से पूरा करने में जुटा है। ओमान से आ रही एक बस गुरुवार को गलत लेन में घुस गई थी और एक संकेतक से टकरा गई थी। हादसे में 17 लोगों की मौत हुई थी जिनमें 12 भारतीय शामिल हैं। हादसे में नौ लोग घायल भी हुए हैं।

दुबई में भारत के महावाणिज्य दूत विपुल ने शुक्रवार देर रात ट्वीट किया 11 मृत भारतीयों की फॉरेंसिक रिपोर्ट जारी हो चुकी है और एक फॉरेंसिक रिपोर्ट अभी नहीं मिली है।

उन्होंने लिखा, 'इसके बाद, पूरे दस्तावेजों के साथ शवों को पहले संलेपन (सुरक्षित करने) के लिए और फिर भारत भेजा जाएगा।' विपुल ने लिखा, 'हम आशा करते हैं कि सभी शव भारत भेज दिए जाएंगे। एअर इंडिया हरसंभव मदद कर रही है। हम सहायता के लिए दुबई पुलिस और सभी अस्पताल अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहेंगे।'

उन्होंने कहा कि मृत भारतीयों के संबंध में वाणिज्य दूतावास की औपचारिकताएं मौके पर ही पूरी कर ली गई थीं और उनकी टीम पूरे दिन स्थानीय अधिकारियों और स्वयंसेवकों के साथ काम करती रही।

बस दुर्घटना में मारे गए भारतीयों में विक्रम जवाहर ठाकुर, विमल कुमार कार्तिकेयन केसवपिलैकर, किरण जॉनी जॉनी वेलीतोताहिल पैली, फिरोज खान अजीज पठान, रेशमा फिरोज खान पठान, जमालुद्दीन अराकावीतील, वासुदेव विशनदास, राजन पुतियापुरयिल गोपालन, प्रबुला माधवन दीप कुमार, रोशनी मूलचंदानी, उमर चोनोकातवात मम्माद पुतेन, नबिल उमर चोनोकातवात शामिल हैं।

ईस्टर हमलों की जांच कर रही समिति पर बरसे मैत्रीपाला

कोलंबो, 8 जून (भाषा)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना ने ईस्टर हमलों की जांच कर रही संसदीय समिति को फटकार लगाते हुए कहा है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर शीर्ष अधिकारियों के मीडिया के सामने बयान देने के खिलाफ हैं।

सिरीसेना ने शुक्रवार को कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई थी और कहा था कि वह हमलों की जांच कर रही संसदीय चयन समिति (पीएससी) द्वारा खुफिया अधिकारियों को समन भेजने और खुफिया जानकारी का मीडिया के सामना खुलासा किए जाने के खिलाफ हैं।

सिरीसेना ने कहा, मैं संसद में वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों से पूछताछ करने के पूरी तरह खिलाफ हूं। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी अतिसंवेदनशील जानकारियों का खुलासा होता है। इस मामले में अब तक रक्षा सचिव, खुफिया प्रमुख, पुलिस प्रमुख और पूर्व रक्षा सचिव से पूछताछ की जा चुकी है।

सिरीसेना ने कहा कि पूरी दुनिया में कहीं भी इस तरह खुफिया अधिकारियों से मीडिया के सामने खुलेआम पूछताछ नहीं की गई है। श्रीलंका में 21 अप्रैल को ईस्टर संडे के मौके पर हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में 258 लोगों की मौत हो गई थी।

जीवित बचे केरल के निधिन ने बयां किया हादसे का दर्द

दुबई, 8 जून (भाषा)।

दुबई में हुई भीषण बस दुर्घटना में जीवित बचे शख्स ने उस खौफनाक मंजर की दास्तां बयां की। उसने बताया कि चारों ओर सहयात्रियों की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी। बस के अंदर हर ओर खून के छींटे थे और घायल यात्री एक दूसरे की मदद करने की कोशिश कर रहे थे।

दुबई में गुरुवार को एक बस सड़क किनारे लगे साइनबोर्ड से टकरा गई थी। घटना में 12 भारतीय समेत 17 लोगों की मौत हो गई थी।

बस ओमान की राजधानी मस्कट से दुबई आ रही थी। इसमें 31 यात्री सवार थे। बस ने साइन बोर्ड को टक्कर मार दी। टक्कर इतना जोरदार था कि साइनबोर्ड से बस का बायां हिस्सा कट गया और इसके कारण उस ओर

लाजी ने 'खलीज टाइम्स' को बताया, 'चारों ओर खून ही खून था। बस की बायीं ओर बैठे अधिकतर लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वाहन में दायीं ओर बैठे लोग जीवित बच गए।'

बैठे यात्रियों की मौत हो गई। यह बस अल राशिदिया मेट्रो स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर गलती से आ गई थी, जो बसों के आवागमन के लिए निर्धारित नहीं है।

घटना में जीवित बचे केरल के रहने वाले निधिन लाजी (29) के चेहरे पर मामूली चोट आई थी।

लाजी ने 'खलीज टाइम्स' को बताया, 'चारों ओर खून ही खून था। बस की बायीं ओर बैठे अधिकतर लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वाहन में दायीं ओर बैठे लोग जीवित बच गए।' उस खौफनाक मंजर को याद करते हुए लाजी ने बताया कि लोगों की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी। उसने बताया, 'सीट पर जहां तहां खून और क्षत-विक्षत शव बिखरे थे।' लाजी ने बताया, 'मैं एक महिला की मदद के लिए आगे बढ़ा। वह चीख रही थी। घटना में उसके पति की मौत हो चुकी थी। मैं किस्मत वाला था कि मैं बच गया लेकिन घटना में मारे गए लोगों के लिए मुझे बहुत अफसोस है।'

महिलाओं पर टिप्पणी से 'द अटलांटिक' के संपादक विवादों में घिरे

न्यूयार्क, 8 जून (एएफपी)।

'द अटलांटिक' पत्रिका के संपादक को शुक्रवार को उस वक्त लैंगिक और नस्ली भेदभाव के आरोपों के तहत कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा जब उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि पत्रिकाओं में लिखने में बस कुछ ही महिला सक्षम हैं।

पत्रिका के संपादक जेफरी गोल्डबर्ग ने एक साक्षात्कार में कहा, 'दस हजार शब्दों की कवर स्टोरी लिखना सचमुच ही कठिन है। अमेरिका में बहुत ऐसे पत्रकार नहीं है जो यह कर सकते हैं और जो पत्रकार लंबी कवर स्टोरी लिख सकते हैं वे बहुत हद तक श्वेत पुरूष हैं।' गोल्डबर्ग ने यह टिप्पणी एक लंबे साक्षात्कार में की। इस साक्षात्कार में पत्रिका में महिलाओं की भूमिका के बारे में बातचीत की गई थी। गोल्डबर्ग जाने माने पत्रिका लेखक और स्तंभकार हैं। वह 2016 में द अटलांटिक के संपादक बने।

गोल्डबर्ग की टिप्पणी पर नाराजगी जताई गई और लोगों ने इसे 'विषाक्त', 'नस्लवादी' और 'सेक्सिस्ट' करार दिया है। नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक जर्नलिस्ट्स ने बयान जारी कर कहा, 'एक प्रमुख प्रकाशन के शीर्ष संपादक को इस तरह के लैंगिक भेदभाव और नस्ली रूप से असंवेदनशील विचार व्यक्त नहीं करना चाहिए।' बाद में, गोल्डबर्ग ने इसके लिए माफी मांगते हुए ट्वीट किया, 'मैने यह स्पष्ट करने की कोशिश की (हालांकि, ऐसी व्याख्या करने में विफल रहा) कि कवर स्टोरी लिखने में श्वेत पुरुषों का वर्चस्व होता है क्योंकि उनके पास इसे लिखने के अधिक अवसर हैं।' गोल्डबर्ग के साथ साक्षात्कार में मौजूद पत्रिका की कार्यकारी संपादक एड्रीन ला फ्रांस उनके बचाव में आगे आईं।

भारतीय-अमेरिकियों ने पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने की मंजूरी देने की प्रशंसा की

वाशिंगटन, 8 जून (भाषा)।

एक शीर्ष अमेरिकी सांसद समेत भारतीय-अमेरिकी नागरिकों ने एक सिख-अमेरिकी सैनिक को ड्यूटी के दौरान पगड़ी पहनने, दाढ़ी और केश रखने की मंजूरी देने के अमेरिकी वायुसेना के ऐतिहासिक फैसले की प्रशंसा की है।

वाशिंगटन राज्य के लेकवुड के समीप एयरमैन प्रथम श्रेणी (ए1सी) हरप्रीतइंदर सिह बाजवा को अपने देश की सेवा के दौरान सिख धर्म की मान्यता के अनुसार पहनने और रहने की अनुमति दी गई।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद एमी बेरा ने अमेरिकी वायुसेना के इस फैसले की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'सिखों ने हमारे देश की रक्षा और बचाव करने में लंबे समय से एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बिल्कुल ठीक है कि इन देशभक्तों को अपनी धार्मिक वेशभूषा पहनते हुए देश की सेवा करने दी जाए। मैं रक्षा विभाग से इस धार्मिक सुविधाओं का विस्तार करने और उन्हें सुगम बनाने का अनुरोध करता हूं।' इससे पहले, सिखों को दाढ़ी रखने और पगड़ी पहनने जैसी धार्मिक वेशभूषा का पालन करने की अनुमति नहीं थी।

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद एमी बेरा ने अमेरिकी वायुसेना के इस फैसले की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'सिखों ने हमारे देश की रक्षा और बचाव करने में लंबे समय से एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बिल्कुल ठीक है कि इन देशभक्तों को अपनी धार्मिक वेशभूषा पहनते हुए देश की सेवा करने दी जाए।

साल 2017 में सबसे पहले सेना ने सिख अमेरिकियों को अपनी धार्मिक वेशभूषा पहने की अनुमति दी थी।

सिख अमेरिकन वेटरंस अलायंस (एसएवीए) के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल कमल कलसी सिह ने कहा, 'मुझे ए1सी बाजवा को वर्दी में रहते समय अपनी धार्मिक वेशभूषा को पहनने की अनुमति मिलने वाला पहला एयरमैन बनते हुए देखकर गर्व हो रहा है। सिखों का दुनियाभर में सेनाओं में सेवा देने का लंबा इतिहास रहा है और मुझे भरोसा है कि ए1सी बाजवा सम्मानपूर्वक उस परंपरा का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

मिसाइल सौदा खत्म करने के लिए अमेरिका ने तुर्की को दी मोहलत

वाशिंगटन, 8 जून (एएफपी)।

रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने का सौदा रद्द करने के लिए अमेरिका ने तुर्की को 31 जुलाई तक का वक्त दिया है। रक्षा अवर सचिव एलन लॉर्ड ने संवाददाताओं से कहा कि अगर तुर्की ने 31 जुलाई तक रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने का सौदा रद्द नहीं किया तो फिलहाल अमेरिका में एफ-35 लड़ाकू विमान उड़ाने का प्रशिक्षण ले रहे तुर्की के पायलटों को निकाल दिया जाएगा और तुर्की की कंपनी को दी गई एफ-35 लड़ाकू विमान बनाने की संविदा रद्द कर दी जाएगी।

लॉर्ड ने कहा कि 31 जुलाई तक की समयसीमा एफ-35 कार्यक्रम से जुड़े तुर्की के कर्मियों को दूसरी जगह भेजे जाने और अमेरिका से उनकी वापसी के लिए पर्याप्त समय देगी।

फिनिक्स एआरसी प्राईवेट लिमिटेड CIN:U67190MH2007PTC168303
पंजी. कार्यालयः दानी कॉर्पोरेट पार्क, 5वां तल, 158 सी.एस.टी. रोड, कलीना, शांताक्रुज (ई), मुम्बई- 400098 टेली.: 022-67412314, फैक्सः 022-67412313, ई-मेलः info@phoenixarc.co.in, वेबसाईटःwww.phoenixarc.co.in

परिसम्पत्तियों की ऑनलाइन ई-नीलामी

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये ई-नीलामी बिक्री सूचना

बजाज फाइनांस लिमिटेड (बीएफएल) ने एसाइन्मेन्ट अनुबंध तिथि 17.7.2018 के माध्यम से फीनिक्स एआरसी प्राईवेट लिमिटेड (फीनिक्स ट्रस्ट एफवाई 18-1 स्कीम ई के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत) के पक्ष में ऋण सौंप दिया है तथा एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारकों एंव गारन्टरों जिनका विवरण नीचे तालिका में वर्णित है, को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत क्रेडीटर के पास गिरवी/चार्ज्ड नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जिसका 13.11.2018 को फीनिक्स एआरसी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सांकेतिक कब्जा किया गया है, की कम्पनी के बकाये की वसूली के लिये "जैसा है जहां है", "जैसा है जो है" तथा "जो भी वहां जैसा है" आधार पर बिक्री की जायेगी।

ज्ञात अधिभार, यदि कोई हो, के साथ अचल सम्पत्ति का विवरणः
सम्पत्ति "प्लॉट नं. 14-ए/6, अशोका सोसायटी 14ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.)-201012 का सभी भाग तथा हिस्सा"

ऋणधारक/कों एवं गारन्टर (रों) का नाम एवं पता	1. ई नीलामी की तिथि एवं समय 2. ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 3. सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एंव समय	1. आरक्षित मूल्य 2. सम्पत्ति का ईएमडी 3. बोली वृद्धि
श्री अंकुर सिंघल एवं सुश्री एकता अवस्थी, दोनोंः फ्लैट नं. एसआई-2, प्लॉट नं. 696, मीनल हाउसिंग, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-1, गाजियाबाद (उ.प्र.)-201005, साथ ही दोनोंः प्लॉट नं. 6, अशोका सोसायटी, सेक्टर-14ए वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.)-201012 ऋण खाता सं. 4010HL03522279 एवं 4010HL03522353 कुल बकाया राशिः रु. 1,08,21,543/- (रुपये एक करोड़ आठ लाख इक्कीस हजार पांच सौ तैंतालिस मात्र) 19.07.2017 को तथा सम्पूर्ण भुगतान 20.7.2017 से अनुबंधित दर पर आगे का ब्याज एवं अन्य चार्जेज	1. ई-नीलामी तिथिः 4 जुलाई, 2019 को 12.00 बजे अप. से 1.00 बजे अप. तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ। 2. ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि केवाईसी के साथ 3 जुलाई, 2019 के 5.00 बजे अप. (आईएसटी) तक है। 3. निरीक्षण की तिथिः 17 जून, 2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 4.00 बजे अप. (आईएसटी) तक तथा 1 जुलाई, 2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 4.00 बजे अप. (आईएसटी) तक	आरक्षित मूल्य रु.1,25,00,000/-(रुपये एक करोड़ पच्चीस लाख मात्र) ईएमडीः रु. 12,50,000/- (रुपये बारह लाख पचास हजार मात्र) बोली वृद्धि- रु. 1,00,000/- (रुपये एक लाख मात्र) एवं उसके गुणकों में।

धरोहर राशि का भुगतान "फीनिक्स ट्रस्ट एफवाई 18-1 स्कीम ई" के पक्ष में नई दिल्ली में भुगतान योग्य डीडी के द्वारा अथवा चालू खाताः 6911850444; कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड, शाखाः कलीना, मुम्बई, आईएफएससी कोडः KKBK0000631 में एनईएफटी/आरटीजीएस द्वारा किया जायेगा।
बिक्री के अंतर्गत परिसम्पत्तियों से संबंधित किसी स्पष्टीकरण/अपेक्षा के लिये बोलीदाता श्री लोकेश मित्तल (+91 8377809456, 0120-6173760) अथवा सुश्री अनीशा शिन्दे (022-68492441) एवं श्री निखिल जैन (08929204314 एवं 0120-6173751) से सम्पर्क करें।
बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया लिंक http://phoenixarc.co.in/saleauction.php? id=NDI3 देखें जो फीनिक्स एआरसी प्राईवेट लिमिटेड की वेबसाईट अर्थात् www.phoenixarc.co.in एवं/अथवा https://phoenixarc.auctiontiger.net में दी गई है।

प्राधिकृत अधिकारी
फीनिक्स एआरसी प्राईवेट लिमिटेड के लिये
(फीनिक्स ट्रस्ट एफवाई 18-1 स्कीम ई के ट्रस्टी)

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 8.6.2019

कार्यालयः रिकवरी अधिकारी-I, ऋण वसूली अधिकरण-II, दिल्ली
4था तल, जीवनतारा भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

बिक्री उद्घोषणा सूचना

आर.सी. नं. 297/2012 **यूबीआई बनाम एस.एस. फोम एंड रबड़ क.**

बैंक तथा वित्तीय संस्थानों के बकाए ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 52 (2) के अंतर्गत बिक्री उद्घोषणा

सीडी # 1. मै. एसएस फोम एंड रबड़ क., आर-82/5, रमेश पार्क, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली-110092
सीडी # 2. श्री वी सत्यपालन, एकाकी प्रॉप्राईटरः मै. एसएस फोम एंड रबड़ क., आर-82/5, रमेश पार्क, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली-110092
सीडी # 3. श्रीमती के पार्वती सत्यपालन, आर-82/5, रमेश पार्क, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली-110092
सीडी # 4. द हैंडलूम एम्पोरियम, 138, शकरपुर, विकास मार्ग, दिल्ली
सीडी # 5. बाबा एंड क. प्लॉट नं. 57, स्वाती विहार, दिल्ली
सीडी # 6. लक्ष्मी एण्टरप्राईजेज, 42/5872, रेगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली

1. जैसा कि सीडी'ज से संयुक्त एवं/अथवा पृथक रूप से रु. 54,000/- की लागत के साथ 17.9.1996 से उसकी वसूली तक 12% प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ रु. 45,78,401.00 की राशि का उल्लेख करते हुए माननीय पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकारण-II द्वारा ओ.ए.नं. 889/1996 तिथि 11.10.2012 में रिकवरी प्रमाणपत्र सं. 297/2012 तैयार किया गया है।
2. तथा जैसा कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रमाण पत्र की संतुष्टि के लिए नीचे तालिका में वर्णित संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।
3. एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में 12.7.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 12.00 बजे अप. के बीच (यदि जरूरी हो, 12.00 बजे अप. के बाद) 5 मिनट के स्वतः विस्तार उपबंध के साथ) ई-नीलामी द्वारा उक्त संपत्ति की बिक्री की जाएगी तथा यह बोली "ऑन-लाइन इलेक्ट्रोनिक बोली" के माध्यम से वेबसाईट https://www.bankeauctions.com पर होगी।
4. यह बिक्री नीचे तालिका में नामित उपरोक्त सीडी'ज की संपत्ति की होगी तथा उक्त संपत्ति से जुड़ी देयताएं एवं दावे, जो अब तक सुनिश्चित हैं, वे प्रत्येक लॉट के समक्ष अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।
5. संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट लॉट में बिक्री पर रखा जाएगा। यदि वसूल की जाने वाली राशि संपत्ति के भाग की बिक्री से पूरी हो जाती है तो शेष के मामले में तुरंत बिक्री रोक दी जाएगी। यदि बिक्री संचालक अधिकारी के पास अनुसूची में वर्णित बकाए, ब्याज लागत (बिक्री लागत सहित) जमा कर दी जाती है अथवा उक्त प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी के पास जमा कर दिए होने का उनकी संतुष्टि के लिए प्रमाण जमा कर दिया जाता है तो किसी भी लॉट की नीलामी से पूर्व बिक्री तत्काल रोक दी जाएगी।
6. ऐसे किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति बिक्री के सिलसिले में कोई कर्त्तव्य निर्वहन का दायित्व हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, वे बेची जा रही संपत्ति को अर्जित करने के लिए बोली लगाने या कोई हित अर्जित करने के लिए प्रयास करने में अक्षम होंगे।
7. यह बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा आगे की निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी।
7.1 संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत की गई है, लेकिन, इस उद्घोषणा में किसी गलती, त्रुटि अथवा खामी के लिए अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे।
7.2 आरक्षित मूल्य जिसके नीचे संपत्ति की बिक्री नहीं की जाएगी रु. 2,26,00,000/- (रुपये दो करोड़ छब्बीस लाख मात्र) तथा धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी) रु. 22,60,000/- (रुपये बाईस लाख साठ हजार मात्र) है।
7.3 जो इच्छुक बोलीदाता अधिकतम 10.7.2019 के 5 बजे अप. तक रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के कार्यालय में पैन कार्ड, पहचान के प्रमाण, आवास के प्रमाण सहित अन्य दस्तावेजों के साथ आरक्षित मूल्य से ऊपर अपना प्रस्ताव जमा करते हैं वे ई-नीलामी में भाग लेने के योग्य होंगे जो 12.7.2019 को 11 बजे पूर्वा. से 12 बजे दोपहर के बीच आयोजित की जाएगी। यदि बोली अंतिम 5 मिनट में रखी जाती है तो अंतिम समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
7.4 बोलीदाता रु. 50,000 (रुपए पचास हजार मात्र) के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं।
7.5 असफल बोलीदाता ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया के तत्काल बाद रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली, सीएच अर्थात यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से प्रत्यक्ष रूप से अपना ईएमडी प्राप्त कर सकते हैं।
7.6 सफल/ उच्चतम बोलीदाता को ई-नीलामी की समाप्ति के उपरांत धरोहर राशि (ईएमडी) समायोजित करने के बाद 24 घंटे के भीतर रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली खाता "आर.सी. नं. 297/2012" के पक्ष में 25% का डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर तैयार करना होगा तथा उसे इस तरह से भेजना होगा ताकि वह ई-नीलामी की समाप्ति से 3 दिनों के भीतर रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के पास पहुंच जाएं अन्यथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।
7.7 सफल बोलीदाता को संपत्ति की नीलामी की तिथि से 15वें दिन, उस दिन को छोड़कर अथवा यदि 15वाँ दिन रविवार या अवकाश होता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस को रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के समक्ष रजिस्ट्रार डीआरटी-I, दिल्ली के पक्ष में देय रु. 1000/- तक 2% तथा 1000 से अधिक की सकल राशि पर 1% की दर से पाउन्डेज शुल्क के साथ रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली खाता "आर.सी. नं. 309/2014" के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर द्वारा शेष 75% बिक्री राशि का भुगतान करना होगा (डाक द्वारा शेष 75% राशि के भुगतान की स्थिति में वह उक्त रूप से रिकवरी अधिकारी के पास पहुंच जाना चाहिए।
7.8 निर्धारित अवधि में भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी। बिक्री के खर्चे के डेफ्रे करने के बाद अधोहस्ताक्षरी यदि उपयुक्त समझते हैं तो जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी तथा चूक करने वाले क्रेता को उस राशि अथवा जिसके लिए बाद में उसकी बिक्री की जाएगी, के प्रति दावे करने के सभी अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा।
8. संपत्ति की बिक्री **"जैसा है जहां है आधार" "तथा जो भी वहां है आधार"** पर की जाएगी।
9. अधोहस्ताक्षरी को किसी या सभी बोली को स्वीकार करने अथवा अनुपयुक्त पाते हैं तो अस्वीकार करने अथवा बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी को स्थगित करने का अधिकार प्राप्त है।

लॉट सं.	बिक्री की जाने वाली सम्पत्ति का विवरण	संपत्ति या उसके किसी भाग पर गणना की गई राजस्व	ऐसा किसी अधिभारों का विवरण जो संपत्ति पर देय है	दावे, यदि कोई हो, जिसे संपत्ति पर रखा गया हो तथा उस प्रकृति एवं मूल्य के अन्य कोई ज्ञात विवरण
1.	गिरवी सम्पत्ति आर-82/5, रमेश पार्क, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली की सम्पत्ति सं. प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चौथा तल।	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं

मेरे हाथ से तथा मुहर लगाकर 29.05.2019 को दी गई।

(शिव कुमार)
रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-III, दिल्ली

तिरुपुर के निर्यातकों ने निर्यात संवर्धन योजना का विकल्प लाने की मांग की

कोयंबतूर, 8 जून (भाषा)।

तिरुपुर निर्यातक संघ ने यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और यूरेशियाई आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार संधि हो जाने तक वाणिज्य मंत्रालय को कोई ऐसा विकल्प लाने को कहा है, जो (डब्लूटीओ) के प्रावधानों के अनुकूल हो।

निर्यातकों को कर्ज सुविधा उपलब्ध कराने पर विचार करे आरबीआइ : गोयल

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय रिजर्व बैंक से निर्यात क्षेत्र के लिए 25 अरब डॉलर (1,73,150 करोड़ रुपए) की ऋण सहायता की व्यवस्था करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के निर्यातकों को मिलने वाले कर्ज पर ब्याज की दर लंदन अंतरबैंक ब्याज दर (लिबोर) से ज्यादा से ज्यादा दो फीसद ऊपर होनी चाहिए। उन्होंने निर्यात कारोबार के लिए कर्ज की सुविधा के बारे में राजधानी में आयोजित बैठक में निर्यात ऋण में आई गिरावट पर चिंता जताई। उन्होंने आश्वासन दिया कि निर्यातकों को समय पर पूंजी उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रयास करेगी।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गोयल ने प्रस्ताव किया है कि निर्यातकों को विदेशी मुद्रा ऋण लिबोर से अधिकतम दो फीसद ऊंची दर में कर्ज उपलब्ध कराया जाए। गोयल ने रिजर्व बैंक, निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) और अन्य बैंकों से निर्यातकों को मुनासिब दर पर कर्ज सुलभ कराने के तौर-तरीके तय करने को कहा। विज्ञप्ति के अनुसार, गोयल ने कहा कि रिजर्व बैंक को अपने विदेशी मुद्रा भंडार से निर्यात क्षेत्र के लिए कम से कम 25 अरब डॉलर की ऋण सहायता उपलब्ध कराने पर विचार करना चाहिए। इसके लिए मजबूत बैंकों के साथ मुद्रा अदला-बदली करार करने पर गौर करना चाहिए।

गोयल ने कहा कि किसी भी व्यापारिक गतिविधि के लिए निर्यात कर्ज की समय पर उपलब्धता जरूरी है। यह निर्यात में वृद्धि के लिए अहम है। निर्यात के लिए ऋण देने में आने वाली दिक्कतों पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक में गोयल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में निर्यात कर्ज का हिस्सा कम हुआ है। यह चिंता का विषय है, खासकर सूक्ष्म, लघु व मझोली उद्यम (एमएसएमइ) क्षेत्र में। छोटी इकाइयां ऋण के लिए गिरवी की मांग से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि इस महत्त्वपूर्ण चुनौती पर गौर करने और संगठनों व संस्थानों की ओर से दी गई सूचना के आधार पर समस्यायों को दूर करने के लिए यह बैठक बुलाई गई।

मानसून से पहले खाद्यान्न को सुरक्षित रखा गया : पासवान

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

जरूरी स्तर से कहीं दोगुना अधिक खाद्यान्न भंडार होने के साथ सरकार ने कहा कि देश भर में एफसीआइ के गोदामों में मानसून से पहले खाद्यान्न भंडार को सुरक्षित रखा गया है। भारतीय खाद्य निगम (एमसीआइ) के कामकाज की समीक्षा करने वाले खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने भी कहा कि इसके अधिकारियों को एक करोड़ टन खाद्यान्न के भंडारण की क्षमता वाले आधुनिक साइलो के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में रिकार्ड उत्पादन और खरीद के कारण सरकार ने अनाज भंडारों का निर्माण किया है। एक जून की स्थिति के अनुसार एफसीआइ के पास खाद्यान्न भंडार 4.11 करोड़ टन के आवश्यक स्तर से लगभग दोगुना ज्यादा है। देश में दक्षिण- पश्चिम मानसून आने में देर हुई है और अगले कुछ दिनों में इसके केरल में प्रवेश करने की उम्मीद है। क्या सरकार ने मॉनसून के दौरान गोदामों में खाद्यान्नों की भरमार की स्थिति से निपटने के उपाय किए हैं, पासवान ने कहा कि एफसीआइ द्वारा खरीदे गए खाद्यान्नों को खुले में नहीं रखा गया है। इसे गोदामों में सुरक्षित रूप से रखा गया है। उन्होंने कहा कि खाद्यान्नों की कुछ मात्रा को 'कवर' और 'प्लिंथ' (सीएपी) भंडार में रखा गया है और नुकसान को कम करने के लिए सावधानी बरती जाती है।

मौजूदा समय में 6.5 करोड़ टन की आवश्यकता के मुकाबले सरकार के पास आठ करोड़ 51.5 लाख टन खाद्यान्नों का भंडारण करने की क्षमता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कुल उपलब्ध संग्रहण व्यवस्था में से 1.26 करोड़ टन 'सीएपी' (कवर एंड प्लिंथ) भंडारण व्यवस्था है। सरकार इस साल अब तक 7.6 करोड़ टन चावल और गेहूं की खरीद कर चुकी है और गोदामों में भी पुराना स्टॉक पड़ा हुआ है।

खाद्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि कुल खाद्यान्न भंडार एक अप्रैल को 4.11 करोड़ टन की आवश्यक स्तर से कहीं लगभग दोगुना ज्यादा था। अधिशेष स्टॉक को खपाने के लिए एफसीआइ ने इस वित्त वर्ष में थोक उपभोक्ताओं को एक करोड़ टन गेहूं बेचने का फैसला किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40 फीसद अधिक है। उन्होंने कहा कि स्टॉक को कम करने के लिए अन्य कदम भी उठाए जा रहे हैं।

इस साल गेहूं का उत्पादन रिकार्ड 10 करोड़ 12 लाख टन होने का अनुमान है और एफसीआइ को इस रबी विपणन सत्र में 3.57 करोड़ टन गेहूं खरीद होने की उम्मीद है।

भंडारण मुद्दे और खाद्यान्न की क्षति की स्थिति से निपटने के लिए पासवान ने कहा कि सरकार चालू निजी उद्यमिता गारंटी (पीइजी) योजना के तहत एक करोड़ टन की भंडारण क्षमता वाले आधुनिक साइलो के निर्माण कार्य में तेजी लाएगी। उन्होंने कहा कि साइलो के निर्माण की गति हमारे संतोषजनक स्तर पर नहीं है। अब तक एक करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले 6.75 लाख टन की क्षमता के लिए सिलोस बन चुकी है। एफसीआइ के अधिकारियों को काम में तेजी लाने के लिए एक नई नीति का मसौदा तैयार करने के लिए भी कहा गया है और राइट्स को एक मॉडल लेकर सामने आने को कहा गया है, ताकि सिलोस का तेजी से निर्माण किया जा सके।

मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार एफसीआइ श्रम को सुव्यवस्थित करने के लिए अगले छह महीनों में एक एकल श्रम प्रणाली लागू की जाएगी, जिसके तहत 40,000 मजदूरों को श्रम अवधि और वेतन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। वर्तमान में एमसीआइ में, 20,000 मजदूर प्रत्यक्ष पेरोल पर हैं, 11,000 एफसीआइ द्वारा भर्ती किए गए कामगार हैं, जो 2022 तक सेवानिवृत्त होंगे और 6,700 श्रमिक काम नहीं तो वेतन नहीं प्रणाली पर कार्यरत हैं।

पासवान ने कहा कि एफसीआइ में 30-40 श्रमिक यूनियन हैं। हम नई प्रणाली के साथ समाहित होने के लिए आम सहमति बना रहे हैं। एफसीआइ में 4,100 रिक्तियों को भरने के संबंध में उन्होंने कहा कि एफसीआइ को इस प्रक्रिया के लिए देर नहीं करने और स्टाफ चयन प्रक्रिया के माध्यम से पारदर्शी भर्ती सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि एफसीआइ के मुद्दों पर चर्चा के लिए इस महीने के अंत में राज्य के खाद्य मंत्रियों और खाद्य सचिवों की बैठक बुलाई जाएगी।

रोजगार, अर्थव्यवस्था की चिंता में उपभोक्ताओं का भरोसा कम हुआ

मुंबई, 8 जून (भाषा)।

रोजगार, कीमतों के स्तर व अर्थव्यवस्था को लेकर धारणा में कमी आने से मई 2019 में उपभोक्ताओं का भरोसा कम हुआ है। रिजर्व बैंक के एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है।

उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के अनुसार, मार्च 2019 में उपभोक्ता भरोसा सूचकांक 104.60 पर पहुंच गया था, जो गिरकर 97.30 पर आ गया। इससे पता चलता है कि भारतीय लोग रोजगार व कीमतों के स्तर को लेकर निराश हो रहे हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि भरोसे में कमी का मुख्य कारण आर्थिक स्थिति व रोजगार को लेकर धारणा खराब होना है। यह सर्वेक्षण देश के 13 मुख्य शहरों में किया जाता है।

फार्म INC-26

कंपनियों के 30 नियम (निगमन) नियम, 2014 के अनुसार

क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, केंद्र सरकार, बी-2, विंग, द्वितीय तल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन (पहले पयारावन भवन), सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003, भारत कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उप-धारा (4) के मामले में और कंपनियों (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उप-नियम (5) के खंड (क) के अनुसार

तथा

दुर्गा फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड

CIN: U18101DL2005PTC136136

पंजीकृत कार्यालय : दुकान नं 32, LSC, DD MRKET, मयूर विहार फेज 1, पूर्वी दिल्ली-110096, दिल्ली, भारत....। आवेदक

आम जनता को यह सूचना दी गई है कि कंपनी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव करती है, अतिरिक्त में पारित विशेष प्रस्ताव के संदर्भ में कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के परिवर्तन की पुष्टि करने की मांग करती है। अतिरिक्त साधारण आम बैठक 3 मई, 2019 को आयोजित की गई ताकि कंपनी अपने पंजीकृत कार्यालय को दिल्ली के एनसीटी से उत्तर प्रदेश राज्य में बदल सके। कोई भी व्यक्ति जिसकी रुचि कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह इस सूचना की तारीख से चौदह दिनों के भीतर एमसीए -21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर, या एक एफिडेविट द्वारा उसकी रुचि और / उसकी आपत्तियों के समर्थन के आधार पंजीकृत डाक द्वारा नीचे दिए गए पते पर आवेदन भेजें, क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र B-2, विंग, दूसरी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन (पहले पयारावन भवन), सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली- 110003, भारत, आवेदन की एक प्रति कंपनी पंजीकृत कार्यालय में भेजें, दुकान नं 32, LSC, DD MRKET, MYUR VIHR PHSE 1, पूर्वी दिल्ली- 110096, दिल्ली, भारत आवेदक की ओर से और उसके लिए दुर्गा फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड

हस्ता/- विनोद गर्ग, निदेशक DIN: 02310447

P-34, सेक्टर-12, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश, भारत

दिनांक: 28-05-2019 स्थान: नई दिल्ली

दक्षिण मध्य रेलवे

Follow us on @SCRailwayIndia

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं का विवरण वेबसाईट: www.scr.indianrailways.gov.in पर देखी जा सकती है।

माह जुलाई एवं अगस्त-2019 के लिए नीलामी कार्यक्रम

PUB/0638

जुलाई ई-नीलामी-2019

तिथि	मंडल/डिपो
01.07.19	नांदेड़
02.07.19	गुन्टूर, रायणापाडु
03.07.19	हैदराबाद, लल्लागुडा
04.07.19	तिरुपति
05.07.19	सिकन्दराबाद, गुन्टाकाल
8.7.19	विजयवाड़ा
9.7.19	नांदेड़
10.7.19	गुन्टूर, रायणापाडु
11.7.19	हैदराबाद, लल्लागुडा
12.7.19	तिरुपति
15.7.19	सिकन्दराबाद, गुन्टाकाल
16.7.19	विजयवाड़ा
17.7.19	नांदेड़
18.7.19	गुन्टूर, रायणापाडु
19.7.19	हैदराबाद, लल्लागुडा
22.7.19	तिरुपति
23.7.19	सिकन्दराबाद, गुन्टाकाल
24.7.19	विजयवाड़ा
25.7.19	नांदेड़
26.7.19	गुन्टूर, रायणापाडु
29.7.19	हैदराबाद, लल्लागुडा
30.7.19	तिरुपति
31.7.19	सिकन्दराबाद, हैदराबाद, गुन्टाकाल, गुन्टूर, नांदेड, विजयवाड़ा, लल्लागुडा, रायणापाडु, तिरुपति

अगस्त ई-नीलामी-2019

तिथि	मंडल/डिपो
01.08.19	विजयवाड़ा
02.08.19	नांदेड़
05.08.19	गुन्टूर, रायणापाडु
06.08.19	हैदराबाद, लल्लागुडा
07.08.19	तिरुपति
08.08.19	सिकन्दराबाद, गुन्टाकाल
13.08.19	विजयवाड़ा
14.08.19	नांदेड़
16.08.19	गुन्टूर, रायवाडु
19.08.19	हैदराबाद, लल्लागुडा
20.08.19	तिरुपति
21.08.19	सिकन्दराबाद, गुन्टाकाल
22.08.19	विजयवाड़ा
23.08.19	नांदेड़
26.08.19	गुन्टूर, रायणापाडु
27.08.19	हैदराबाद, लल्लागुडा
28.08.19	तिरुपति
29.08.19	सिकन्दराबाद, गुन्टाकाल
30.08.19	सिकन्दराबाद, हैदराबाद, गुन्टाकाल, गुन्टूर, नांदेड़, विजयवाड़ा, लल्लागुडा रायणापाडु, तिरुपति

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/ सिकन्दराबाद

A 0880/19

निविदा की विस्तृत शर्तें/विवरणों तथा निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाईट: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

U.P. STATE BRIDGE CORPORATION LTD.

Office of the Dy. Project Manager, Mechanical Unit-I, Bhusamandi, Aishbagh, Lucknow - 226 004

No. 179/11M/MU-1/19-20 **Dt. 07/06/2019**

Short Term Tender Notice

E-Tenders are hereby invited from the firm registered with GST Bridge Corporation and having experience in the repair of crane so as to reach this office latest by 3.00 P.M. on 10.06.2019 for the supply/Repair of Japani crane 335 AS CSN 103069 The E-tenders shall be opened on the same day at 3.30 P.M. in presence of E-tenderer's present at time of opening. E-Tender documents can be purchased from the office of the undersigned on any working day upto 20.06.2019 on 3.30 P.M. at the cost of Rs. 1000/- + 18% GST.

(Ashok Tiwari),

Dy. Project Manager (M)

PUBLIC NOTICE

[Pursuant to rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014] Advertisement to be published in the newspaper for change of Registered Office of the company from one state to another.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT (REGIONAL DIRECTOR NORTHERN REGION)

In the matter of sub-section (4) of Section 13 of Companies Act 2013 and clause (a) of sub-rule (5) of Rule 30 of the Companies (Incorporation) Rules, 2014

And

In the matter of PACFIELD INDIA PRIVATE LIMITED having its registered office at 9/6676, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi – 110005 Notice is hereby given to the General Public that the company proposes to make application to the Central Government under Section 13 of the Companies Act 2013 seeking confirmation of alteration of the Memorandum of Association of the Company in terms of Special Resolution passed at Extra-ordinary General Meeting held on 25.04.19 to enable the company to change its Registered Office from "State of Delhi" to State of "Haryana". Any person whose interest is likely to be affected by the purposed change of registered office of the company may deliver either on MCA-21 portal by filling investor complaint form or cause to be delivered or sent by registered post of his / her interest and grounds of opposition to the Regional Director, Northern Region, New Delhi within 14 days of the date of publication of this Notice. with a copy to the applicant company at its Registered Office at the address mentioned above.

For on and behalf of

PACFIELD INDIA PVT. LTD.

Sd/-

Raj Kishan Singla

(Director) Din :- 00983466

Date :- 9- JUNE 2019

Place :- New Delhi

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

नई दिल्ली वृहत्त कॉर्पोरेट शाखा
10वाँ तल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, होटल इम्पीरियल के सामने, जनपथ, नई दिल्ली-110001

सार्वजनिक सूचना

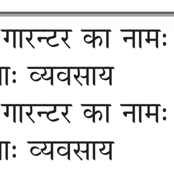

1. श्री प्रबोध कुमार तिवारी

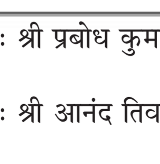

2. श्री आनंद तिवारी

मै. पिक्सन मीडिया प्रा.लि. ने 31.3.2008, 2.7.2009 तथा 6.1.2011 को नई दिल्ली वृहत्त कॉर्पोरेट शाखा से सावधि ऋण-I, कार्यरत पूंजी लिमिट, सावधि ऋण-II सुविधाऐं प्राप्त की हैं तथा उसके भुगतान में चूक की है।

1. गारन्टर का नामः श्री प्रबोध कुमार तिवारी, पुत्र श्री भागवत तिवारी
पेशाः व्यवसाय
2. गारन्टर का नामः श्री आनंद तिवारी, पुत्र श्री प्रबोध कुमार तिवारी
पेशाः व्यवसाय
निवासः नं. 6, साउदर्न एवैन्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली-110065
कार्यालय का पताः सी-67, फ्रैंड्स कॉलोनी (पूर्व), नई दिल्ली-110065
ऋण खाता सं.: 605965410000005, 605930110000006 तथा 605965410000065
मूलधन राशिः रु. 201.00 करोड़ (स्वीकृत सीमा)
9.10.2018 को बकाया राशिः रु. 559.17 करोड़ + 9.10.2018 से अनारोपित ब्याज।

तिथिः 9.6.2019, स्थानः दिल्ली **बैंक ऑफ इंडिया**

ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली, 4था तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ओए नं. 853/2018

बैंक ऑफ महाराष्ट्र बनाम श्री विश्वजीत कुमार सिंह एवं अन्य

आवेदक **.....प्रतिवादीगण**

सेवा में: 1. श्री विश्वजीत कुमार सिंह, पुत्र श्री प्रेम शंकर सिंह, एस-221, 3रा तल, पांडव नगर, जे ब्लॉक पार्क के निकट, कड़कड़डूमा, नई दिल्ली

साथ ही: सैब ईवेन्ट एंड गवर्नैन्स नाऊ मीडिया लि., 24-ए, मिण्डमिल कॉर्पोरेट, टावर, फिल्म सिटी, सेक्टर-16 ए, नोएडा-201301

2. श्रीमती अनीशा सिंह, पत्नी श्री विश्वजीत कुमार सिंह, एस-221, 3रा तल, पांडव नगर, जे ब्लॉक पार्क के निकट, कड़कड़डूमा, नई दिल्ली

3. मै. रुद्र बिल्डवेल होम्स प्रा. लि., पंजी. कार्यालयः डी-52, ओखला, फेज-1, नई दिल्ली-110020 साथ हीः ए-66, सेक्टर-63, नोएडा-201301

जैसा कि ऊपर नामित आवेदक ने रु. 27,83,788/- (रुपये सत्ताईस लाख तिड़ासी हजार सात सौ अठासी मात्र) की वसूली के लिये आपके विरुद्ध एक मामला शुरू किया है तथा जैसा कि इस अधिकरण की संतुष्टि के लिये यह साबित हो चुका है कि आपको सामान्य तरीके से सर्व करना संभव नहीं है। अतएव, विज्ञापन के माध्यम से इस सूचना के द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि 10.7.2019 को 10.30 पूर्वा. में विद्वान रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित हों। ध्यान रहे कि उपरोक्त तिथि को इस अधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर मामले की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में ही की जायेगी।

मेरे हाथ से तथा अधिकरण की मुहर लगाकर आज, 8 मई, 2019 को दी गई।

अधिकरण के आदेश से रजिस्ट्रार के लिए

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-I, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ओ. ए नं. 642/2018

पंजाब एण्ड सिंध बैंक आवेदक

विरुद्ध

श्री राजेश कुमार एवं अन्य प्रत्यार्थी

सेवा में,

1. श्री राजेश कुमार पुत्र श्री अजीत कुमार, निवासी : मकान नं. 3262, प्रथम तल, रानी बाग, नई दिल्ली-110034

2. श्रीमती रजनी सिंह (गारंटर) पत्नी श्री अवधेश प्रताप, निवासी : डी-16/45-46, सैक्टर-4, रोहिणी, दिल्ली-110085

जबकि उपरोक्त आवेदक ने आपके विरूद्ध रू. **14,52,763/-** (रुपए चौदह लाख बावन हजार सात सौ तिरेसठ मात्र) की वसूली हेतु एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषजनक रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको **दिनांक 10.06.2019 को पूर्वा. 10.30 बजे** माननीय रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, वाद की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायधिकरण की मोहर के तहत **26 अप्रैल, 2019** को दिया गया।

न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा रजिस्ट्रार

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-I, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ओ. ए नं. 645/2018

पंजाब एण्ड सिंध बैंक आवेदक

विरुद्ध

श्री अखिल अरोड़ा एवं अन्य प्रत्यार्थी

सेवा में,

1. श्री अखिल अरोड़ा पुत्र श्री जगदीश अरोड़ा निवासी : मकान नं. 8 जीएफ खुशी राम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110053

2. श्रीमती सुलेखा देवी (गारंटर) पत्नी श्री पवन शर्मा निवासी : जी15/56, एफएफ, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली

जबकि उपरोक्त आवेदक ने आपके विरूद्ध रू. **11,74,820/-** (रुपए ग्यारह लाख चौहत्तर हजार आठ सौ बीस मात्र) की वसूली हेतु एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषजनक रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको **दिनांक 10.06.2019 को पूर्वा. 10.30 बजे** माननीय रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, वाद की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायधिकरण की मोहर के तहत **26 अप्रैल, 2019** को दिया गया।

न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा रजिस्ट्रार

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India **रुद्रप्रयाग शाखा** **कब्जा सम्बन्धी सूचना** (चल/अचल सम्पत्ति हेतु)

सिक्योरिटीजाइजेशन एवं रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल असेट्स इनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 तथा सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट (एनफोर्समेंट) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक ऑफ इंडिया ने सम्बन्धित ऋणियों के नाम के सामने दर्शाये गए खातें में उनके नामों के सामने दी गई तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि अदा करने के लिए मांग नोटिस जारी किया था। ऋणियों द्वारा राशि अदा करने में असफल होने पर ऋणी और जनसामान्य को नोटिस दिया जाता है कि कि प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गयी सम्पत्ति का कब्जा नीचे लिखी तिथि को ले लिया गया है। ऋणियों को विशेष रूप से एवं जनसामान्य को सामान्य रूप से चेतावनी दी जाती है कि वे उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध मे किसी प्रकार का लेन-देन न करें। इस सम्पत्ति से किसी प्रकार का लेन-देन **बैंक ऑफ इंडिया** को देय राशि एवं उस पर अर्जित ब्याज के चार्ज के पूर्ण भुगतान के पश्चात ही किया जा सकता है। **उधारकर्ता(ओं) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों के एवज में उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों के लिए आमंत्रित किया जाता है।**

ऋणकर्ता का नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि	मांग नोटिस के अनुसार बकाया राशि	कब्जा नोटिस की तिथि
श्री हुकुम लाल पुत्र बुद्धू लाल	सभी स्टॉक एवं मशीनरी पो. तिलवाड़ा रुद्रप्रयाग में स्थित	13.06.2018	रू0 207946.57 + ब्याज व अन्य खर्चे	**03.06.2019**

दिनांक: 08.06.2019, स्थान: रुद्रप्रयाग **प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया**

ऋण वसूली अधिकरण, देहरादून

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग

द्वितीय तल, पारस टॉवर, माजरा, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखंड-248171

रिकवरी ऑफिसर -1, डीआरटी देहरादून, के समक्ष

मांग एवं उपस्थिति की सूचना

(आयकर अधिनियम 1961 में दूसरे अनुसूची के नियम 2 के तहत नोटिस ऋण वसूली एवं दिवालियापन अधिनियम 1993 की धारा 25 से 29 में पढ़ें)।

आर. सी. नं. 391/2018 में टी. ए. नं. 197/2018 डीवाई नं0 437 दिनांक 28.05.2019

केनरा बैंक **बनाम** **मैसर्स एफ.एफ. पोल्ट्री फीड्स एवं अन्य**

होटल पारस पैलेस, स्टेशन रोड,

चांदपुर, जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश

सेवा में,

सीडी 1: **मैसर्स एफ.एफ. पोल्ट्री फीड्स व्यापार का मुख्य केंद्र मौहल्ला सराय रफी, बस्ती रोड, चांदपुर जिला बिजनौर, उ.प्र. द्वारा प्रोपराइटर श्रीमती फिरदौस खातून या व्यवसाय के प्रबंधन और नियंत्रण में पाया गया कोई भी व्यक्ति,**

सीडी 2: **श्रीमती फिरदोस खातून पत्नी श्री इकरार अहमद, निवासी मकान नंबर 227. मौहल्ला मुफ्ती सराय चांदपुर जिला- बिजनौर, उ.प्र.-246725**

सर्टिफिकेट देनदार

(i) यह सूचित किया जाता है कि रु 1,04,80,583/– (एक करोड़ चार लाख अस्सी हजार पांच सौ तिरासी मात्र) के साथ पेंडेंट लाइट और भविष्य के ब्याज कि राशि 10.00% प्रति वर्ष साधरण दर से ओ. ए. फाईलिंग दिनांक 17.08.2015 से शेष राशि पर घटते क्रम के अनुसार व अन्य खर्चे रु 1,91,000/–, के लिए रिकवरी सर्टिफिकेट दिनांक 05.11.2018 को जारी के अनुसार आप पर बकाया है जोकि माननीय पीठासीन अधिकारी ऋण वसूली अधिकरण, देहरादून द्वारा टी.ए. क्रमांक 197/2018 मे जारी की है।

जहां तक कि अधोहस्ताक्षरी की संतुष्टि के लिए बता दिया गया है कि साधारण प्रक्रिया द्वारा मांग पत्र आपको तामील कराना संभव नहीं है। अत: इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचना दी जाती है और आपको निर्देशित किया जाता हैं कि इस नोटिस के प्रकाशन होने के 15 दिनों के भीतर उपरोक्त राशि का भुगतान कर दे । विफल होने पर ऋण वसूली एवं दिवालियापन अधिनियम, 1993 के तहत प्राबधानों एवं नियमों के अनुसार वसूली की जायेगी ।

उपरोक्त राशि के अतिरिक्त आप भुगतान करने के लिए वाध्य होंगे :

(अ) इस प्रमाण-पत्र / निष्पादन की सूचना की कार्यवाही के तुरंत बाद से शुरू होने वाली अवधि के लिए देय ब्याज ।

(ब) इस सूचना की सेवा के संबंध में किए गये सभी खर्च, शुल्क और व्यय एवं अन्य प्रक्रिया के लिये राशि वसूली मे शामिल की जा सकती है ।

यदि उपरोक्त राशि आपके द्वारा भुगतान नहीं की जाती है तो आपको आदेशित किया जाता है कि अग्रिम कार्यवाही हेतु आप 17.07.2019 को प्रात: 11.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित हो ।

मेरे द्वारा एवं मुहर के अधीन 28 मई 2019 को इस ट्रिब्यूनल द्वारा जारी किया गया ।

(संजय कुमार शर्मा)
वसूली अधिकारी-I
डीआरटी, देहरादून

अमेरिका को उम्मीद, आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा पाएंगे मोदी

वाशिंगटन, 8 जून (भाषा)।

लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिली जीत के बाद अमेरिका को उम्मीद है कि अपने दूसरे कार्यकाल में आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए उनके पास ज्यादा स्वतंत्रता होगी। इससे एक कारोबार अनुकूल माहौल बनाने में मदद मिलेगी।

वाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी का यह बयान ऐसे समय आया, जब शुक्रवार को मीडिया में यह खबर छाई रही कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अगला निशाना भारत हो सकता है। इसमें भारत के खिलाफ सेक्शन-301 जांच शुरू किया जाना शामिल है।

अधिकारी ने कहा कि बड़ी चिंता ई-वाणिज्य पर भारत सरकार द्वारा हाल में लगाए गए प्रतिबंध और डाटा का स्थानीयकरण करने के नियम है। इससे अमेरिकी कंपनियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। साथ ही निवेश माहौल पर भी असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि चुनाव निपट गए हैं और प्रधानमंत्री मोदी के पास कड़े आर्थिक सुधार लाने के लिए अब अधिक स्वतंत्रता होगी। यह नए विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा और कारोबार अनुकूल माहौल बनाने में मदद करेगा।

उल्लेखनीय है कि जापान के ओसाका में जी-20 समूह की बैठक के दौरान इस माह के अंत में मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होना तय है।

विमानन सुरक्षा शुल्क में बढ़ोतरी की घोषणा, हवाई यात्रा होगी महंगी

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

नागर विमानन मंत्रालय ने भारतीय यात्रियों के लिए विमानन सुरक्षा शुल्क (एएसएफ) 130 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए करने की घोषणा की है। यह वृद्धि एक जुलाई से लागू होगी। इससे हवाई यात्रा कुछ महंगी हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एएसएफ को 3.25 डॉलर से बढ़ाकर 4.85 डॉलर किया जाएगा।

नागर विमानन मंत्रालय के सात जून के आदेश में कहा गया है कि घरेलू यात्रियों के लिए एएसएफ शुल्क 150 रुपए प्रति यात्री की दर से लगाया जाएगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए यह शुल्क 4.85 डॉलर प्रति यात्री होगा। एएसएफ यात्री सेवा शुल्क (सुरक्षा का हिस्सा) यानी पीएसएफ (एससी) का स्थान लेगा।

नियम कड़े होने से सनदी लेखाकारों को हो रही सबसे अधिक कठिनाइयां : श्रीनिवास

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

कंपनियों में बढ़ती धोखाधड़ी की घटनाओं के बीच आज की तारीख में सनदी लेखाकारों (चार्टर्ड अकाउंटेंट) को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि लेखा परीक्षण और लेखा मानक कड़े हुए हैं। कॉरपोरेट मामलों के सचिव इंजेती श्रीनिवास ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब आइएलएफएस के मामले समेत कई अन्य मामलों में लेखा परीक्षकों (ऑडिटरों) की भूमिका पर सवाल उठे हैं और कथित उल्लंघनों के कारण वे जांच के दायरे में हैं।

श्रीनिवास ने कहा, 'जब एक के बाद एक कॉरपोरेट धोखाधड़ी सामने आया तो हम चार्टर्ड अकाउंटेंट के पीछे भागे।

नेपाल तलाश रहा गंडक नदी मार्ग से व्यापार की संभावना

कोलकाता, 8 जून (भाषा)।

नेपाल, भारत के साथ नए जलमार्गों से द्विपक्षीय व्यापार की संभावनाएं तलाश रहा है। इस मार्ग से व्यापार करना स्वच्छ और हरित है। इसी क्रम में उसने गंडक नदी के रास्ते मालवहन का प्रस्ताव रखा है। शुक्रवार को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के चेयरमैन प्रवीर पांडे ने यह जानकारी दी। वह यहां इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम से अलग पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

दोनों देशों के बीच मौजूदा समय में नेपाल की सीमा तक सड़क मार्ग से सामान पहुंचाने से पहले मालवहन नौकाएं गंगा पर बने राष्ट्रीय जलमार्ग-एक के माध्यम से माल उत्तर प्रदेश वाराणसी, पश्चिम बंगाल के कालाघाट और झारखंड के साहिबगंज पहुंचती हैं।

खेती में कीट-पतंगों व रोबोट तकनीक पर अनुसंधान की सलाह

जबलपुर (मध्य प्रदेश), 8 जून (भाषा)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) की उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम समीक्षा समिति ने देश में कृषि से संबंधित पोस्टग्रेजुएट व पीएचडी पाठ्यक्रम में खाने योग्य कीट-पतंगों व चिकित्सा में उनके उपयोग पर अनुसंधान करने की सलाह दी है। इसके अलावा, इस समिति ने इन दोनों पाठ्यक्रमों में रोबोट व ड्रोन तकनीक को भी शामिल करने की सिफारिश की है, ताकि खेती पर बेहतर निगरानी रखी जा सके।

इस उच्च स्तरीय समिति में सात सदस्य हैं, जो सभी कृषि विशेषज्ञ हैं। इस समिति ने जबलपुर में सरकारी जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में हाल ही में आयोजित बैठक में इस विषय पर विस्तृत चर्चा कर अपनी सिफारिश पिछले सप्ताह आइसीएआर को सौंप दी है। इस कमेटी में डॉ. एस लिंगराजू, डॉ ए रहमान, डॉ बीए पटेल, डॉ केटी रंगास्वामी, डॉ मकरंद जोशी, डॉ एस स्वामीनाथन और डॉ एके भौमिक शामिल हैं। इस कमेटी के एक सदस्य ने बताया कि अब गेंद आइसीएआर के पाले में है कि वह हमारी इन सिफारिशों को देश के कृषि से जुड़े हुए उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों में शामिल करे।

समिति के संयोजक डॉ एके भौमिक ने बताया कि कुछ कीट-पतंगों की प्रजातियों में प्रोटीन की मात्रा बहुत होती है। इन्हें देश के उत्तर-पूर्वी व दक्षिण के कुछ इलाकों में खाया जाता है। हमारी आबादी का कुछ हिस्सा खाने योग्य कीट-पतंगों जैसे टिड्डे, दीमक व कैटरपिलर को खाते हैं। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी का डंक भी गठिया, अवसाद व मिरगी रोग के उपचार के लिए फायदेमंद होता है। इसका उपयोग इन बीमारियों के उपचार के लिए किया जा सकता है।

असम चिड़ियाघर में शनिवार को तालाब किनारे प्यास बुझाते हिरण।

थानागाजी बलात्कार मामले में पूरे थाने पर कार्रवाई करने का निर्देश

जयपुर, 8 जून (भाषा)।

राज्य सरकार ने थानागाजी सामूहिक बलात्कार मामले में कार्रवाई में देरी के लिए पूरे थाने के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसके तहत जहां थानाधिकारी सरदार सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा, वहीं थाने के तत्कालीन पूरे स्टाफ को बदला जाएगा। इस प्रकरण में कार्रवाई में कथित ढिलाई को लेकर राज्य सरकार को काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) राजीव स्वरूप ने इस मामले में कार्रवाई करने के निर्देश राज्य के पुलिस महानिदेशक को दिए। यह कार्रवाई संभागीय आयुक्त केसी वर्मा द्वारा की गई जांच व उपमहानिरीक्षक (सतर्कता) जोस मोहन से करवाई गई जांच की रपटों के आधार पर की गई है। सरकारी बयान के अनुसार राज्य सरकार ने इन रपटों के आधार पर दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके तहत थानागाजी पुलिस स्टेशन के थानाधिकारी सरदार सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने के साथ ही अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। थानाधिकारी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

निर्देशों के अनुसार अलवर के वृत्ताधिकारी (ग्रामीण) जगमोहन शर्मा को जिले से बाहर स्थानांतरित करने के लिए कहा गया है। उप निरीक्षक बाबूलाल, सहायक उपनिरीक्षक रूपनारायण, कांस्टेबल महेश, घनश्याम सिंह, बृजेंद्र, राजेंद्र और राम रतन का तबादला जयपुर रेंज के बाहर करने को कहा गया है। यही नहीं, घटनाक्रम के समय मौजूद थाने के शेष बचे स्टाफ को थानागाजी पुलिस स्टेशन से बदलने के लिए कहा गया है। पुलिस उपाधीक्षक व वृत्ताधिकारी जगमोहन शर्मा, थानाधिकारी सरदार सिंह और कांस्टेबल महेश के खिलाफ 16 सीसीए की चार्जशीट देने के निर्देश दिए है। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ राजीव पचार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है।

मामला दर्ज होने में कथित देरी को लेकर पुलिस व राज्य सरकार की काफी आलोचना हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व बसपा प्रमुख मायावती ने इस मामले की आलोचना की। अशोक गहलोत सरकार ने भाजपा पर इस मामले को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बाद में पीड़ित परिवार से मिले थे।

> पुलिस उपाधीक्षक व वृत्ताधिकारी जगमोहन शर्मा, थानाधिकारी सरदार सिंह और कांस्टेबल महेश के खिलाफ 16 सीसीए की चार्जशीट देने के निर्देश दिए है। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ राजीव पचार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है।

ईडी ने चंदा कोचर को पूछताछ के लिए अगले हफ्ते बुलाया

नई दिल्ली, 8 जून (भाषा)।

आइसीआइसीआइ और वीडियोकॉन से जुड़े धन शोधन मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को अगले सप्ताह पेश होने के लिए कहा है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि चंदा कोचर से 10 जून को मामले में गवाही देने को कहा गया है। इससे पहले उन्हें पिछले गुरुवार को पेश होना था, लेकिन उन्होंने तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था।

ईडी पिछले महीने चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर से कई बार पूछताछ कर चुका है और उनके बयान भी दर्ज कर चुका है।

आधिकारिक सूत्रों ने इसी सप्ताह कहा था कि जांच एजेंसी और बैंक अधिकारियों को बुला कर उनसे पूछताछ करने और चंदा कोचर के बयान की पुष्टि करने की मंशा रखती है।

भीषण गर्मी के दौरान पीने का पानी न मिलने से 15 बंदरों की मौत

देवास (मध्य प्रदेश), 8 जून (भाषा)।

मध्य प्रदेश में चल रही भीषण गर्मी के दौरान पीने के लिए पानी न मिलने से देवास जिले की पुंजापुरा रेंज के जोशी बाबा के जंगल में काले मुंह के 15 बंदरों की लू लगने से मौत हो गई है।

वन अधिकारियों का दावा है कि जिस इलाके में इन बंदरों की मौत हुई है, उस इलाके में एक जल स्रोत है, जिसमें बहुत ही कम पानी रह गया है। इस जल स्रोत को 50 से 60 काले मुंह के हट्टे-कट्टे बंदरों की एक टोली ने चारों तरफ से घेर कर कब्जा कर रखा है और दूसरी टोली के इन बंदरों को वहां पानी नहीं पीने दिया, जिससे भीषण गर्मी के दौरान प्यास से उनकी मौत हो गई।

देवास वन मंडल अधिकारी पीएन मिश्रा ने शनिवार को बताया कि देवास जिला मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर पुंजापुरा रेंज के जोशी बाबा के जंगल में काले मुंह के नौ बंदर बृहस्पतिवार को मृत पाए गए। अगले दिन इसी इलाके में छह और काले मुंह के बंदरों के शव मिले। उन्होंने कहा कि 50 से 60 काले मुंह के हट्टे-कट्टे बंदर काली सिंध नदी की छोटी सी सहायक नदी पौनी पर इस जलस्रोत की निगरानी कर रहे हैं और इसमें बंदरों की दूसरी टोली को पानी नहीं पीने दे रहे हैं। इस जलस्रोत में बहुत ही कम पानी बचा है।

मिश्रा ने बताया कि यह नदी उस स्थान से केवल 800 मीटर की दूरी पर है, जहां पर इन बंदरों के शव मिले हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही दूसरी टोली के बंदर इस जलस्रोत के पास पानी पीने आते हैं, ये हट्टे-कट्टे बंदर उन पर हमला कर भगा देते हैं। इसी के कारण भीषण गर्मी में पीने का पानी न मिलने से इन बंदरों की मौत लू लगने से हुई है। मध्य प्रदेश के अधिकांश इलाके कई दिन से लू की चपेट में हैं। कई इलाकों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक है।

तमिलनाडु में नामपट्टिकाओं के हिंदी शब्दों पर कालिख पोती गई

तिरुचिरापल्ली, 8 जून (भाषा)।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में बीएसएनएल और हवाई अड्डा समेत केंद्र सरकार के कार्यालयों में लगी नामपट्टिकाओं पर लिखे हिंदी नामों पर कालिख पोत दी गई।

पुलिस ने बताया कि यह मामला शनिवार सुबह प्रकाश में आया। उन्होंने बताया कि इन बोर्डों पर लिखे अंग्रेजी के शब्दों को विरूपित नहीं किया गया है। यह घटना केंद्र द्वारा प्रस्तावित तीन-भाषा के फार्मूले के लेकर उत्पन्न हुए विवाद की पृष्ठभूमि में हुई है। राज्य के विपक्षी दलों ने केंद्र के इस कदम को राज्य पर हिंदी 'थोपने' की कोशिश करार दिया था।

प्रमुख विपक्षी दल द्रमुक और अन्य ने इस कदम का पुरजोर विरोध करते हुए जोर देकर कहा था कि केवल दो भाषाओं का फार्मूला जारी रहना चाहिए। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है ।

पुलिस ने आगाह किया है कि नामपट्टिकाओं को विरूपित करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में 28 लाख की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बेतिया, 8 जून (भाषा)।

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के सिकटा बाजार के निकट बसअड्डे से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की एक टीम ने पड़ोसी देश नेपाल से लाए गए करीब 28 लाख रुपए मूल्य के एक किलो चार सौ ग्राम अवैध मादक पदार्थ चरस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। एसएसबी की 47वीं बटालियन के सहायक सेनानायक संदीप प्रसाद ने शनिवार को बताया कि चरस की उक्त खेप के साथ गिरफ्तार तस्कर का नाम गणेश सहनी है।

असम में पूर्व सैनिक 'हिरासत शिविर' से रिहा

गुवाहाटी, 8 जून (भाषा)।

न्यायाधिकरण द्वारा 'विदेशी' घोषित किए जाने के बाद हिरासत शिविर में भेजे गए पूर्व सैनिक मोहम्मद सनाउल्ला को गुवाहाटी हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद शनिवार को हिरासत केंद्र से मुक्त कर दिया गया। करगिल युद्ध में भाग ले चुके सनाउल्ला को शुक्रवार को हाईकोर्ट ने जमानत दी।

रिहाई के शीघ्र बाद ही सनाउल्ला को कामरूप के पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में ले जाया गया जहां उन्होंने अदालत के निर्देश के अनुसार औपचारिकताएं पूरी की। बाद में वे अपने परिजनों और दोस्तों के साथ जिले के बोको क्षेत्र में स्थित अपने घर गए।

न्यायमूर्ति मनोजीत भुइयां और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार डेका की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की और 20-20 हजार रुपये के दो मुचलकों पर उन्हें जमानत दे दी। पीठ ने कहा कि सनाउल्ला कामरूप के पुलिस अधीक्षक की अनुमति के बिना जिले से बाहर नहीं जा सकते। सनाउल्ला कामरूप के निवासी हैं।

राजस्थान का पहला आम मेला बांसवाड़ा में शुरू

जयपुर, 8 जून (भाषा)।

बांसवाड़ा के कुशलबाग मैदान में इन दिनों आम की खुशबू बिखरी है। इस मैदान में राज्य का पहला आम मेला (मेंगो फेस्टीवल) चल रहा है, जिसमें विभिन्न किस्म के आम का स्वाद चखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। राज्य का यह अपनी तरह का पहला आम मेला है, जिसका उद्देश्य बांसवाड़ा में पाई जाने वाली आम की 46 किस्मों से देश-दुनिया को रूबरू करवाना है। तीन दिन का यह मेला कुशलबाग मैदान में शुक्रवार शाम शुरू हुआ।

मेले में 13 स्टॉल पर आम की विविध 46 किस्मों की प्रदर्शनी लगाई गई है, वहीं आठ स्टॉल पर आम के उत्पादों का प्रदर्शन व विक्रय किया गया। एक स्टॉल तकनीकी परामर्श केंद्र के रूप में स्थापित है, जहां कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक मौजूद रहकर आम के संबंध में जनसामान्य की शंकाओं का समाधान कर रहे हैं। मेले के प्रति लोगों दीवानगी इस कदर थी कि शुक्रवार शाम मेला शुरू होने से एक घंटे पहले ही लोग अलग-अलग स्टॉल पर पहुंच गए और आम व उत्पादों की खरीदी शुरू कर दी। हालत यह थी कि रात आठ बजे तक मल्लिका, लंगड़ा, केसर, जंबो केसर गुजरात, चौरा, आम्रपाली, दशहरी जैसी किस्मों की स्टॉल के सारे आम खत्म हो गए। बांसवाड़ा में खासतौर पर बनाए जाने वाले आमपाक के प्रति भी लोगों की दिवानगी नजर आई।

जम्मू-कश्मीर भाजपा नेताओं को संभावित खतरों के बारे में मिली खुफिया जानकारी

जम्मू, 8 जून (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर पुलिस को खुफिया जानकारी मिली है, जिसमें भाजपा अध्यक्ष रवींद्र रैना सहित कुछ भाजपा नेताओं को संभावित खतरा के बारे में बताया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस महानिरीक्षक (जम्मू क्षेत्र) एम के सिन्हा ने कहा कि उन्हें सुरक्षा संबंधी जानकारी मिली है और वे इस पर गौर कर रहे हैं। जम्मू, कठुआ, सांबा, पुंछ और राजौरी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) और रेंज अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई और एहतियात बरतने के लिए सुरक्षा अलर्ट भेजा गया है।

आरएसएस के प्रचारक रह चुके रैना को पिछले साल ही भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। रैना को पहले से ही राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे खतरों के बारे में जानते हैं लेकिन उन्होंने कहा कि इस तरह की चेतावनी अक्सर आती रहती है। खुफिया जानकारी का सत्यापन अन्य संबंधित सुरक्षा एजंसियों द्वारा किया जा रहा है।

अलग-अलग स्थानों में बिजली गिरने से तीन की मौत

कोरबा, 8 जून (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है। कोरबा जिले के पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिले में अलग-अलग स्थानों में बिजली गिरने से एक किशोर समेत तीन लोगों की मृत्यु हो गई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि करतला थाना क्षेत्र के अंतर्गत धौराभाठा गांव के निवासी रामप्रसाद राठिया किसी कार्यवश गांव से बाहर गया था। जब वह शाम में मोटर साइकिल से गांव वापस लौट रहा था तो अचानक बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए राठिया पेड़ के नीचे खड़ा हो गया था। इस बीच आकाशीय बिजली गिरी और वह बुरी तरह से झुलस गया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि बारिश से बचने के लिए ही उरगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवरमाल गांव का 17 वर्षीय विकास कुमार भी गांव के करीब पेड़ के नीचे खड़ा हो गया था। बिजली की चपेट में आने से उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई। अन्य घटना में मुख्यालय के करीब रामपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत पोड़ीबहार मोहल्ले में देव प्रसाद घर के बाहर खड़ा था। इस दौरान बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने सभी घटनाओं में मामला दर्ज कर लिया है।

कार्यालयः रिकवरी अधिकारी-I, ऋण वसूली अधिकरण-II, दिल्ली
4था तल, जीवनतारा भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

बिक्री उद्घोषणा सूचना

आर.सी. नं. 303/2014 **धनलक्ष्मी बैंक बनाम मै. अलख एक्स्पोर्ट्स** तिथिः 15.5.2019

बैंक तथा वित्तीय संस्थानों के बकाए ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 52 (2) के अंतर्गत बिक्री उद्घोषणा

सीडी#1. मै. अलख एक्स्पोर्ट्स द्वारा उसके प्रॉप. श्री जयप्रकाश तिवारी, 489/13ए, तुगलकाबाद एक्स्टें. नई दिल्ली-110019, साथ हीः प्लॉट नं. 599, हरकेश नगर, तिलपत ग्राम, तहसील एवं जिला फरीदाबाद, साथ हीः 83/5ए, मीठापुर एक्स्टें., शिवपुरी बदरपुर, नई दिल्ली-110044, साथ हीः 18/6, डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, फरीदाबाद, हरियाणा-121003
सीडी#2. श्री जय प्रकाश तिवारी, पुत्र श्री परमहंस तिवारी, 83/5ए, मीठापुर एक्स्टें., शिवपुरी बदरपुर, नई दिल्ली-110044
सीडी#3. श्री मुद्रिका तिवारी, पुत्र स्व. श्री रामजी तिवारी, 83/5ए, मीठापुर एक्स्टें., शिवपुरी बदरपुर, नई दिल्ली-110044
सीडी#4. श्री परमहंस तिवारी, पुत्र स्व. श्री रामजी तिवारी, 83/5ए, मीठापुर एक्स्टें., शिवपुरी बदरपुर, नई दिल्ली-110044
सीडी#5. श्री उदय नारायण तिवारी, पुत्र श्री परमहंस तिवारी, 83/5ए, मीठापुर एक्स्टें., शिवपुरी बदरपुर, नई दिल्ली-110044
सीडी#6. श्री ज्ञान प्रकाश तिवारी, पुत्र श्री परमहंस तिवारी, 83/5ए, मीठापुर एक्स्टें., शिवपुरी बदरपुर, नई दिल्ली-110044

1. जैसा कि, सीडी'ज, 1 से 6 तक से संयुक्त एवं/ अथवा पृथक रूप से रु. 93,000/- की लागत के साथ 28.10.2011 से 20.75% प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज के साथ रु. 89,53,783/- की राशि की वसूली के लिये पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण-।। द्वारा वसूली प्रमाण पत्र सं. 303/ 2014 (ओ.ए.नं. 316/2011) में तिथि 21.08.2014 तैयार की गई है।
2. तथा जैसा कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रमाण पत्र की संतुष्टि के लिए नीचे तालिका में वर्णित संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।
3. एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में 12.7.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 12.00 बजे अप. के बीच (यदि जरूरी हो, 12.00 बजे अप. के बाद) 5 मिनट के स्वतः विस्तार उपबंध के साथ) ई-नीलामी द्वारा उक्त संपत्ति की बिक्री की जाएगी तथा यह बोली ''ऑन-लाइन इलेक्ट्रोनिक बोली'' के माध्यम से वेबसाईट https://drt.auctiontiger.net पर होगी।
4. यह बिक्री नीचे तालिका में नामित उपरोक्त सीडी'ज की संपत्ति की होगी तथा उक्त संपत्ति से जुड़ी देयताएं एवं दावे, जो अब तक सुनिश्चित हैं, वे प्रत्येक लॉट के समक्ष अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।
5. संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट लॉट में बिक्री पर रखा जाएगा। यदि वसूल की जाने वाली राशि संपत्ति के भाग की बिक्री से पूरी हो जाती है तो शेष के मामले में तुरंत बिक्री रोक दी जाएगी। यदि बिक्री संचालक अधिकारी के पास अनुसूची में वर्णित बकाए, ब्याज लागत (बिक्री लागत सहित) जमा कर दी जाती है अथवा उक्त प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी के पास जमा कर दिए होने का उनकी संतुष्टि के लिए प्रमाण जमा कर दिया जाता है तो किसी भी लॉट की नीलामी से पूर्व बिक्री तत्काल रोक दी जाएगी।
6. ऐसे किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति बिक्री के सिलसिले में कोई कर्त्तव्य निर्वहन का दायित्व हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, वे बेची जा रही संपत्ति को अर्जित करने के लिए बोली लगाने या कोई हित अर्जित करने के लिए प्रयास करने में अक्षम होंगे।
7. यह बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा आगे की निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी।

7.1 संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत की गई है, लेकिन, इस उद्घोषणा में किसी गलती, त्रुटि अथवा खामी के लिए अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे।
7.2 आरक्षित मूल्य जिसके नीचे संपत्ति की बिक्री नहीं की जाएगी रु. 82,66,000/- (रुपये बयासी लाख छियासठ हजार मात्र) तथा धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी) रु. 8,26,000/- (रुपये आठ लाख छब्बीस हजार मात्र) है।
7.3 जो इच्छुक बोलीदाता अधिकतम 10.07.2019 के 5 बजे अप. तक रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के कार्यालय में पैन कार्ड, पहचान के प्रमाण, आवास के प्रमाण सहित दस्तावेजों के साथ आरक्षित मूल्य से ऊपर अपना प्रस्ताव जमा करते हैं वे ई-नीलामी में भाग लेने के योग्य होंगे जो 12.7.2019 को 11 बजे पूर्वा. से 12 बजे दोपहर के बीच आयोजित की जाएगी। यदि बोली अंतिम 5 मिनट में रखी जाती है तो अंतिम समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
7.4 बोलीदाता रु. 50000/- (रुपए पचास हजार मात्र) के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं।
7.5 असफल बोलीदाता ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया के तत्काल बाद रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली सीएच अर्थात धनलक्ष्मी बैंक से प्रत्यक्ष रूप से अपना ईएमडी प्राप्त कर सकते हैं।
7.6 सफल/ उच्चतम बोलीदाता को ई-नीलामी की समाप्ति के उपरांत धरोहर राशि (ईएमडी) समायोजित करने के बाद 24 घटे के भीतर रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली खाता ''आर.सी. नं. 303/2014'' के पक्ष में 25% का डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर तैयार करना होगा तथा उसे इस तरह से भेजना होगा ताकि वह नीलामी की समाप्ति के 3 दिनों के भीतर रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के कार्यालय में पहुंच जाएं अन्यथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी।
7.7 सफल/उच्चतम बोलीदाता को संपत्ति की नीलामी की तिथि से 15वें दिन, उस दिन को छोड़कर अथवा यदि 15वाँ दिन रविवार या अवकाश होता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस को रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली के समक्ष रजिस्ट्रार डीआरटी- II, दिल्ली के पक्ष में देय रु. 1000/- तक 2% तथा 1000 से अधिक की सकल राशि पर 1% की दर से पाउन्डेज शुल्क के साथ रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-II, दिल्ली खाता ''आर.सी. नं. 303/2014'' के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर द्वारा शेष 75% बिक्री राशि का भुगतान करना होगा (डाक द्वारा शेष 75% राशि के भुगतान की स्थिति में वह उक्त रूप से रिकवरी अधिकारी के पास पहुंच जाना चाहिए।
7.8 निर्धारित अवधि में भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी। बिक्री के खर्चे के डेफ्रे करने के बाद अधोहस्ताक्षरी यदि उपयुक्त समझते हैं तो जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी तथा चूक करने वाले क्रेता को उस राशि अथवा जिसके लिए बाद में उसकी बिक्री की जाएगी, के प्रति दावे करने के सभी अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा।

8. संपत्ति की बिक्री **''जैसा है जहां है आधार'' ''तथा जो भी वहां है आधार''** पर की जाएगी।
9. अधोहस्ताक्षरी को किसी या सभी बोली को स्वीकार करने अथवा अनुपयुक्त पाते हैं तो अस्वीकार करने अथवा बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी को स्थगित करने का अधिकार प्राप्त है।

सम्पत्ति की अनुसूची

सं.	बिक्री की जाने वाली सम्पत्ति का विवरण	संपत्ति या उसके किसी भाग पर गणना की गई राजस्व	ऐसा किसी अधिभारों का विवरण जो संपत्ति पर देय है	दावे, यदि कोई हो, जिसे संपत्ति पर रखा गया हो तथा उस प्रकृति एवं मूल्य के अन्य कोई ज्ञात विवरण
1.	मौआ तिलपत, तहसील एवं जिला फरीदाबाद में स्थित कुल एरिया 31 कनाल्स 3 मरला की सम्पत्ति माप 906 वर्ग याईस, कुल भूमि माप 1512 वर्ग याईस में से जो खसरा नं. 17, खतोनी नं. 247, मुस्ततिल नं. 41, किल्ला नं. 17/2, 23/2, 24, मुस्ततिल नं. 64, किल्ला नं. 2/1, 3/1, 4/1 में शामिल है।	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं	ज्ञात नहीं

मेरे हाथ से तथा मुहर लगाकर 14.5.2019 को दी गई।

(शिव कुमार) रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-III, दिल्ली

कार्यालयः रिकवरी अधिकारी
ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली
4था तल, जीवनतारा भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आर.सी.नं. 30/2016 **बिक्री उद्घोषणा**

बैंक ऑफ महाराष्ट्र बनाम मै. मैग्नम इन्टेरिअर्स प्रा. लि.

बैंक तथा वित्तीय संस्थानों के बकाए ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम, 38, 52 (2) के अंतर्गत बिक्री उद्घोषणा

1. मै मैग्नम इन्टेरियर्स प्रा. लि. 115, एडचिनी, श्री ऑरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली-110017
2. श्री राहुल कल्हन, 40-118, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019
3. श्री सुदर्शन शर्मा, 40-118, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019
4. सुश्री निधि कल्हन, 40-118, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019
5. सुश्री नीलाक्षी कल्हन, 40-118, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110019

जैसा कि रिकवरी प्रमाण पत्र के अनुसार लागतों तथा चार्जेज के साथ सर्टिफिकेट डेब्टर्स से 5.6.2015 से 13.5% प्रति वर्ष की दर से विलम्बित तथा आगे के ब्याज के साथ रु. 4,38,50,221.00 की राशि की वसूली के लिए पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण-I द्वारा ओए नं. 190/2015 तिथि 13.1.2016 में रिकवरी प्रमाण पत्र सं. 30/2016 तैयार किया गया है।

2. तथा जैसा कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रमाणपत्र की संतुष्टि के लिए नीचे तालिका में वर्णित संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।
3. तथा जैसा कि 5.6.2015 से 13.5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के साथ रु. 4,38,50,221.00 की राशि उसके अंतर्गत बकाया है।
4. एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में 10.7.2019 को 3.00 बजे अप. से 4.00 अप. बजे के बीच, यदि जरूरी हुआ तो 4.00 अप. के बाद 5 मिनट के विस्तार के साथ में ई-नीलामी द्वारा उक्त संपत्ति की बिक्री की जाएगी तथा यह बोली ''ऑन लाइन इलेक्ट्रोनिक बोली'' के माध्यम से वेबसाईट https://drt.auctiontiger.net पर होगी।
5. यह बिक्री नीचे तालिका में नामित उपरोक्त सीडी'ज की संपत्ति की होगी तथा उक्त संपत्ति से जुड़ी देयताएं एवं दावे, जो अब तक सुनिश्चित हैं, वे प्रत्येक लॉट के समक्ष अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।
6. संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट लॉट में बिक्री पर रखा जाएगा। यदि वसूल की जाने वाली राशि संपत्ति के भाग की बिक्री से पूरी हो जाती है तो शेष के मामले में तुरंत बिक्री रोक दी जाएगी। यदि बिक्री संचालक अधिकारी के पास अनुसूची में वर्णित बकाए, ब्याज लागत (बिक्री लागत सहित) जमा कर दी जाती है अथवा उक्त प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी के पास जमा कर दिए होने का उनकी संतुष्टि के लिए प्रमाण जमा कर दिया जाता है तो किसी भी लॉट की नीलामी से पूर्व बिक्री तत्काल रोक दी जाएगी।
7. ऐसे किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति बिक्री के सिलसिले में कोई कर्त्तव्य निर्वहन का दायित्व हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, वे बेची जा रही संपत्ति को अर्जित करने के लिए बोली लगाने या कोई हित अर्जित करने के लिए प्रयास करने में अक्षम होंगे।
8. यह बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा आगे की निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी।

8.1 संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत की गई है, लेकिन, इस उद्घोषणा में किसी गलती, त्रुटि अथवा खामी के लिए अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे।
8.2 आरक्षित मूल्य जिससे कम में सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जाएगी लॉट नं. 1 की सम्पत्ति के लिए रु. 25.51 लाख, लॉट नं. 2 की सम्पत्ति के लिए रु. 47.70 लाख, लॉट नं. 3 की सम्पत्ति के लिए रु. 56.00 लाख तथा धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी) लॉट नं. 1 की सम्पत्ति के लिए रु. 2.55 लाख, लॉट नं. 2 की सम्पत्ति के लिए रु. 4.77 लाख तथा लॉट नं. 3 की सम्पत्ति के लिए रु. 5.60 लाख होगी।
8.3 इच्छुक बोलीदाता को अधिकतम् 8.7.2019 के 5.00 बजे अप. तक ''रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-I, दिल्ली खाता आरसी नं. 30/2016'' के पक्ष में देय पे आर्डर/डिमांड ड्राफ्ट द्वारा लॉट नं. 1 के लिए रु. 2.55 लाख, लॉट नं. 2 के लिए रु. 4.77 लाख तथा लॉट नं. 3 के लिए रु. 5.60 लाख की धरोहर राशि का भुगतान करना होगा तथा उसके बाद प्राप्त ईएमडी पर विचार नहीं की जाएगी। सफल बोलीदाता के मामले में उक्त जमा समायोजित की जाएगी तथा असफल बोलीदाता ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया की समाप्ति के तत्काल बाद कार्यालय रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-I, दिल्ली से प्रत्यक्ष रूप से अपनी ईएमडी प्राप्त कर सकते हैं।
8.4 जिन इच्छुक बोलीदाताओं ने पैन कार्ड, पहचान के प्रमाण, आवास के प्रमाण सहित दस्तावेजों के साथ रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-I, दिल्ली के कार्यालय में अधिकतम् 8.7.2019 के 5 बजे अप. तक आरक्षित मूल्य से ऊपर अपनी बोली जमा किए हों वे ई-नीलामी में भाग लेने के लिए योग्य होंगे जो 10.7.2019 को 3 बजे अप. से 4.00 बजे अप. के बीच आयोजित की जाएगी। यदि बोली अंतिम 5 मिनट में रखी जाती है तो नीलामी का समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
8.5 वह राशि जिसके द्वारा बोली बढ़ाई जाएगी लॉट नं. 1 के लिए रु. 25,000 (रुपए पच्चीस हजार मात्र) तथा लॉट नं. 2 एवं 3 के लिए रु. 50,000/- (रुपए पचास हजार मात्र) है। यदि बोली राशि अथवा बोलीदाता से संबंधित कोई विवाद उत्पन्न होता है तो लॉट को फिर से बिक्री पर लगाया जाएगा।
8.6 सफल/उच्चतम बोलीदाता को किसी भी लॉट का क्रेता घोषित किया जाएगा बशर्ते उनकी बोली राशि आरक्षित मूल्य से कम नहीं हो। यदि प्रस्तावित मूल्य स्पष्ट रूप से अपर्याप्त होता है तथा ऐसा करना व्यवहारिक नहीं होता है तो अधोहस्ताक्षरी स्वेच्छा से उच्चतम बोली को स्वीकार/अस्वीकार कर सकते हैं।
8.7 सफल बोलीदाता को ई-नीलामी की समाप्ति के 24 घंटे के भीतर धरोहर राशि (ईएमडी) समायोजित करने के बाद रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-I, दिल्ली खाता ''आरसी नं. 30/2016'' के पक्ष में 25% बिक्री राशि का डीडी/ पे आर्डर तैयार करना होगा तथा उसे रिकवरी अधिकारी के कार्यालय में इस तरह से भेजना होगा ताकि वह ई-नीलामी की समाप्ति के 3 दिनों के भीतर उनके पास पहुंच जाए अन्यथा धरोहर राशि (ईएमडी) जब्त कर ली जाएगी।
8.8 सफल/उच्चतम बोलीदाता को संपत्ति की नीलामी की तिथि से 15वें दिन, उस दिन को छोड़कर अथवा यदि 15वां दिन रविवार या अवकाश होता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम कार्यालय दिवस को रजिस्ट्रार, डीआरटी-1, दिल्ली के पक्ष में देय रु. 1000/- तक 2% तथा रु. 1000 से अधिक की सकल राशि पर 1% की दर से पाउंडेज शुल्क के साथ रिकवरी अधिकारी- I, डीआरटी-I, दिल्ली खाता आर.सी. नं. 30/2016'' के पक्ष में देय डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर द्वारा रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-I के पास शेष 75% बिक्री राशि का भुगतान करना होगा। (डाक द्वारा शेष 75% राशि के भुगतान की स्थिति में वह उक्त रूप से रिकवरी अधिकारी के पास पहुंच जाना चाहिए।
8.9 निर्धारित अवधि में भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी। बिक्री के खर्चे को डेफ्रे करने के बाद अधोहस्ताक्षरी यदि उपयुक्त समझते हैं तो जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी तथा चूक करने वाले क्रेता उस राशि अथवा जिसके बाद उसकी बिक्री की जाएगी के प्रति दावे करने से सभी अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा।

9. संपत्ति की बिक्री '**जैसा है जहां है आधार**' पर की जाएगी।
10. अधोहस्ताक्षरी को उसका कोई भी कारण बताए बिना यदि अस्वीकार्य होता है तो किसी या सभी बोलियों को स्वीकार अथवा निरस्त करने तथा किसी भी समय नीलामी को स्थगित करने का अधिकार है।

संपत्ति की अनुसूची

लाट नं.	सह. स्वामियों जहां जहां संपत्ति डिफॉल्टर तथा सह-स्वामी के रूप में किसी अन्य व्यक्ति का है के नाम के साथ बिक्री की जाने वाली संपत्ति का विवरण	संपत्ति या उसके किसी भाग पर गणना की गई राजस्व	ऐसा किसी अधिभारों का विवरण जो संपत्ति पर देय है	दावे, यदि कोई हो, जिसे संपत्ति पर रखा गया हो तथा उस प्रकृति एवं मूल्य के अन्य कोई ज्ञात विवरण
1	सम्पत्ति सं. 115, एडचिनी, श्री ऑरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली का बेसमेन्ट।	उनके पत्र तिथि 31.8.2016 के अनुसार बीएसईएस ने रु. 21,414.80 के बिल्स के बकाए होने की सूचना दी है।		
2	सम्पत्ति सं. 115, एडचिनी, श्री ऑरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली का भूतल।	कोई सूचना प्राप्त नहीं		
3	सम्पत्ति सं. 115, एडचिनी, श्री ऑरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली का दूसरा तल।	उनके पत्र तिथि 31.8.2016 के अनुसार बीएसईएस ने रु. 3,590 के बिल्स के बकाए होने की सूचना दी है।		

मेरे हाथ से तथा मुहर लगाकर 22 **मई**, 2019 को दी गई।

(संजू स्नेही)
रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-I, दिल्ली

विश्व कप -2019

जनसत्ता
महासमर

9 जून, 2019 12

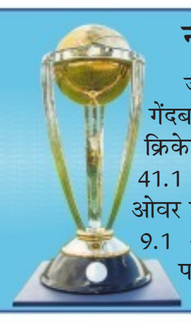

न्यूजीलैंड को मिला 173 रन का लक्ष्य

जेम्स नीशाम और लॉकी फर्ग्यूसन की धारदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां आइसीसी क्रिकेट विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान की पारी को 41.1 ओवर में 172 रन पर समेट दिया। नीशाम ने 10 ओवर में 31 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि फर्ग्यूसन ने 9.1 ओवर में 37 रन खर्च कर चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

कंगारुओं की चुनौती के लिए भारत तैयार

आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में होगी कोहली की रणनीतिक परीक्षा

लंदन, 8 जून (भाषा)।

तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने की राह में भारतीय टीम को रविवार को पहली बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। आस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मुकाबले में कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री की रणनीतियों की भी परीक्षा होगी। भारत ने अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका पर छह विकेट से आसान जीत दर्ज की। वहीं आस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान और वेस्ट इंडीज के खिलाफ पेशेवर रवैया दिखाया। कैरेबियाई टीम के खिलाफ उसने खराब स्थिति से उबरकर जीत दर्ज की।

स्टीवन स्मिथ और डेविड वार्नर के निलंबन के कारण एक साल तक जूझने के बाद आस्ट्रेलियाई टीम ने सही समय पर अपनी कमियों को दूर किया है। यह निश्चित तौर पर भारत के लिए चिंता का विषय होगा। उसे इन दोनों टीमों के बीच पिछली द्विपक्षीय श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा था। भारत अब भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उचित संयोजन की तलाश में है।

भारतीय टीम संयोजन पर पोटिंग की निगाहें : आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी कोच रिकी पोंटिंग का ध्यान भारतीय टीम के संयोजन पर है। उन्होंने क्रिकेट-कॉम.एयू से कहा कि वे एक स्पिनर के साथ उतर सकते हैं। केदार जाधव का उपयोग दूसरे ऑलराउंडर के रूप में कर सकते हैं। एक अन्य तेज गेंदबाज को भी टीम में रख सकते हैं। हम इस पर ध्यान रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी खिलाड़ी अच्छी तरह से तैयार रहें।

युजवेंद्र और कुलदीप को रहना होगा सतर्क : पिछली श्रृंखला में भारत की सपाट पिचों पर आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने स्मिथ और वार्नर की गैरमौजूदगी में भी भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल का अच्छी तरह से सामना किया था। कप्तान आरोन फिंच और उस्मान ख्वाजा ने जाधव की ऑफ स्पिन को भी अच्छी तरह से खेला और ऐसी स्थिति भारतीय कोच और कप्तान को विकल्प तलाशने के लिए मजबूर करेगी।

विरोधी खेमे में दो करिश्माई बल्लेबाजों स्मिथ और वार्नर की मौजूदगी को देखते हुए भारत ओवल की पिच और मौसम को देखकर अपनी अंतिम एकादश में बदलाव कर सकता है। इन दोनों ने पहले दो मैचों में एक-एक अर्धशतक जमाकर विरोधी गेंदबाजों को आगाह भी कर दिया है।

शमी की हो सकती है वापसी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम एकादश से बाहर रहे मोहम्मद शमी को टीम में लिया जा सकता है। शमी को रणनीति के तहत बाहर किया गया था क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी कलाईयों के स्पिनरों को अच्छी तरह से नहीं खेल पाते हैं। लेकिन आस्ट्रेलिया की वर्तमान टीम जसप्रीत बुमराह और शमी की तेज गेंदबाजी से अधिक परेशान हो सकती है। भुवनेश्वर कुमार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे स्पैल में प्रभावशाली दिखे और उन्होंने तब दो विकेट लिए थे।

अगर भारत कलाईयों के दोनों स्पिनरों को रखने का फैसला करता है और शमी को टीम में लाता है तो फिर भुवनेश्वर को बाहर बैठना होगा। यदि दो में से किसी एक स्पिनर को बाहर किया जाता है तो फिर चहल को चार विकेट लेने के बावजूद बाहर होना पड़ सकता है क्योंकि कुलदीप आस्ट्रेलिया के खिलाफ अधिक सफल रहे हैं।

शिखर की खराब फॉर्म चिंता का विषय : शिखर धवन की खराब फॉर्म भी भारत के लिए चिंता का विषय है। आइसीसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले धवन इंग्लैंड आने के बाद से अब तक रन बनाने में नाकाम रहे हैं। वह दोनों अभ्यास मैच और पहले मैच में नहीं चल पाए थे। पिच से मिलने वाला मूवमेंट बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। अगर वे अगले दो मैचों में भी नाकाम रहते हैं तो फिर केएल राहुल को शीर्ष क्रम में लाकर शंकर को चौथे नंबर पर उतारा जा सकता है।

खराब दौर से गुजरा आस्ट्रेलिया

आस्ट्रेलियाई टीम के लिए साल 2018 किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। इस साल उसने 13 एक दिवसीय मैच खेले जिसमें से 11 मैच गंवा दिए। इनमें से सात मैच तो कंगारू टीम लगातार हार गई। इसके बाद 2019 में उन्होंने फिर से अपनी खोई लय हासिल करने में सफलता पाई। नए साल में अब तक कंगारू टीम 15 वनडे मैच खेल चुकी है और उसने 11 में जीत दर्ज की है। इस बीच उसकी टीम में स्टीवन स्मिथ और डेविड वॉर्नर की वापसी भी हो गई है। इससे उसकी ताकत काफी बढ़ गई है।

136 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं इन दोनों के बीच

77 मैच जीतकर आस्ट्रेलिया भारत से आगे है

49 मैचों में ही भारतीय टीम को मिली है जीत

मैच का समय

दोपहर तीन बजे से

भारतीय टीम के सामने भी कई तरह की समस्याएं हैं। उसके लिए सही संयोजन तैयार करना अभी भी चुनौती है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम भी स्टीवन स्मिथ और वार्नर की वापसी से काफी मजबूत हो गई है। इस मुकाबले में दो खिताबी दावेदारों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

वार्नर के शॉट पर गेंदबाज के सिर में लगी चोट

लंदन, 8 जून (भाषा)।

भारत के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले आस्ट्रेलियाई टीम के अभ्यास सत्र को उस समय रोकना पड़ा जब डेविड वार्नर के शॉट पर भारतीय मूल के नेट गेंदबाज के सिर में चोट लग गई। आस्ट्रेलियाई टीम के अभ्यास सत्र के दूसरे घंटे में वार्नर के शॉट को रोकने की कोशिश में गेंद भारतीय मूल के ब्रिटिश तेज गेंदबाज जय किशन के सिर पर लग गई।

जय किशन इसके बाद दर्द से कराहने लगे और मैदान पर गिर गए। टीम के सहयोगी स्टाफ स्थानीय स्टाफ के साथ मिलकर उन्हें अस्पताल ले गए। एंबुलेंस से अस्पताल जाते समय उन्होंने कहा कि मुझे सिर में चोट लगी है। अब मैं ठीक हूं। मेरा नाम जय किशन है और मैं तेज गेंदबाज हूं। आइसीसी के स्थल प्रबंधक माइकल गिब्सन ने बताया कि उन्हें 24 घंटे तक चिकित्सकों की देखरेख में रखा जाएगा।

धोनी के 'बलिदान चिह्न' से सेना का कोई लेना देना नहीं : ले. जनरल मैथसन

देहरादून, 8 जून (भाषा)।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान महेंद्र सिंह धोनी के दस्तानों पर 'बलिदान चिन्ह' को लेकर उठे विवाद से भारतीय सेना ने खुद को अलग कर लिया है। उसके एक अधिकारी ने कहा कि यह इस विकेटकीपर बल्लेबाज का 'निजी निर्णय' है। जीओसी इन सी साउथ वेस्टर्न कमान लेफ्टिनेंट जनरल चेरिश मैथसन ने कहा कि अपने दस्तानों पर बलिदान चिन्ह का उपयोग करना धोनी का निजी निर्णय है। इससे सेना का कोई लेना देना नहीं है।

रॉय-बटलर की तूफानी पारी

इंग्लैंड 106 रन से जीता मैच

कार्डिफ, 8 जून (भाषा)।

सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय की 153 रन की आकर्षक पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने शनिवार को आइसीसी क्रिकेट विश्व कप मैच में बांग्लादेश को 106 रन से हराकर अपनी दूसरी जीत हासिल की।

रॉय ने 121 गेंद की पारी के दौरान पांच छक्के जड़े और 14 चौके लगाए। उनकी और बाद में जोस बटलर की शानदार स्ट्रोक से भरी 64 रन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड ने छह विकेट पर 386 रन बनाए।

बांग्लादेश की टीम शाकिबुल हसन की 121 रन की पारी के बावजूद इस लक्ष्य का पीछा करते हुए 48.5 ओवर में 280 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के गेंदबाज बेन स्टोक्स ने छह ओवर में 23 रन देकर और जोफ्रा आर्चर ने 8.5 ओवर में 29 रन देकर तीन-तीन विकेट हासिल किए जबकि मार्क वुड को दो विकेट मिले। रॉय ने दो महत्त्वपूर्ण भागीदारियां बनाकर इंग्लैंड के इस बड़े स्कोर की नींव रखी। पहले विकेट के लिए उन्होंने सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो (51 रन) के साथ 128 रन और फिर दूसरे विकेट के लिए जो रूट (21) के साथ 77 रन की साझेदारी की। बटलर ने इसके बाद 44 गेंद में चार छक्के और दो चौके से 64 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, उन्होंने कप्तान इयोन मोर्गन (35 रन) के साथ मिलकर 95 रन की भागीदारी निभाई जिससे इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट में पहला 350 रन से ज्यादा का स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही, उसने आठ रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार (02) का विकेट गंवा दिया जो जोफ्रा आर्चर की खूबसूरत गेंद पर बोल्ड हो गए। दूसरे सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल भी ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और आक्रामक होने की कोशिश में मार्क वुड के पहले ओवर में आउट हो गए। बांग्लादेश ने इस तरह 12वें ओवर में 63 रन पर दूसरा विकेट खो दिया। टीम को तीसरा झटका 29वें ओवर में लियाम प्लंकेट ने दिया जिनकी गेंद पर मुश्फिकर की 44 रन की पारी और तीसरे विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी का अंत किया। पर दूसरे स्थान पर उतरे शाकिबुल एक छोर पर डटे रहे। अगले ही ओवर में टीम ने मोहम्मद मिथुन का विकेट खो दिया जो खाता भी नहीं खोल सके और आदिल राशिद की गेंद को नहीं समझ सके। दो ओवर बाद ही शाकिबुल ने 95 गेंद में नौ चौके और एक छक्के से 100 रन पूरे किए।

बांग्लादेश के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटते जोस बटलर।

थाईलैंड को हराकर किंग्स कप में तीसरे स्थान पर रहा भारत

बुरीराम (थाईलैंड), 8 जून (भाषा)।

कोच इगोर स्टिमक के मार्गदर्शन में पहला टूर्नामेंट खेल रही भारतीय फुटबॉल टीम शनिवार को यहां किंग्स कप टूर्नामेंट में मेजबान थाईलैंड को 1-0 से हराकर तीसरे स्थान पर रही।

थंडर कासल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले का एकमात्र गोल मिडफील्डर अनिरूद्ध थापा ने 17वें मिनट में किया। स्टिमक ने कुराकाओ के खिलाफ बुधवार को अपने पहले मुकाबले में 1-3 से हार का सामना करने वाली भारतीय टीम में इस मुकाबले के लिए आठ बदलाव किए जिसमें सुनील छेत्री, उदांता सिंह और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू जैसे मुख्य खिलाड़ियों को भी बेंच पर बैठना पड़ा। पिछला मैच खेलने वाले केवल तीन खिलाड़ी संदेश झिंगन, राहुल भेके और सुभाशीष बोस मैदान पर उतरने वाली टीम में जगह बना सके। इस मुकाबले में झिंगन ने कप्तानी की। इस साल भारत की थाईलैंड पर यह दूसरी जीत है। भारत ने जनवरी में यूएई में एएफसी एशियाई कप में भी थाईलैंड को हराया था। एशियाई कप के उस मैच को खेलने वाले दोनों टीमों के सिर्फ आठ खिलाड़ी ही शनिवार को हुए मैच का हिस्सा रहे। खास बात यह है कि थापा ने एशियाई कप के मैच में भी गोल किया था। गुरप्रीत की जगह गोलकीपर अमरिंदर सिंह के अलावा आदिल खान, थापा, विनीत राय, फारुख चौधरी, बलवंत सिंह शुरुआती एकादश में शामिल थे।

डिविलियर्स के संन्यास से वापसी की खबरों पर अख्तर ने कहा

अपने फैसले पर मर्द की तरह डटे रहिए

लंदन, 8 जून (भाषा)।

विश्व कप में खेलने के लिए एबी डिविलियर्स के संन्यास से वापसी की खबर पर पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर से कहा कि उन्हें 'मर्द बनना चाहिए' और ऐसी चालबाजियों से बचना चाहिए। अख्तर ने आरोप लगया कि डिविलियर्स ने देश की जगह पैसे को चुना जिसे कही से सही नहीं ठहराया जा सकता।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने इससे पहले डिविलियर्स के वापसी के प्रस्ताव को यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि विश्व कप के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन हुआ है वे ही देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उसने कहा कि जब बोर्ड ने संन्यास नहीं लेकर खेलना जारी रखने का सुझाव दिया था तो डिविलियर्स ने उसे अनसुना कर दिया था। पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि डिविलियर्स ने आइपीएल और पीएसएल जैसे लीग टूर्नामेंटों को तवज्जों देकर देश से ज्यादा पैसे को महत्व दिया।

मध्य क्रम को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी : करुणारत्ने

ब्रिस्टल, 8 जून (भाषा)।

श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने का मानना है कि विश्व कप के पहले दो मैचों में बल्लेबाजी पतन को देखते हुए टीम के बाकी बचे मैचों में मध्यक्रम को अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। श्रीलंका को विश्व कप के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से दस विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। इसके बाद उसने दूसरे मैच में अफगानिस्तान को 34 रन से हराया था। इन दोनों मैचों में श्रीलंका का मध्यक्रम नहीं चल पाया था।

करुणारत्ने ने कहा कि अगर हम पारी की अच्छी शुरुआत करते हैं तो हम उस लय को आगे बरकरार रख सकते हैं। पिछले दो मैचों पर गौर करने से पता चलता है कि हम अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ करुणारत्ने के नाबाद 52 रन के बावजूद श्रीलंका 136 रन पर आउट हो गया था। अफगानिस्तान के खिलाफ भी एक समय टीम का स्कोर एक विकेट पर 144 रन पर था लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ाने से टीम 201 रन पर आउट हो गई थी।

करुणारत्ने ने आइसीसी मीडिया से कहा कि हमें मध्यक्रम से योगदान की जरूरत है और मेरा मानना है कि बल्लेबाजी लाइनअप के हिसाब से यह हमारे लिए बेहद महत्त्वपूर्ण है।

मेस्सी के गोल से अर्जेंटीना विजयी

लॉस एंजिल्स, 8 जून (एएफपी)।

लियोनल मेस्सी के पहले हाफ में किए गए दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने शुक्रवार को सान जुआन में निकारागुआ पर 5-1 से आसान जीत दर्ज करके कोपा अमेरिका की अपनी तैयारियों का पुख्ता सबूत पेश किया। अर्जेंटीना शुरू में दबादबा नहीं बना पाया लेकिन मेस्सी ने 37वें मिनट में पहला गोल दागा और इसके 96 सेकंड के बाद वह दूसरा गोल करने में सफल रहे। इंटर मिलान की तरफ से खेलने वाले फॉरवर्ड लॉटारो मार्टिनेज ने भी दो गोल किए। वह मध्यांतर के बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे थे। उन्होंने 63 और 73वें मिनट में गोल दागे। राबर्टो पेरेयरा ने 81वें मिनट में पांचवां गोल किया। कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना अपना पहला मैच 16 जून को कोलंबिया से खेलेगा।

फ्रांस की महिला विश्व कप में जीत से आगाज

पेरिस, 8 जून (एएफपी)।

मेजबान फ्रांस ने महिला विश्व कप फुटबॉल के पहले मैच में शुक्रवार को यहां वेंडी रेनार्ड के दो गोल की मदद से दक्षिण कोरिया को 4-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

इस मैच को देखने के लिए 45,261 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे लेकिन इसका फ्रांसीसी टीम पर किसी तरह का दबाव नहीं दिखा। खिताब के प्रबल दावेदारों में शामिल फ्रांस ने कोरियाई टीम पर किसी तरह का रहम नहीं दिखाया। इयुगेनी लि सोमेर ने उसे नौवें मिनट में ही बढ़त दिलाई तथा टूर्नामेंट में सबसे ऊंचे कद की खिलाड़ी रेनार्ड (35वें और पहले हाफ के इंजुरी टाइम) ने इसके बाद मध्यांतर से पहले दो गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। कप्तान एमेनडाइन हेनरी (85वें मिनट) ने ग्रुप ए के इस पूरे मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन किया तथा टीम की तरफ से आखिरी गोल दागा।

थिएम ने जोकोविच का सपना तोड़ा, फाइनल में नडाल से भिड़ेंगे

पेरिस, 8 जून (एएफपी)।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज नोवाक जोकोविच का दूसरी बार सभी ग्रैंडस्लैम खिताब हासिल करने वाला दूसरा खिलाड़ी बनने का सपना यहां शनिवार को वर्षा बाधित फ्रेंच ओपन सेमी फाइनल में डोमिनिक थिएम ने चकनाचूर कर दिया।

दो दिन और चार घंटे से ज्यादा देर तक चले इस सेमी फाइनल में थिएम ने जोकोविच की ग्रैंडस्लैम में 26 मैच में लगातार जीत हासिल करने की लय भी तोड़ दी। चौथे वरीय थिएम ने जोकोविच को 6-2, 3-6, 7-5, 5-7, 7-5 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना 11 बार के विजेता और गत चैंपियन राफेल नडाल से होगा। यह इस तरह पिछले साल के फाइनल का दोहराव होगा। 33 वर्षीय खिलाड़ी का यहां यह 12वां फाइनल होगा।

थिएम ने पेरिस में चल रही हवा और ठंड से डटकर सामना किया और शीर्ष वरीय जोकोविच के ग्रैंडस्लैम इतिहास में राड लावेर के बराबर पहुंचने की उम्मीद तोड़ दी। जोकोविच को मौसम के अलावा चेयर अंपायर और सामान्य से अधिक नेट की ओर बढ़ने की प्रवृति से परेशनी हुई। आस्ट्रिया के इस 25 साल के खिलाड़ी ने पांचवें सेट में सर्विस करते समय सहज गलतियों से दो मैच प्वाइंट गंवाए लेकिन उन्होंने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फारहैंड विनर से अंतिम गेम में जोकोविच की सर्विस तोड़ दी। थिएम हालांकि 17 बार के मेजर विजेता नडाल को अपने करिअर में क्ले कोर्ट पर चार बार हरा चुके हैं जबकि स्पेन का यह धुरंधर सात बार फतह हासिल कर चुका है।

फ्रेंच ओपन

बार्टी ने फ्रेंच ओपन में 46 साल के आस्ट्रेलियाई सूखे को खत्म किया

पेरिस, 8 जून (एएफपी)।

आठवीं वरीयता प्राप्त एशले बार्टी ने फ्रेंच ओपन के महिला एकल फाइनल में शनिवार को यहां चेक गणराज्य की 19 वर्षीय मार्केटा वोंद्रोयूसोवा को आसानी से शिकस्त देकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब हासिल किया।

इस जीत के साथ ही बार्टी 46 साल बाद फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाली पहली आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले 1973 में मार्गेट कोर्ट पेरिस में चैंपियन बनने वाली आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी थीं। तेईस साल की बार्टी ने महज 70 मिनट में एकतरफा खिताबी मुकाबले को 6-1, 6-3 से अपने नाम किया। बार्टी को इस जीत का फायदा उनकी रैंकिंग में भी मिलेगा।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 203, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता
रविवारी
• 9 जून, 2019 •

एवरेस्ट का पहाड़ जैसा दुख

दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी एवरेस्ट पर चढ़ कर झंडा गाड़ देना किसी भी पर्वतारोही के लिए बड़ी उपलब्धि होती है। वहां पहुंचने के लिए खिलाड़ी वर्षों अभ्यास करते हैं। पर पिछले कुछ सालों से एवरेस्ट अनेक समस्याओं की वजह बनी हुई है। वहां पर्वतारोहियों और उनके सहयोगियों की बढ़ती भीड़भाड़ की वजह से काफी मात्रा में कचरा जमा हो चुका है। बर्फीले तूफान की वजह से कई बार पर्वतारोहियों की जान पर बन आती है। कई दुर्घटनाओं में अनेक पर्वतारोही अपनी जान तक गंवा चुके हैं। पिछले महीने एवरेस्ट पर जमा भीड़ की तस्वीरें आईं, तो स्वाभाविक ही लोगों को आश्चर्य हुआ। मगर एवरेस्ट पर चढ़ना केवल पराक्रम नहीं, उसके आकर्षण की वजह जीवन की संभावनाओं की तलाश भी है। एवरेस्ट पर पहुंचने से जुड़े तथ्यों का विश्लेषण कर रहे हैं **अभिषेक कुमार सिंह**।

यों मनुष्य ने अजेय माने जाने वाले प्रकृति के अनगिनत दुर्गम लक्ष्यों को अपने साहस के बूते पर जीतने का स्वप्न हमेशा पाला है। आकाश-पाताल और यहां तक कि अंतरिक्ष, उसकी इसी अदम्य लालसा के आगे लगातार बौने साबित हुए हैं। आज इसमें भी संदेह नहीं कि इंसान जिन महान चुनौतियों को पार कर जाना चाहता है, उनमें से एवरेस्ट सबसे शीर्ष पर आता है। पहाड़ों को लांघने का दम भरने वाला हर आरोही अपने जीवन में कम से कम एक बार इसे पार पाने का स्वप्न देखता है। मगर यह सपना इधर एक नई त्रासदी रचता प्रतीत हो रहा है।

इस साल मई के चौथे हफ्ते में कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आईं, जिनमें एवरेस्ट के रास्ते में पर्वतारोहियों की कतारें देख कर सड़क पर लगे ट्रैफिक जाम का अहसास होता है। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर ट्रैफिक जाम की यह स्थिति वहां होने वाली भीड़ का ही उदाहरण नहीं है, बल्कि इस कारण वहां हुई मौतों ने एवरेस्ट के आरोहण को सवालों के घेरे में ला दिया है।

तथ्य है कि इस मौसम की शुरुआत में ही एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले पर्वतारोहियों में से दस की मौत हो गई थी। इनमें चार भारतीय थे, जबकि नेपाल, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के एक-एक पर्वतारोही ने वहां जान गंवाई। यह मई का तीसरा हफ्ता था। इससे अगले हफ्ते तक थकान, कमजोरी और ऑक्सीजन की कमी के कारण एवरेस्ट पर लगे जाम में फंस कर हुई मौतों की तादादा बढ़ कर अठारह हो गई। इन हादसों के पीछे एवरेस्ट पर आया कोई बर्फीला तूफान या फिर मौसम की अचानक कोई करवट नहीं थी। बल्कि इस दौरान तो मौसम साफ और पर्वतारोहण के अनुकूल था, जिसके कारण एवरेस्ट पर चढ़ने और उतरने वालों की भारी भीड़ जमा हो गई। ऐसे कई चित्र मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित हुए, जिनसे पता चला कि एवरेस्ट पर ठीक वैसी ही भीड़ लगी हुई है, जैसे कभी नोटबंदी के दौरान देश में बैंकों के बाहर लोगों की कतारें जमा हुई थीं। ज्यादा समस्या एवरेस्ट फतह की पताका फहराने के बाद उतरने वाले पर्वतारोहियों को हुई। पर्वतारोही उतराई में एवरेस्ट के निचले कैंप तक लगे जाम में फंस गए, जिस कारण उन्हें कई घंटे एक ही जगह खड़े-खड़े गुजारने पड़ गए। इससे हुई थकान और खून जमा देने वाली ठंड के बीच आठ किलोमीटर की ऊंचाई पर विरल हवा और ऑक्सीजन की कमी उनके लिए घातक साबित हुई और कई पर्वतारोहियों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

हादसों का सिलसिला

हादसे एवरेस्ट के लिए नए नहीं हैं। ट्रैफिक जाम के अलावा कई अन्य कारणों से भी लोग एवरेस्ट की राह में जान गंवाते हैं। जैसे पांच साल पहले 18 अप्रैल, 2014 को इसके बेस कैंप पर ही सोलह शेरपाओं की बर्फीला तूफान आने से मौत हो गई थी। इसके अलावा देश-विदेश के कई पर्वतारोही इसके रास्तों से लापता बताए गए थे। इसके बाद वर्ष 2015 में आए भूकंप में जहां पूरे नेपाल में करीब नौ हजार मौतें हुई थीं, तो एवरेस्ट के बेस कैंप के बर्फीले तूफान में दबने से अठारह पर्वतारोहियों और गाइडों ने जान गंवाई थी। हालांकि इन घटनाओं की वजह से वर्ष 2015 में नेपाल के कुल पर्यटन में इकतीस फीसद की कमी आई थी, तो एवरेस्ट पर जाने वालों की संख्या में भी पंचानबे प्रतिशत तक गिरावट आ गई थी। लेकिन जिस एवरेस्ट को सर एडमंड हिलेरी और शेरपा तेनजिंग ने 1953 में फतह कर लिया था, उस पर आरोहण के संकल्प को दुनिया छोड़ने को तैयार नहीं है। भले ही इसके लिए पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि एवरेस्ट पर बढ़ रहे दबाव और उसके पर्यावरण के साथ हो रही सतत छेड़छाड़ के नतीजे के रूप में बर्फीला तूफान और जलजलों की जमीन तैयार हो रही है। यही नहीं, एवरेस्ट को पददलित करने की बढ़ती लालसा प्रकृति के साथ खिलवाड़ की वजह भी बनी है। एक आकलन के मुताबिक सन 1996 तक करीब तीन सौ टन कचरा और एवरेस्ट की राह में काल-कलवित हो गए सत्तर से नब्बे पर्वतारोहियों के शव वापस लाए जाने के बाद भी सैकड़ों टन कचरा इसकी ढलानों पर बिखरा हुआ है। यहां-वहां बिखरे खाली ऑक्सीजन सिलेंडर, मास्क, कपड़ों के चिथड़े, दस्ताने, खाद्य-सामग्री के डिब्बों के खोल, बोतलें और अलग-अलग तरह का दूसरा कूड़ा-कबाड़ कुछ पर्वतारोहियों की नादानी का ही विद्रूप प्रदर्शन लगता है।

एवरेस्ट के लिए व्यावसायिक अभियानों और पर्वतारोहियों द्वारा फैलाए जा रहे कचरे से दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत की आबोहवा बिगड़ रही है। इस स्थिति को पर्यावरण-प्रेमी चिंताजनक बताते रहे हैं। शिखर पर पहुंचने के बाद तमाम पर्वतारोही वहां उपयोग की गई वस्तुओं का कचरा छोड़ तो आते हैं, लेकिन उनके निस्तारण की कोई अंतिम व्यवस्था नहीं हो पाई है। मानवीय हस्तक्षेप तथा बढ़ती आवाजाही से शिखर का नैसर्गिक सौंदर्य खतरे में पड़ता जा रहा है। समस्या यह भी है कि अत्यधिक ठंड और बैक्टीरिया के अभाव में यह कचरा वहां सड़ता नहीं है। इसलिए उसे नीचे लाकर नष्ट करना ही एकमात्र उपाय है, लेकिन यह काम कठिन और खर्चीला है, जिसे नेपाल सरकार कटिबद्ध होकर करना नहीं चाहती है।

हालांकि दावा किया जाता है कि नेपाल सरकार किसी भी छह सदस्यीय एक दल से चार हजार डॉलर इसकी साफ-सफाई के उद्देश्य से ही अग्रिम राशि के तौर पर सुरक्षित रखती है। यह समस्या बड़ी परेशानी इसलिए पैदा कर रही है, क्योंकि अब एवरेस्ट पर ऐसे नौसिखिए भी तकनीक और साधनों के बल पर चढ़ने का प्रयत्न करते हैं, जिनका दम शायद अपने बूते पर किसी छोटे पहाड़ पर चढ़ने पर ही फूल जाए। ऐसे अधिकतर पर्वतारोही नहीं जानते कि प्रकृति और पर्वतों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपने सपने से लगाव है। प्रकृति की शुचिता का सवाल उनके जेहन में कभी नहीं कौंधता। इन चिंताओं से सर एडमंड हिलेरी और 1975 में पहली बार इस पर्वत को फतह करने वाली दुनिया की पहली महिला पर्वतारोही जापान की जंको ताबेई भी वाकिफ हैं। इसी कारण वे दोनों ही नेपाल सरकार को कुछ साल के लिए एवरेस्ट अभियानों पर पाबंदी लगाने की सलाह दे चुके हैं। हो सकता है कि यह बंदिश समस्या का सही इलाज न हो, लेकिन यह तो संभव है कि इस कदम से दुनिया में एवरेस्ट और समूचे पर्यावरण के प्रति हमारी लापरवाही प्रकट हो जाए और लोगबाग पर्यावरण की सार-संभाल को लेकर थोड़ा सचेत हों। ■

नई नहीं है समस्या

एवरेस्ट पर भीड़ जमा होने के नजारे नए नहीं हैं। असल में, पिछले कई वर्षों में वहां ऐसे ही हालात पैदा होते रहे हैं। वर्ष 2012 में भी एवरेस्ट के पर्वतारोहियों से अटे पड़े रास्तों की ऐसी ही एक तस्वीर जर्मनी के पर्वतारोही राल्फ दुज्मोवित्स ने सामने रखी थी। एवरेस्ट क्यों अचानक ऐसी भीड़भाड़ का शिकार हो गया है? इसकी कुछ खास वजहें हैं। इनमें पहला कारण यह है कि चीन के मुकाबले नेपाल के रास्ते एवरेस्ट की चढ़ाई आसान है। इसलिए दुनिया भर के पर्वतारोही नेपाल की तरफ से एवरेस्ट पर जाने को अहमियत देते रहे हैं।

दूसरी खास वजह इससे नेपाल को होने वाली आय है। अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचाने के लिए नेपाल आमतौर पर किसी भी पर्वतारोही को वहां जाने से रोकता नहीं है। हर साल जितने अधिक पर्वतारोही एवरेस्ट आरोहण के लिए नेपाल का रास्ता चुनते हैं, उतनी ही अधिक आय नेपाल को इसके लिए जारी किए जाने वाले परमिट और अन्य उपायों से होती है। इस साल मौसम की शुरुआत में नेपाल ने प्रति परमिट ग्यारह हजार अमेरिकी डॉलर के हिसाब तीन सौ इक्यासी परमिट जारी किए थे। इससे वहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी आधार मिलता है। शेरपा समुदाय के लोगों को हर पर्वतारोही के साथ सामान ढोकर एवरेस्ट पर जाने के बदले अच्छी आय हो जाती है। इसलिए एक ही शेरपा कई बार एवरेस्ट चढ़ता है। जैसे हाल में ही उनचास वर्षीय कामी रीता शेरपा ने 1994 के बाद से अब तक चौबीस बार एवरेस्ट पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया है।

एक तीसरी वजह भी है, जो एवरेस्ट पर लगने वाले जाम का मुख्य कारण बन गई है। असल में, मई के दूसरे-तीसरे हफ्ते में जब वहां चढ़ाई का मौसम शुरू होता है, तो जरूरी नहीं कि मौसम एकदम साफ और स्थितियां चढ़ाई के एकदम अनुकूल हों। इसके लिए पर्वतारोहियों को बेस कैंप में कई बार लंबा इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में जब किसी दिन हालात पूरी तरह अनुकूल हो जाते हैं, तो बेस कैंप में जमा सैकड़ों पर्वतारोही एक साथ एवरेस्ट को कूच कर देते हैं। उनकी कोशिश होती है कि वे जल्दी से जल्दी दुनिया के इस सर्वोच्च शिखर को छूकर लौट आएं। इसी क्रम में एवरेस्ट तक आने-जाने के रास्ते में भीड़ लग जाती है। लेकिन ये सारे कारण मिलकर अक्सर एवरेस्ट को मौत के मैदान में बदल डालते हैं। ■

एवरेस्ट का आकर्षण

ठीक है कि आज एवरेस्ट मनुष्य की मुट्ठी में है। दरअसल, एवरेस्ट पर विजय या ऐसी ही दूसरी जीतें सही मायनों में निजी शौर्य और आत्मतुष्टि की प्रतीक हैं। ऐसा किए जाने से न सिर्फ मानव जाति के वास्तविक हितों की अनदेखी हो रही है, बल्कि व्यक्तिगत उपलब्धियों का व्यर्थ ही महिमा-मंडन भी हो रहा है। हम कह सकते हैं कि प्रकृति की यह परम ऊंचाई पराक्रम को प्रश्रय तो देती है, लेकिन यह समय उन एवरेस्टों के बारे में भी सोचने का है, जिन्हें शायद और बड़े पराक्रम की जरूरत है। तेनजिंग नोर्गे के पुत्र जामलिंग ने अपने पिता के एक बयान को एक जगह उद्धृत किया है कि 'मैं पर्वत पर इसलिए चढ़ता हूं, ताकि मेरे बच्चों को कभी इस पर न चढ़ना पड़े।' अपने बच्चों के अच्छे जीवन की लालसा में कहे गए इस वक्तव्य से साफ है कि मानव का असली लक्ष्य बेहतर जीवन की तलाश है। शायद, यह पूरी दुनिया भी जानती है कि आज आदमी को महज शौक पूरा करने के लिए हिलेरी स्टेप पर झंडा गाड़ने से ज्यादा उन मोर्चों को साधने की जरूरत है, जिससे दुनिया को सभी के लिए वाकई रहने लायक बनाया जा सके। ■

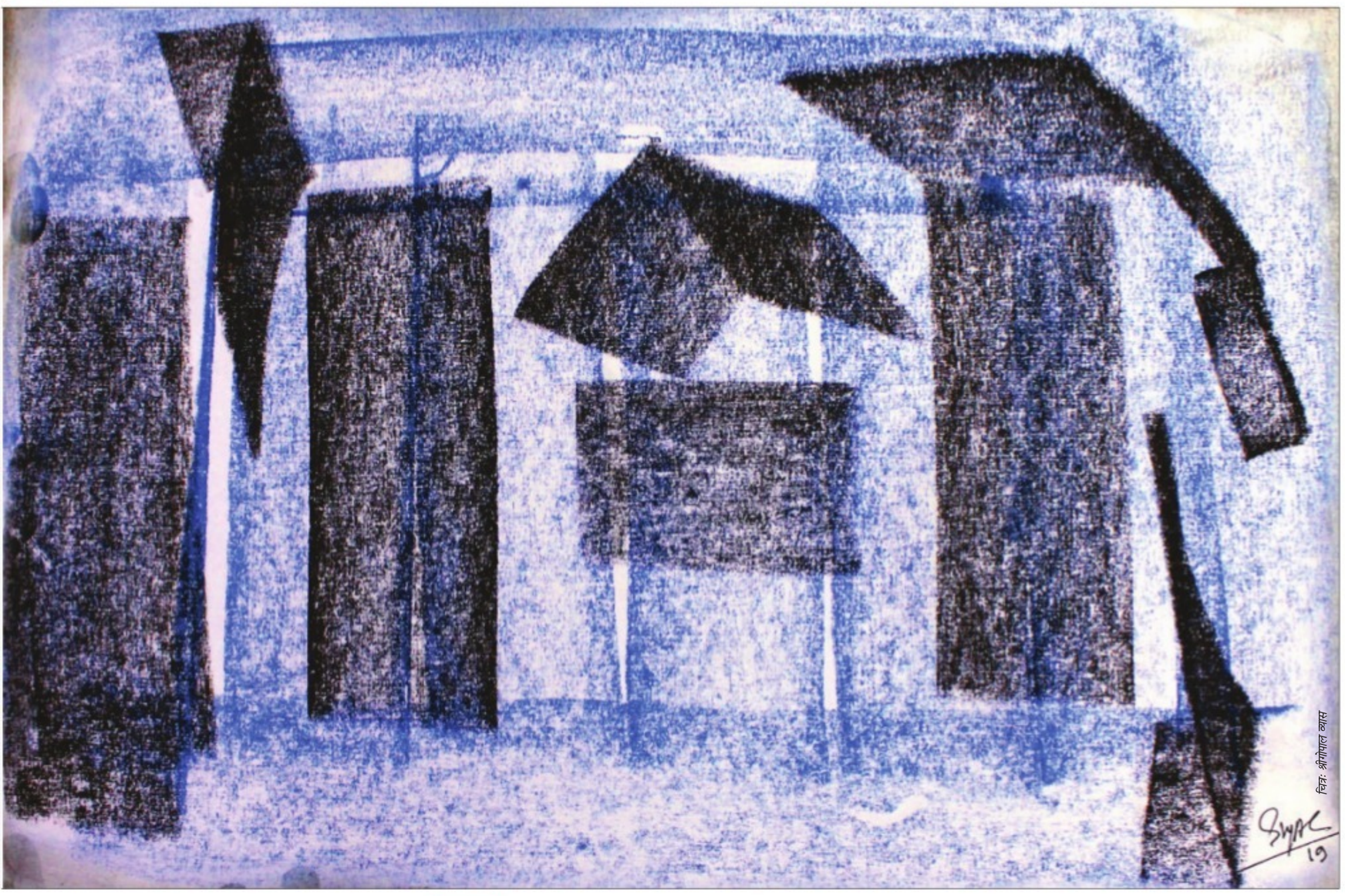
चित्र: श्रीगोपाल व्यास

यह आम रास्ता नहीं है

कहानी

कमलेश भारतीय

यह जो छोटी-सी पक्की ईंटों की पगडंडी जा रही है, तब एकदम कच्ची हुआ करती थी। यह कच्ची पगडंडी इसलिए कि उन दिनों आवासों के आसपास मजबूत दीवार थी और इस कच्ची पगडंडी की जरूरत हर आम-ओ-खास को पड़ती रहती थी। मैं भी इसी पगडंडी पर संभल-संभल कर मोटरसाइकिल चलाते हुए पहली बार अमृता से मिलने गया था। उसे कॉलेनी में बिल्कुल दीवार के साथ सटा आवास मिला हुआ था।

यों अमृता से मेरी पहली मुलाकात अचानक हुई थी। मैं एक कार्यक्रम की कवरेज करके निकल रहा था और उस दिन मोटरसाइकिल के बजाय पैदल ही था। देखा, मेरे सामने एक विभाग के मित्र गाड़ी में बैठे हैं और मुझे इशारा कर रहे हैं, गाड़ी में आ जाने का। ड्राइविंग सीट पर एक महिला स्टेयरिंग संभाले बैठी थी। मित्र ने परिचय कराया, वह अमृता थी, किसी दूसरे विभाग में पढ़ाती थी।

इसके बाद मैंने विभाग में जाकर चाय पीने की पेशकश स्वीकार की तब अमृता ने बताया था कि परिचय कराने वाले मित्र के बारे में उसकी राय बहुत अच्छी नहीं है और इसी के चलते वह मुझे भी कोई तरजीह नहीं दे रही थी, लेकिन इधर-उधर की जानकारी मिली कि आप ठीक-ठाक आदमी हैं, इसलिए चाय पर निमंत्रण दे दिया। अमृता की साफगोई मुझे अंदर तक छू गई थी। सरल भाव से सब सच-सच कह देने की अमृता की अदा से मैंने उसकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा दिया था, जिसे थामने में उसने भी देरी नहीं की।

मैं उस शहर में नया-नया आया था और मेरी शामें बहुत अकेली और उदास बीतने से अमृता ने बचा लिया। यह तो बाद में अहसास हुआ कि उसकी शामें भी उतनी ही उदास और तन्हा थीं।

मैं एक दिन भीड़ भरे बाजार से गुजर रहा था कि अमृता दिख गई। उसके कदम ठिठके तो मैं भी आगे नहीं बढ़ पाया। वह बताने को तो टेलर मास्टर के पास किसी सूट के डिजाइन के बारे में बात करने आई थी, पर मेरे निमंत्रण पर ही एक रेस्तरां में चलने को तैयार हो गई थी। मेज पर आमने-सामने पहली बार हम बैठे थे और रेस्तरां के और ग्राहकों के शोर शराबे के बावजूद खामोश एक-दूसरे को देख रहे थे कि बात का सिलसिला कहां से शुरू करें।

आखिर अमृता ने बताना शुरू किया था कि कैसे वह बड़े विश्वविद्यालय में उस व्यक्ति के संपर्क में आई, जो अब उसका पति है और कैसे एक ही विश्वविद्यालय में पहुंचे, पर उसकी महत्त्वाकांक्षा इस शहर में बने नए विश्वविद्यालय के नए विभाग में खींच लाई। अब बच्चों की मां की भूमिका के साथ-साथ महत्त्वाकांक्षा दुखदायी साबित हो रही है। पति महोदय किसी अखबार के रविवारीय संस्करण की तरह आते हैं और सोमवार से फिर जिंदगी का पहिया अकेले ही खींचना पड़ता है। बहुत से काम ऐसे होते हैं, जहां अकेले भाग-दौड़ कर जब बुरी तरह हांफ जाती हूं, तब भीड़ भरे बाजार में निकल पड़ती हूं। इस तरह अजनबी चेहरे ही सही, कुछ नए लोगों को देख लेती हूं और किसी-किसी दिन पहचान वाले व्यक्ति से भी मुलाकात हो जाती है, जैसे कि आपसे आज मुलाकात हो गई।

मुलाकातों का यह सिलसिला फिर चल निकला और उदास शामें खिलने लगीं। मन का पंछी उड़ान भरने लगा। पांव जमीन पर नहीं लगते थे और रुकते तो सीधे अमृता के घर जाकर। बात दोस्ती से आगे नहीं थी, लेकिन लोगों को चर्चा के लिए कुछ न कुछ मसाला चाहिए और वह मिल रहा था। अमृता को इसकी कोई परवाह नहीं थी, क्योंकि उसने इन चर्चाओं के बीच जीना सीख रखा था। उसका कहना था कि उसे अपने ढंग से जीना है और उसकी समस्याओं का हल दूसरों के पास नहीं, उसी को खोजना है। फिर दूसरों के रास्ते पर या कहने पर कैसे चल सकती है?

यों अमृता की शादी की सालगिरह में भी संगीत की धुन पर पति-पत्नी को मस्त नाचते देखा तब सहज ही विश्वास नहीं हुआ। होली का गुलाल लगाने मैं भी पहुंचा। उस समय घर के हर कोने में रंग बिखरे थे, पर जीवन में वे रंग कहीं खो गए थे। मैं वहां से लौट कर देर तक सोचता रहा था। अमृता को शराब से नफरत थी और पति महोदय की पहली पसंद। एक बार मैं मित्रता में उपहारस्वरूप उनकी पसंद की चीज ले गया था, तब अमृता की आंखों में नफरत की इबारत पढ़ कर मैं ज्यों की त्यों लौटा आया था। कुछ दिन तक उसकी भवें मेरी ओर भी तनी रहीं थीं। उसे वापस उसी रंग में लाने के लिए कई दिन लग गए थे। यह पहलू भी सामने आ गया था कि पति-पत्नी की प्रेम की डोर कैसे और किन कारणों से कमजोर होती जा रही है।

एक बार अमृता के घर जाते समय अचानक गाय सामने आ गई थी और मुझे थोड़ी चोट लग गई थी। यह देख कर अमृता ने एकदम रूई से सारी सफाई की थी। उससे मैं अंदर तक भीग गया था, लेकिन यह सोच कर हैरान था कि आखिर पति-पत्नी के बीच कहां से और कैसे दूरियां शुरू होती हैं और इन दूरियों को पाटने की बजाय खामोशी से इन्हें बढ़ते हुए क्यों देखते रहते हैं? इससे बेकार की चर्चाएं जन्म लेती हैं और इन चर्चाओं से व्यक्ति और व्यक्तित्व अफवाहों के धुएं के घेरे में सिमटता जाता है। लोगों का कहना है कि धुआं वहीं होता है, जहां आग होती है।

अब देखो न, अमृता ने अपने एक सहयोगी को कार चलाना सिखाना क्या शुरू किया था कि बातें बननी शुरू हो गईं। यहां तक कि उस समय विश्वविद्यालय के उच्च पद पर बैठे अधिकारी भी अमुक की गर्लफ्रेंड कह कर अमृता की बात करने लगे थे, पर वह बेफिक्र थी, पूरी तरह। उसके बाल हवा में लहराते रहते, वह यह सब सुन कर बालों की तरह बातों को हवा में लहरा देती। इससे क्या होता है? मैं सिखाती हूं तो किसी को क्या है? यह मेरी जिंदगी है, मुझे इसे जीने का पूरा हक है, किसी को इससे क्या?

इस बेफिक्री के पीछे कहीं यह उम्मीद कायम थी कि उसके पति को इसी विश्वविद्यालय में अच्छा पद मिल जाएगा और वे दोनों इसके लिए पूरी कोशिश में लगे थे। उच्च अधिकारी भी सपने दिखाने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे थे। आखिरकार साक्षात्कार रखा गया और अमृता की उम्मीदें आसमान छूने लगीं। उसे लगा कि अब बच्चों को उनके पिता का सहारा और साथ मिल जाएगा। ऐन आखिरी मौके पर यह साक्षात्कार जब रद्द कर दिया गया, तब पहली बार अमृता टूट गई और बुरी तरह रो दी। आंसू बरबस आ रहे थे। उसके सपने बिखर गए थे। तब भी लगा कि वह पूरे मन से परिवार के प्रति समर्पित है और कहीं से भी उन चर्चाओं और अफवाहों वाली अमृता नहीं है, पर लोगों की जुबान को कौन रोक सका है?

आखिर एक दिन अमृता चली गई। अचानक। किसी और शहर में। जाने से पहले मुलाकात हुई। विदाई सोच कर कांप गया मैं भी। यों शहर और दुनिया बहुत छोटी हो चुकी है, फिर भी विदाई तो विदाई होती है।

क्यों? क्यों जा रही हो इस शहर और इस बसी-बसाई दुनिया को छोड़ कर? उसकी मासूम आंखें कुछ देर मेरी ओर ताकती रहीं। मैं भी खामोशी से जवाब का इंतजार करता रहा। अमृता ने इतना ही कहा कि मैं या आप अपने तरीके से जी सकें, ऐसा मुश्किल है। सीधे-सादे रास्ते में भी कई जगह स्पीड ब्रेकर आ जाते हैं। चर्चाओं को बल मिलता है और वे दूर तलक जाती हैं। छोटी-छोटी बातें धीरे-धीरे बड़ा रूप ले लेती हैं। मेरी बच्चियां उसी सहयोगी के बच्चों के साथ खेला करती थीं।

एक दिन मेरी बच्ची ने पूछा- मम्मी, उनके पापा आपके फ्रेंड लगते हैं? क्यों, किसने कहा? कॉलोनी में सब बच्चे हमें छेड़ रहे हैं। बस, मैंने समझ लिया कि यह आम रास्ता नहीं है। इसलिए जा रही हूं। नई जगह नया जीवन और नया रास्ता खोजने का प्रयास करूंगी, नई हवा में सांस ले सकूंगी। उसने विदा के लिए हाथ मिलाया। पर उसके फैसले से मैं हिल गया। एक सवाल भी हवा में उछल गया कि क्या सारी शिक्षा और आधुनिकता के बावजूद औरत को कितनी लक्ष्मण रेखाओं का सामना करना पड़ता है और यह कब तक होता रहेगा। ❑

क्यों? क्यों जा रही हो इस शहर और इस बसी-बसाई दुनिया को छोड़ कर? उसकी मासूम आंखें कुछ देर मेरी ओर ताकती रहीं। मैं भी खामोशी से जवाब का इंतजार करता रहा। अमृता ने इतना ही कहा कि मैं या आप अपने तरीके से जी सकें, ऐसा मुश्किल है। सीधे-सादे रास्ते में भी कई जगह स्पीड ब्रेकर आ जाते हैं।

मुगलकालीन भाषा और तुलसीदास

प्रसंग

पंकज पराशर

तुलसीदास भारतीय समाज में दो संस्कृतियों और दो भाषाओं के मेल से बन रहे नए समाज की भाषा के असल प्रतिनिधि कवि हैं। बावजूद इसके कि भक्तियुगीन अनेक संत कवियों ने ईश्वर के सभी उपलब्ध नामों का आदर किया और उनमें समान रूप से परम तत्त्व के दर्शन किए। अपनी आस्था और धर्म के प्रति अटल होने के बावजूद भक्तिकालीन संत कवियों की भाषा की वे परतें भी खुलने लगती हैं, जिसे प्रायः सधुक्कड़ी कहा जाता है। प्रायः कबीर, सूर, तुलसी और मलूकदास जैसे संत कवियों की भाषा पर इस दृष्टिकोण से बहस नहीं होती कि उनकी भाषा किस तरह अपने आप में तथ्य का पूरा इतिहास प्रस्तुत करती है। भारतीय समाज में मुसलमानों की संस्कृति, भाषा और शब्दावली आमजन के बोलचाल और जीवनचर्या का हिस्सा बन चुकी थी। कोई भी भाषा धर्म, आस्था और संस्कारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है। भाषा संस्कृति का एक अंग है। कबीर और तुलसीदास की भाषा इस बात का प्रमाण है कि अरबी-फारसी के शब्द तत्कालीन ब्रज और अवधी में पूरी तरह मिश्रित हो चुके थे और उन कथित 'विधर्मी' शब्दों को आमजन की भाषा से पृथक करना लगभग असंभव था। तुलसीदास ने अपनी रचनाओं में अवधी, ब्रज और संस्कृत ही नहीं, तुर्की और अरबी-फारसी तक के शब्दों का निःसंकोच प्रयोग किया है। संस्कृत में पांडित्य के बावजूद तुलसी ने काव्य-रचना के लिए संस्कृत के आचार्यों की राह न चुन कर मलिक मुहम्मद जायसी की काव्य-परंपरा की अवधी और सूर की काव्य-परंपरा की ब्रजभाषा का चयन किया। यह मुगल काल में बदलते हुए सांस्कृतिक मूल्यों की स्पष्ट स्वीकृति थी।

तुलसी के राम जहां एक ओर 'रघुपति' (रघुपति कीन्हीं बहुत बड़ाई) हैं, 'रघुराज' (तुलसी जाने सुनि समुझि कृपासिंधु रघुराज) और 'कृपानिधान' (करि-करि सुरति कृपानिधान की), 'करुणानिधान' (अतिसय प्रिय करुणानिधान की) 'रघुवीर' (तुलसीदास चंदन घिसे, तिलक करे रघुवीर) हैं, वहीं वह तुलसीदास के लिए 'साहेब' (तुलसी सराहै रीति साहेब सुजान की) हैं, 'सिरताजु' (सूर सिरताज, महाराजनि के महाराज) हैं, 'साहि' (राम बोला नाम हौं गुलाम राम साहि को) और 'गरीबनेवाज' (कायर कूर कपूतन की हद तेउ गरीब नवाज नवाजे) हैं। तुलसी अपने को राम का 'चाकर' (हम चाकर रघुवीर के पठ्यौ लिखौ दरबार) और 'गुलाम' (लोक कहै राम को गुलाम ही कहावौं) भी कहते हैं। तुलसी अपने राम का स्मरण सिर्फ तत्सम शब्दों में नहीं, अरबी-फारसी के शब्दों में भी करते हैं। क्योंकि उन्हें अपने काव्य में शब्दों की शुद्धता से अधिक उद्देश्य के प्रति समर्पण अधिक प्रिय है। यह कहना गैर-मुनासिब नहीं होगा कि तुलसी अपनी भाषा, तेवर और भक्ति के तौर-तरीके के कारण रामायण या अध्यात्म रामायण की परंपरा के नहीं, फक्कड़ और मस्तमौला कवि कबीर की परंपरा के कवि हैं, जो भाषा, बिंब-प्रतीक आदि को किसी धर्म की परंपरा में न देख कर, भारतीय संस्कृति की विशाल सांस्कृतिक भावभूमि में प्रतिष्ठित करने का प्रयास करते हैं।

कबीर ने अपने ईश्वर को जिन प्रिय शब्दों के साथ सर्वाधिक स्मरण किया है, वह शब्द है 'साहिब'। उसके बाद उनकी कविता में 'गरीब नवाज' शब्द भी मिलता है। 'सिरताज' शब्द का प्रयोग तो अनेक संत कवियों ने किया है। मसलन, मलूकदास ने कहा है- 'कहै मलूक मेरो प्रान रमइया, तीन लोक ऊपर सिरताज', वहीं सूरदास ने सूरसागर में इस शब्द का प्रयोग करते हुए लिखा है, 'सूर स्याम तहां स्याम सबनि कौ दिखियत है सिरताज'। केशवदास ने भी इस शब्द से परहेज नहीं किया, 'कोटि रतिराज ब्रजराज सिरताज की सौं'। तुलसी जहां अपने राम को सिरताज कहते हैं, वहीं सूर और केशवदास कृष्ण को सिरताज मानते हैं। शब्द एक, लेकिन प्रयोक्ता और आराध्य अलग-अलग! भागवत संप्रदाय से संबद्ध काव्य में लगभग सभी स्थानों पर 'सिरताज' शब्द का प्रयोग शिरोमणि के अर्थ में हुआ है। सूरदास के काव्य में 'पतितन सिरताज' और 'सबनि कौ सिरताज' शब्द का प्रयोग तो मिलता ही है, तुलसी की 'कवितावली' में 'सूर-सिरताज' के रूप में इसका प्रयोग मिलता है। मध्यकाल से लेकर आज तक इस शब्द का अर्थ क्षरित नहीं हुआ है और आज भी उसी रूप में इस्तेमाल किया जाता है। कृष्ण को पति के रूप में मानने वाली मीरां तक ने इस शब्द का उसी रूप में इस्तेमाल किया है, 'मैं अबला बल नाहिं गुसाईं तुमहि मेरे सिरताज'। इसी तरह 'साहब' और 'गरीब नवाज' शब्द का प्रयोग सिर्फ तुलसीदास ने अपने आराध्य के लिए किया हो, ऐसा नहीं है।

सूरदास ने भी 'सूरसागर' में इन दोनों शब्दों का बार-बार प्रयोग किया है। मसलन, 'पोषन भरन बिसंभर साहब' और 'नई न करत कहत प्रभु तुम हौ सदा गरीब नवाज'। सूर की तरह तुलसीदास ने 'कवितावली' में 'गुलाम' और 'सरनाम गुलाम' का प्रयोग किया है, 'लोक कहै राम को गुलाम ही कहावौं' और 'सुभाउ समुझत मन मुदित गुलाम को'। गुलाम से भी कहीं आगे बढ़ कर तुलसी कहते हैं, 'तुलसी सरनाम गुलाम है राम को।'

यह बहुत तर्कसंगत प्रतीत नहीं होता कि तुलसीदास ने सत्ता से प्रभावित होकर अपने राम के लिए तत्कालीन बादशाहों के लिए प्रयुक्त अरबी-फारसी की शब्दावली का इस्तेमाल किया होगा। मसलन फारसी का एक शब्द है 'शाह', जो फकीर और बादशाह दोनों के लिए प्रयुक्त होता है। 'गरीबनवाज' शब्द तो अजमेर के सूफी संत ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती के लिए-जैसे रूढ़ हो चुका है।

तुलसी के काव्य में इस्लामिक आस्था और प्रशासनिक कार्यों से संबद्ध अरबी-फारसी के शब्द भी विपुल संख्या में मौजूद हैं। 'कवितावली' और 'विनयपत्रिका' में ऐसे अनेक शब्द प्रयुक्त हुए हैं, जो इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। मसलन, 'राजी' (कृष्ण कृपालु भगति पथ राजी), 'रजाइ' (राम की रजाइ तें रसाइनी समीर सून), 'दीन' (जो करता, भरता, हरता, सूर साहेबु दीन-दुनी को), 'गनिहि' (गनिहिं गुनिहिं, साहब लहै सेवा समीचीन को), 'गरीबी-मिसकीनता' (लाभ भोग छेम की गरीबी मिसकीनता), 'करामाति' (कासी करामाति जोगी जागी मरद की), 'मनसहि' (प्रभु मनसहि लयलीन मनु चलत बाजि छबि पाव), 'जमात' (बहु जिनस प्रेत पिसाच जोगि जमात बरनत नहिं बनै), 'खलक' (पैअत न छत्री-खोज खोजत खलक मैं), 'हराम' (गिरो हिए हहरि-हराम हो हराम हन्यो), 'रहम' (राम के बिरोधे बुरो बिधि हरिहरहू को सबको भलो है राजा राम के रहम हीं), 'मसीत' (मांगि के खइबो मसीत को सोइबो), 'कहरू' (डरत हौं देखि कलि काल को कहरू), 'मुकाम' (तुलसी जग जानियत नाम ते सोच न कूच मुकाम को), 'इताति' (निसि बासर ताकहं भलो मानै राम इताति) और 'कसम' (भुजा उठाइ साख संकर करि कसम खाइ तुलसी भनी) जैसे शब्दों का मूल अरबी भाषा में है, लेकिन तुलसी ने अपने काव्य में जिस तरह इन शब्दों का प्रयोग किया है, उसे देख कर भला कौन कह सकता है कि ये विदेशज शब्द (अरबी) हैं?

इस्लाम में 'दीन-ओ-दुनिया' जैसे शब्द-युग्म का प्रयोग लोक-परलोक या कहें 'दुनिया व आखिरत' के लिए होता है, जबकि जिस सनातन धर्म से तुलसीदास का संबंध है, उस धर्म में 'यौम-ए-आखिरत' की कोई अवधारणा नहीं है। तब तुलसी ने अपने काव्य में 'साहेबु दीन-दूनी को' कह कर जिस राम को दुनिया व आखिरत का मालिक बताया है, वह क्या इस्लामिक आस्थाओं को बहुत गहराई से जाने बिना संभव है? इसी प्रकार तुलसी ने जिस 'हराम' शब्द का प्रयोग किया है, उस 'हराम' और 'हलाल' शब्द का सीधा संबंध इस्लामी शरीअत से है। हिंदू धर्म में हराम और हलाल की कोई अवधारणा नहीं है। अरबी का एक शब्द है 'जमात', जिसका प्रयोग तुलसी ने किया है। इस शब्द का एक सामान्य अर्थ होता है झुंड या समूह। आधुनिक काल में आमतौर पर कट्टर मुसलमानों के लिए 'जमाअती' शब्द का प्रयोग होता है। कई बार समय के अनुसार शब्दों के अर्थ बनते-बिगड़ते हैं, क्षरित होते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि तुलसीदास के समय में भी 'जमाअती' शब्द का प्रयोग उसी अर्थ में किया जाता था, जिस अर्थ में आज किया जाता है। शायद इसीलिए तुलसी ने 'जमात' शब्द का प्रयोग योगियों, पिशाचों और प्रेतों के साथ किया है। केशवदास ने भी अपनी काव्य-कृति 'कविप्रिया' में इस शब्द का प्रयोग किया है- 'जम की जमाति सी कि जामवंत को सो दल।' तत्कालीन सामाजिक और धार्मिक लोकवृत्त में प्रचलित अरबी-फारसी के शब्द भक्तिकालीन संत कवियों के युग का सामाजिक अध्याय बन कर उनके काव्य में प्रयुक्त हुए हैं और इन शब्दों के सहारे सूर-तुलसी-केशवदासकालीन सामासिक संस्कृति को देखने का एक नया गवाक्ष खुलता है! ❑

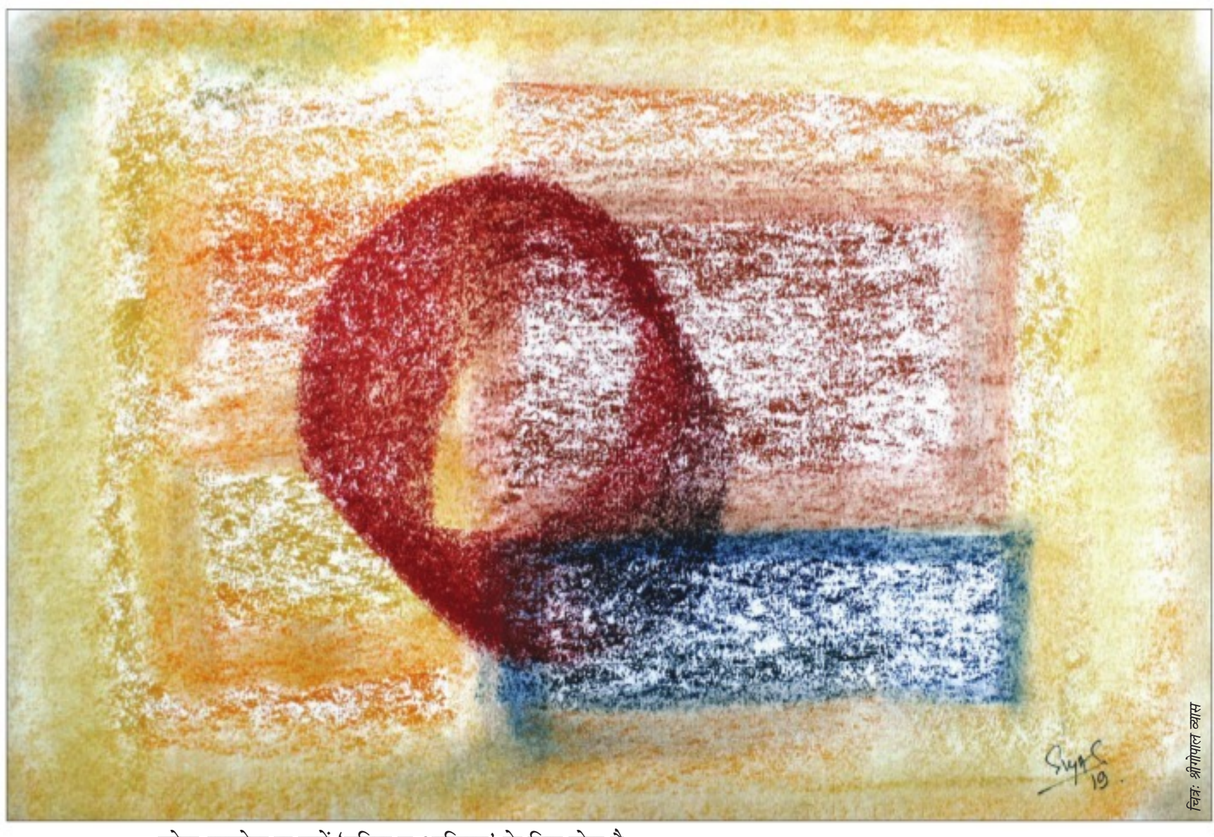
चित्र: श्रीगोपाल व्यास

यह बहुत तर्कसंगत प्रतीत नहीं होता कि तुलसीदास ने सत्ता से प्रभावित होकर अपने राम के लिए तत्कालीन बादशाहों के लिए प्रयुक्त अरबी-फारसी की शब्दावली का इस्तेमाल किया होगा। मसलन फारसी का एक शब्द है 'शाह', जो फकीर और बादशाह दोनों के लिए प्रयुक्त होता है। 'गरीबनवाज' शब्द तो अजमेर के सूफी संत ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती के लिए-जैसे रूढ़ हो चुका है।

एक जुनूनी कलाकार की याद

चंद्र त्रिखा

लौहौर में जन्मे एमएल पराशर ने 31 दिसंबर, 1990 को जब अंबाला में अंतिम सांस ली, तब उन्हें हरियाणा सरकार या केंद्र सरकार ने उन्हें समुचित आदर के साथ याद नहीं किया। नई दिल्ली के निर्माण भवन या किदवई भवन कभी जाएं, तो वहां आपको इस महान चित्रकार के बनाए भित्ति-चित्र देखने को मिल जाएंगे। विभाजन के समय लाहौर से 14-15 अगस्त की एक सुबह एक कार में कुछ दोस्तों के साथ निकले पराशर ने अपना पहला ठिकाना अंबाला शहर के बलदेव नगर कैंप को ही बनाया। घर से दो कपड़ों में निकले थे, मगर साथ अपनी कूची और रंगों का एक छोटा-सा डिब्बा उठाना नहीं भूले। रास्ते में चलते-चलते कूची, रंगों का डिब्बा और एक फाइल कवर में लिपटी कुछ चर्चित पेंटिंग्स भी गिर गईं।

लाहौर में वे मेयो स्कूल ऑफ आर्ट्स के वाइस प्रिंसिपल थे। अब उसे नेशनल कॉलेज ऑफ आर्ट्स कहा जाता है। दिल्ली में एक बार सतीश गुजराल की चित्र-प्रदर्शनी में मिले थे। तब उन्होंने बताया था, 'उस दिन जब विभाजन की घोषणा हुई, तो चारों ओर चीखो-पुकार, दौड़-भाग और कोहराम का माहौल बन गया था। मुझे एक दिन बाद ही एक सेमिनार में अपना पेपर पढ़ने के लिए पेरिस जाना था। मेरी पूरी तैयारी हो चुकी थी। वीजा-पासपोर्ट सब तैयार थे। मुझे दोस्तों और प्रशंसकों को तत्काल लाहौर छोड़ने की सलाह दी। मगर मैं सभी मशविरों की उपेक्षा करते हुए मेयो स्कूल ऑफ आर्ट की ओर भाग पड़ा। कॉलेज के प्रवेश द्वार पर पहुंचा, तो मैं हांफ रहा था। मैं उस वक्त हक्का बक्का रह गया, जब समूचा परिसर ही वीरान दिखाई दिया।

'वह संस्थान, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कला के क्षेत्र में व्यापक प्रसिद्धि पाई थी, उस दिन पूरी तरह बियाबान लग रहा था। बरामदों में लगे चित्रों के फ्रेम मुझे घूर रहे थे। कॉलेज के मुसलिम चौकीदार ने मुझे वहां एक कमरे में सुरक्षित बिठा दिया। बाहर से उसने एहतियातन ताला भी लगा दिया था, ताकि दंगाई आएं तो बता सके, वहां कोई नहीं है। पूरे कैंपस में भी दंगाई घूम रहे थे। सड़कों पर खून बिखरा था। कुछ लाशें कॉलेज के मुख्य द्वार के बाहर भी पड़ी थीं। आखिर एक पड़ोसी अपनी कार में आया और हम कुछ लोग मुसलिम टोपियां पहन कर वहां से निकल पड़े। एक सिख दोस्त को बचाव की खातिर सीटों के बीच में छिपा लिया।'

'बाद में हमें कार छोड़ कर पैदल चलना पड़ा। कभी रेल पकड़ी, तो कहीं किसी और वाहन का सहारा लिया और आखिर अंबाला पहुंच गए।' परिवारों के लोग एकाध दिन पहले ही वहां पहुंच चुके थे। दरअसल, वे मुझे तलाश रहे थे और मैं कॉलेज पहुंच चुका था।

अंबाला में पराशर को शरणार्थी-शिविर का प्रबंधक बना दिया गया। चौबीसों घंटे वह महान कलाकार उजड़े लोगों की आपबीती सुनता। किसी के आंसू पोंछता, किसी के सिर पर हाथ फेरता, किसी को गले लगाता। जब भी दो-चार लम्हे मिलते, उन्हीं शरणार्थियों की पेंटिंग्स बनाने बैठ जाता। अंबाला पहुंचते ही उस शख्स ने पहला काम यही किया था कि बाजार से ब्रश और रंग खरीदे। कैनवस लिया। पैसे नहीं थे तो अंगूठी दुकानदार को सौंप दी। एवज में कुछ पैसे भी मिल गए। कभी-कभी यह सब अविश्वसनीय लगता है। उस शख्स के प्रशंसकों में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर भी थे, ली कार्बूजिए भी, पियरे जैनरेगी और टेड बॉवर भी। एक बार इस कलाकार ने टैगोर की एक पेंटिंग बनाई। जब गुरुदेव ने देखा तो अवाक रह गए। बोले, 'पराशर तुमने तो मुझे पकड़ लिया।'

लाहौर के दिनों में पराशर के समकालीनों में डॉ. इकबाल भी थे और डॉ. एआर चुगताई भी। दोस्तों में चुगताई के अलावा चार्ल्स साबरी, स्वरूप कृष्ण आदि शामिल थे। पंडित नेहरू एक बार स्वयं इस कलाकार की पेंटिंग्स देखने आए थे। प्रख्यात कला-इतिहासज्ञ एवं समीक्षक डब्ल्यू जी आर्चर ने उनसे कला के विभिन्न विषयों पर एक लंबी बातचीत भी रिकार्ड की थी। विभाजित पंजाब का 'शिमला कॉलेज ऑफ आर्ट' अस्तित्व में आया, तो पराशर उसके संस्थापक प्रिंसिपल बने। बाद में यही कॉलेज चंडीगढ़ आ गया और पराशर ही उसके पहले प्रिंसिपल बने थे।

पराशर के लगभग सभी समकालीन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए, लेकिन वह शख्स अपनी तीखी सृजनशीलता के साथ हाशिए पर बना रहा। उसका एक संकट यह भी था कि वह अपनी कृतियों का कभी भी व्यावसायीकरण नहीं करता था। निर्माण भवन में अपने भित्तिचित्र के लिए पराशर ने पारिश्रमिक लेने से इनकार कर दिया था। वे कई बार कहते, 'कला मेरे लिए एक आध्यात्मिक यात्रा है।' वे सृजनशीलता और कला के प्रति कितने ईमानदार थे, इस बात का सहज अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि शरणार्थियों की वेदना को टेराकोटा मूर्तियों में व्यक्त करने के लिए उन्होंने मिट्टी भी उसी स्थल से ली, जहां शरणार्थियों के आंसू गिरे थे।

अपने समय के इस महान भारतीय चित्रकार के अब तक पारिवारिक संदूकों में महफूज रखे चित्रों और चंडीगढ़ आर्ट्स कॉलेज में संकलित उनकी कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 'ए मोमेंट इन टाइम' के नाम से लगाई गई। इस प्रदर्शनी के 'ब्रोशर' में महान कलाकार सतीश गुजराल बताते हैं, 'पाराशर, जेमिनी राय को अपना रोल मॉडल मानते थे। उनके जीवनकाल में ही उन्हें 'प्रोग्रेसिव ग्रुप' का प्रणेता माना जाता था, मगर वे स्वयं ही इस अवधारणा का विरोध करते थे। उनका कहना था, 'यह मार्ग विकास की अवधारणा के खिलाफ है।'

अपने समय के इस महान और लंबी अवधि तक विस्मृत कलाकार के चार बेटों और एक बेटी ने इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है। पराशर तीन वर्ष तक शरणार्थी शिविर में रहे। इस बीच उन्होंने अनगिनत पेंटिंग्स बनाई। सभी में जड़ों से उखड़े और हैवानियत के हाथों लुटे शरणार्थियों की वेदना उकेरी। उनके उस काल के कुछ चित्र अधूरे भी रह गए थे। वे अधूरे चित्र, पूरे चित्रों से भी ज्यादा बयान करते हैं। प्रदर्शनी में चंडीगढ़ से ले जाए गए पांच चित्रों और पराशर-निर्मित तीन 'प्रतिमाओं' का एक करोड़ रुपए का बीमा भी हुआ था। पराशर पर उनके जीवनकाल में भी इन चित्रों और ऐसे कुछ अन्य चित्रों को बेचने का दबाव था। मगर उन्होंने अपनी सृजनशीलता को 'मुकद्दस' बताते हुए सभी दबावों को झटक दिया था।

वह शख्स कितना अंतमुर्खी था, इस बात का अनुमान आर्किटेक्ट शोभा पटपटिया और इतिहासज्ञ आलोका पराशर सेन की बातों से उजागर होता है। शोभा ने अपनी दक्षिणी-दिल्ली स्थित आवास की 'बेसमेंट' में अब अपने पापा की सभी पेंटिंग, मूर्तियां और अन्य कलाकृतियां संजो कर रखी। इसे एक प्रदर्शनी का रूप दिया गया। ■

शख्सियत

रामप्रसाद बिस्मिल

जन्म : 1 जून 1929
निधन : 3 मई 1981

रामप्रसाद बिस्मिल क्रांतिकारी थे। उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ जम कर संघर्ष किया। रामप्रसाद बिस्मिल की गिनती शायर, इतिहासकार और साहित्यकार के तौर पर भी होती है। उन्होंने हिंदी और उर्दू में राम, अज्ञात और बिस्मिल के नाम से काफी कुछ लिखा था। हालांकि 'बिस्मिल' के नाम से उन्हें काफी प्रसिद्ध मिली।

शिक्षा और ब्रह्मचर्य

रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में हुआ था। बचपन में वे बहुत नटखट थे। पढ़ाई में उनका मन कम ही लगता था, जिसके चलते उन्हें पिताजी की मार भी खानी पड़ती थी। रामप्रसाद की शुरुआती शिक्षा घर पर ही हुई। उन्होंने घर पर अपने पिता से हिंदी सीखी, बाद में उन्हें उर्दू स्कूल में भर्ती करा दिया गया। यहीं से उन्हें उपन्यास और गजलों की पुस्तकें पढ़ने का शौक जगा। उर्दू मिडिल की परीक्षा में उत्तीर्ण न हो पाने के कारण उन्होंने अंग्रेजी पढ़ना शुरू किया। कुछ समय बाद रामप्रसाद अपने पड़ोस में रहने वाले एक पुजारी के संपर्क में आए। उनके व्यक्तित्व का उन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा और वे ब्रह्मचर्य का पालन करने लगे।

आर्य समाज और देशप्रेम की भावना

रामप्रसाद अठारह वर्ष के रहे होंगे, जब उन्हें अपने भाई परमानंद की मृत्युदंड का समाचार मिला। उन दिनों वे रोजाना आर्य समाज मंदिर जाया करते थे। वहीं उनकी जान-पहचान स्वामी सोमदेव से हुई, जो परमानंद के मित्र थे। स्वामी सोमदेव के संपर्क में आने के बाद रामप्रसाद को स्वामी दयानंद सरस्वती की पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश पढ़ने को मिली। सत्यार्थ प्रकाश का उनके जीवन पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा। उसके बाद ही उनमें देशप्रेम की भावना जागृत हुई। रामप्रसाद बिस्मिल क्रांतिकारी संगठन हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के संस्थापक सदस्यों में थे।

किताबों के बदले हथियार

रामप्रसाद कविताएं और शायरी लिखने के काफी शौकीन थे। उन्नीस वर्ष की आयु में बिस्मिल ने क्रांति के रास्ते पर अपना पहला कदम रखा। क्रांतिकारी जीवन में उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं और उन्हें खुद ही प्रकाशित किया। उन पुस्तकों को बेच कर जो पैसा उन्हें मिलता, उसका इस्तेमाल वे क्रांति के लिए हथियार खरीदने में किया करते थे।

मैनपुरी षड्यंत्र और काकोरी कांड

बिस्मिल मातृवेदी संस्था से भी जुड़े थे। 28 जनवरी, 1918 को उन्होंने देशवासी के नाम संध्या नामक एक पुस्तिका प्रकाशित की, जिसे उन्होंने अपनी कविता मैनपुरी की प्रतिज्ञा के साथ वितरित किया। यह तीन मौकों पर लूट से पार्टी के लिए धन इकट्ठा करने के लिए किया गया था। इस घटना के बाद पुलिस उन्हें ढूंढ़ने लगी, लेकिन हर बार बिस्मिल पुलिस को चकमा दे जाते। एक बार जब वे आगरा और दिल्ली के बीच लूटपाट की योजना बना रहे थे, तो पुलिस ने घेराबंदी करके गोलीबारी शुरू कर दी। फिर रामप्रसाद ने यमुना में छलांग लगा दी और पानी के नीचे-नीचे तैरते हुए पार हो गए। इस घटना को मैनपुरी षड्यंत्र के नाम से जाना जाता है। मैनपुरी षड्यंत्र का फैसला आने के बाद से बिस्मिल दो साल तक भूमिगत रहे। फिर 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के काकोरी नामक स्थान पर देशभक्तों ने रेलगाड़ी से ले जाए जा रहे खजाने को लूट लिया। इस घटना को अंजाम देने वालों में अशफाकउल्ला, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, सचींद्र सान्याल और रामप्रसाद बिस्मिल शामिल थे। इस घटना के बाद बिस्मिल को गिरफ्तार कर लिया गया, फिर उन पर मुकदमा चला और 19 दिसंबर, 1927 को गोरखपुर की जेल में उन्हें फांसी दे दी गई। ■

बेड़मी पूरी और आलू की भाजी

कई लोगों को लगता है कि कुछ चीजें सिर्फ रेस्तरां या बाहर की दुकानों पर अच्छी बनती हैं, उन्हीं में स्वाद अच्छा होता है। पर यह धारणा ठीक नहीं। घर में बना भोजन न सिर्फ सेहत की दृष्टि से अच्छा होता है, बल्कि, स्वाद में भी बाहर के खाने से कहीं बेहतर होता है। बेड़मी पूरी और कचौड़ी को लेकर भी कई लोगों का मानना है कि इन्हें घर में बनाना कठिन है। मगर जब कभी घर में दावत हो, बच्चों को कुछ अलग बना कर खिलाने का मन हो, तो बेड़मी पूरी और आलू की सब्जी बनाएं। बाजार से कहीं अधिक आनंद आएगा और आपकी यह धारणा भी टूटेगी कि यह व्यंजन बाहर की दुकानों पर अच्छा बनता है।

दाना-पानी

मानस मनोहर

बेड़मी पूरी

उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश आदि के अनेक इलाकों में सुबह के नाश्ते के तौर पर पूरी-कचौड़ी और सब्जी खाने का चलन है। उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर सुबह-सुबह नाश्ते के तौर पर पूरी-कचौड़ी की खूब बिक्री होती है। बेड़मी पूरी के साथ आमतौर पर आलू की रसेदार सब्जी परोसी जाती है। उत्तर प्रदेश और बिहार में इसके साथ सीताफल की खट्टी-मीठी सब्जी और चटनी भी परोसी जाती है। राजस्थान में इसके साथ गट्टे की सब्जी खाई जाती है। पर बेड़मी पूरी और आलू की सब्जी का मेल सर्वोत्तम माना जाता है।

बेड़मी पूरी बनाना थोड़ा-सा कौशल का काम है, पर मुश्किल नहीं। इसे बनाने के लिए पहले एक कप बिना छिलके वाली उड़द की दाल को मिक्सर में दरदरा पीस लें। फिर उसमें चुटकी भर हींग, एक चम्मच कुटी लाल मिर्च, एक चम्मच गरम मसाला, एक चम्मच धनिया पाउडर, एक चम्मच कसूरी मेथी और एक चम्मच दरदरी कुटी सौंफ डालें। जरूरत भर नमक डाल कर सारी सामग्री को ठीक से मिला लें। फिर गुनगुने पानी का छींटा देते हुए कड़ा गूंथ लें। इसे ढक कर सेट होने दें।

अब बेड़मी पूरी का आटा तैयार करें। इसके लिए दो कप आटा, एक कप मैदा और एक कप सूजी लें। इसमें आधा चम्मच नमक, एक चम्मच कसूरी मेथी, आधा चम्मच कुटी लाल मिर्च, आधा चम्मच कुटी सौंफ, आधा चम्मच अजवाइन डालें। ऊपर से दो चम्मच तेल और एक चम्मच घी डाल कर सारी सामग्री को हथेलियों से रगड़ते हुए मिला लें। अब गुनगुने पानी का छींटा मारते हुए कड़ा आटा गूंथ लें और इसे भी दस से पंद्रह मिनट सेट होने के लिए ढक कर रख दें।

गुंथी हुई उड़द दाल को एक बार हल्के हाथों से दबाते हुए गूंथ लें। अगर वह अधिक कड़ा है, तो गुनगुने पानी का छींटा मार कर थोड़ा नरम कर लें, ताकि जब उसे आटे में भरें, तो असुविधा न हो।

इसी तरह पंद्रह मिनट बाद आटे को खोल कर दुबारा गूंथ लें। आटा अधिक कड़ा है, तो उसमें पानी के छींटे मारते हुए हल्का नरम कर लें, ताकि बेलने में आसानी हो और पूरी फटे नहीं।

अब आटे की पूरी बनाने लायक लोइयां लें। उन्हें बीच से दबाते हुए गहरा करें और उनमें एक चम्मच से कुछ कम मात्रा में उड़द दाल का भरावन लें और उसकी गोलियां बनाते हुए डाल कर ठीक से बंद कर दें।

इन लोइयों को चकले पर रखें और सावधानी से पूड़ी बेल लें। ध्यान रखें कि भरावन की सामग्री आटे से बाहर न निकले।

फिर एक कड़ाही में तेल गरम करें। तेल ठीक से गरम हो जाए, तो आंच को मध्यम कर दें और एक एक कर पूरियां तल लें।

बाजार से भी स्वादिष्ट खस्ता बेड़मी पूरी तैयार है। जब भी बच्चों का जन्मदिन मनाएं या घर में कोई पार्टी रखें, बेड़मी पूरी और आलू की भाजी जरूर रखें। बच्चों से लेकर बड़े तक बड़े मन से खाते हैं।

आलू की भाजी

बेड़मी पूरी के साथ परोसी जाने वाली आलू की सब्जी रसेदार, थोड़ी खट्टी और चरपरी होती है। इसमें हींग की महक स्वाद को और बढ़ा देती है। इसलिए आलू की सब्जी बनाने के लिए पहले दो से तीन चुटकी हींग को आधा कटोरी पानी में भिगो कर रख दें।

इस सब्जी में प्याज और लहसुन का इस्तेमाल नहीं किया जाता। टमाटर का उपयोग किया जाता है। एक बड़े आकार के टमाटर को पीस लें या कद्दूकस कर लें। इसके अलावा दो चम्मच बेसन को हल्के तेल में सुनहरा भूरा होने तक भून कर रख लें। इससे तरी गाढ़ी बनती है।

अब चार-पांच मध्यम आकार के आलू उबाल लें।

कड़ाही में दो-तीन चम्मच सरसों तेल डालें और उसमें जीरा, अजवाइन, सौंफ, साबुत लाल मिर्च और चुटकी भर हींग का तड़का लगाएं। उसमें टमाटर डाल कर तब तक चलाएं, जब तक कि तेल न छोड़ने लगे। फिर भुना हुआ बेसन डालें और उसे चला लें। अब उबले और छिले हुए आलुओं को हाथ से दबा कर फोड़ते हुए डाल दें। उसमें कुटी लाल मिर्च, आधा चम्मच कुटी काली मिर्च और नमक डालें। दो से तीन गिलास पानी डालें और उबाल आने दें। जब सब्जी में उबाल आने लगे, तो उसमें एक से डेढ़ चम्मच गरम मसाला, एक चम्मच आमचूर और एक चम्मच कसूरी मेथी मसल कर डालें। इसके साथ ही कटोरी में भिगो कर रखे हींग का पानी भी डाल दें। सब्जी को दस मिनट उबलने दें। फिर ऊपर से हरा धनिया, हरी मिर्च और अदरख का लच्छा डाल कर सजाएं और बेड़मी पूरी के साथ गरमागरम परोसें। ■

बालों का घरेलू उपचार

सेहत

रोज की भागमभाग भरी जिंदगी में बालों की देखभाल करना थोड़ा मुश्किल काम है। ऊपर से प्रदूषण और तनाव भरी दिनचर्या बालों को कमजोर और बेजान बना देती है। नतीजतन, बाल टूटने-झड़ने और असमय सफेद होने लगते हैं। बालों के टूटने-झड़ने और असमय सफेद होने से हम परेशान तो खूब होते हैं, लेकिन इस संबंध में किसी केश विशेषज्ञ या चर्म रोग विशेषज्ञ की सलाह नहीं लेते। इसके कारण बाल दिन पर दिन और खराब होते चले जाते हैं।

हालांकि बालों के झड़ने का कोई एक कारण नहीं होता है। इसके कारणों में बाल की जड़ों का कमजोर होना, शरीर में पोषक तत्त्वों की कमी, तनाव, डैंड्रफ, बीमारी, त्वचा में संक्रमण के अलावा बदलते मौसम और प्रदूषण आदि शामिल हैं। वहीं कुछ लोगों में बालों का झड़ना या गंजापन आनुवंशिक भी होता है। बालों का टूटना हो या फिर झड़ना या फिर रूखा-सूखापन, इससे बचने और छुटकारा पाने में घरेलू उपचार मददगार होते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपके बाल भी घने, लंबे और काले रहें तो निम्नलिखित उपायों को जरूर आजमाएं -

एलोवेरा का प्रयोग

एलोवेरा जैल चेहरे और बालों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करता है। मजबूत और चमकदार बालों के लिए एलोवेरा जैल को अपने बालों की जड़ों पर लगाएं। इस जैल से बालों की जड़ों में मसाज करें। ऐसा हफ्ते में कम से कम दो बार जरूर करें। इससे बालों में चमक आएगी और बालों का झड़ना भी कम हो जाएगा।

प्रोटीन उपचार

बालों की देखभाल के लिए प्रोटीन उपचार लेना बहुत जरूरी है। इसके लिए एक अंडा लें और उसे फेंट कर गीले बालों में लगाएं। इसे पंद्रह मिनट तक बालों में लगा कर रखें और फिर पानी से धो लें।

तेल की मालिश

दफ्तर जाने के चक्कर में अक्सर महिलाएं बालों में तेल नहीं लगाती हैं। तेल न लगाने से बालों की नमी कम होती जाती है और बाल टूटने लगते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो जल्द से जल्द इस आदत को बदल डालें। सप्ताह में दो बार बालों में बादाम, जैतून या नारियल के तेल से अच्छी तरह मालिश करें। मालिश से बालों को पोषण मिलता है। तेल मालिश से बालों में नमी बनी रहती है, जिससे रूसी और टूटने की समस्या कम होती है।

मेथी का उपयोग

सब्जियों को एक अलग स्वाद देने वाली मेथी बालों को मजबूत बनाती है। अगर आप बाल झड़ने से परेशान हैं, तो मेथी दाने का इस्तेमाल करें। इससे बाल घने, चमकदार और मजबूत होते हैं। इसके लिए मेथी दाने को पीस कर पाउडर बना लें। फिर इस पाउडर में नारियल का तेल मिला कर अच्छा पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को बालों की जड़ों में लगाएं और मालिश करें। इससे बालों की झड़ने की समस्या दूर हो जाएगी।

दही है सही

दही से बालों को पोषण मिलता है। दही के इस्तेमाल से बालों का झड़ना, रूसी, खुश्की तो बंद होती ही है, बाल चमकदार भी बनते हैं। इसके लिए सबसे पहले बालों में अच्छी तरह दही लगा कर बालों को तीस मिनट के लिए छोड़ दें। जब बाल पूरी तरह सूख जाएं तो पानी से धो लीजिए।

दूध और केले का मिश्रण

घरेलू साम्रागी का प्रयोग कर कई तरह के मिश्रण बनाए जाते हैं। घरेलू मिश्रण से बालों की सेहत ठीक रहती है। इसके लिए एक कप दूध में कुछ बूंद जैतून का तेल, एक-दो बूंद शहद और पके हुए केले को अच्छी तरह मसल कर पेस्ट बना लें। फिर इसे पूरे बालों में अच्छी तरह से लगा कर एक घंटे के लिए रखें। इसके बाद बाल धो लें।

प्याज का रस

प्याज से न सिर्फ बालों का टूटना बंद होता है, बल्कि नए बाल भी निकलते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज को काटें और जूसर में डाल कर रस निकाल लें। फिर प्याज के रस को बालों की जड़ों में लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। तीस मिनट बाद बाल धो लें।

नारियल तेल और कढ़ी पत्ता

बालों का असमय सफेद होना हो या झड़ना, दोनों ही स्थितियों में कढ़ी पत्ते से लाभ होता है। कढ़ी पत्ते का इस्तेमाल नारियल तेल के साथ किया जाता है। इसके लिए नारियल तेल के साथ कढ़ी के पत्तों को दस मिनट तक उबालें। फिर तेल को ठंडा होने के बाद छान कर किसी बोतल में बंद कर रख लें। हफ्ते में दो-चार बार इस तेल से बालों की जड़ों में अच्छी तरह मालिश करें। फिर एक-दो घंटे बाद बालों को शैंपू से धो लें। इससे बाल चमकदार भी बनते हैं। ■

बढ़ाएं घर की खूबसूरती

घर बड़ा हो या छोटा, उसे सुंदर बनाने के लिए सृजनात्मक विचारों का होना अहम है, लेकिन हर व्यक्ति के भीतर सृजनात्मकता हो यह जरूरी नहीं है। इसीलिए आजकल घर सजाने के लिए आंतरिक सज्जाकार यानी इंटीरियर डिजाइनर की सलाह लेना आम बात हो गई है। अगर आप भी इस उधेड़बुन में हैं कि अपने छोटे से घर को कैसे सजाएं और घर के किस कोने में कौन-सी सजावटी वस्तुएं रखें, इन सारी बातों को ध्यान में रख कर सुझाव दे रही हैं अनुजा भट्ट।

आप अपने बनाए घर में रहते हैं या फिर फ्लैट में, उसे सजाने के लिए किसी न किसी विचार से प्रेरित जरूर होंगे। पर क्या आपका विचार या पसंद आपके घर के अनुरूप है, इसे सिर्फ आंतरिक सज्जा यानी इंटीरियर डिजाइनिंग से जाना जा सकता है। कई बार हमें किसी के घर की सजावट बहुत पसंद आ जाती है और हम बिना सोचे-विचारे उसकी नकल कर बैठते हैं। साथ ही यह भूल जाते हैं कि सभी घरों की बनावट एक-दूसरे से भिन्न होती है। यहां तक कि फ्लैट और निजी मकान की बनावट में भी काफी अंतर होता है।

महानगरों में अधिकतर लोग फ्लैट में रहते हैं। ये फ्लैट एक बेडरूम और एक हॉल यानी वन बीएचके से लेकर छह बीएचके तक हो सकते हैं। फ्लैट में सीमित जगह होती है और हरेक सामान के लिए एक निश्चित कोना बना होता है। वहीं इन फ्लैटों में जब असीमित सामान होता है, तो घर पूरी तरह से अस्त-व्यस्त नजर आता है। ऐसे में आप चाहें तो कम जगह का इस्तेमाल भी नियोजित तरीके से कर के अपने घर को आरामदायक और खूबसूरत बना सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर लिपिका सूद ने इस बारे में कुछ खास बातें बताई। जैसे दीवार, फर्नीचर, खिड़कियां सजावट के मुख्य आयाम हैं और इसी के आधार पर घर में रंग-रोगन से लेकर पर्दे तक का चुनाव किया जाता है।

दीवारों का रंग

- फ्लैट के कमरे छोटे होते हैं। छोटे कमरे के फर्श का रंग हल्के रंग का होना चाहिए। इसलिए फ्लैट के निर्माण के समय ही फर्श पर हल्के रंग के पत्थर या फिर टाइल्स लगवाएं।
- कमरे छोटे अच्छे नहीं लगते, इसलिए उन्हें बड़ा लुक देने के लिए हमेशा हल्के रंग का पेंट करवाएं। हल्का रंग होने से कमरा कम रोशनी में भी खुला-खुला और बड़ा-सा जान पड़ता है।
- कमरे को ज्यादा ऊंचा दिखाने के लिए सीलिंग पर फ्लोरोसैंट कलर के स्टिकर या वालपेपर का इस्तेमाल करें।
- लंबे समय से वन वॉल डार्क यानी कमरे की एक दीवार में चटक रंग का फैशन चल रहा है। लेकिन इस फैशन का प्रयोग छोटे कमरों में करने से बचें।
- अगर आप कमरे की दीवार को लेकर कुछ अलग करना चाहते हैं, तो एक ही रंग के दूसरे शेड का प्रयोग करें। ध्यान रखें कि दूसरा शेड हल्के रंग का होना चाहिए।

फर्नीचर की जगह

- छोटे कमरे के लिए स्टेटमैंट फर्नीचर का चुनाव करें। कमरे में छोटे-छोटे फर्नीचर की जगह ऐसा फर्नीचर का चयन करें, जो कम जगह घेरने के साथ बहु-कार्य में आएं और आपकी जरूरत को भी पूरा करें।
- कभी भी फर्नीचर को दीवार से सटा कर न रखें। ऐसा करने पर दीवारें खराब तो होती ही हैं साथ ही कमरा भी भरा-भरा-सा लगता है।
- बाजार में सोफा कम बेड और बेड बॉक्स तो पहले से ही आ रहे हैं। अब डाइनिंग टेबल, सोफासेट और कुछ मॉडुलर फर्नीचर ऐसे आने लगे हैं, जो जगह भी कम घेरते हैं और स्टोरेज का भी काम करते हैं।

सजावट करें कम

- कमरे में कलर थीम से मैच करती हुई ड्रैमेटिक पेंटिंग को लगाया जा सकता है। कमरे की कलर थीम से मैच पेंटिंग होने से कमरा भरा-भरा नहीं लगेगा।

- कमरे में टेबल पर फूलदान रखना पुराना चलन है। इसलिए टेबल को खाली रखें और कमरे के किसी कोने में एक सुंदर और आकार में बड़ा टैराकोटा, चीनी मिट्टी या धातु से बना पॉट वॉश या आर्टिकल सजा दें।
- दर्पण से सजावट यानी मिरर डेकोरेशन छोटे घरों के लिए एकदम सही है। अगर इसे सृजनात्मक तरीके से किया जाए तो घर बड़ा और खुला लगता है। यही नहीं, इससे घर की रौनक भी बढ़ जाती है।
- घर के ड्राइंग रूम की एक दीवार को मिरर पैनल से कवर करें।
- छोटे घरों में स्ट्रिप कारपेट का इस्तेमाल करना चाहिए, इससे कमरा लंबा नजर आता है।
- स्टूडियो फ्लैट में एक कमरे में ही हर कमरे की जरूरत का सामान रखना होता है। इसके लिए सबसे पहले एक ही कमरे में अलग-अलग काम के लिए जगह बांट लें। जगह के बंटवारे के लिए छोटे कारपेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। ये कारपेट सेपरेटर का काम करते हैं।
- बाजार में आ रहे डिवाइडर्स छोटे आशियानों के लिए अच्छा विकल्प हैं। इन्हें एक ही कमरे में अलग-अलग काम करने के लिए या निजता के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

खिड़की और दरवाजों की सज्जा

- कमरा छोटा हो, तो खिड़कियों को हर वक्त भारी भरकम पर्दों से ढंक कर न रखें। अगर हो सके तो इन खिड़कियों पर पर्दे न लगाएं, ऐसा करने से कमरे में रोशनी और हवा आएगी और कमरा तरोताजा लगेगा।
- छोटे कमरों में शिमरी पर्दे लगाएं। ये पारदर्शी होने के साथ-साथ बेहद आकर्षक होते हैं। इनमें भी हल्के रंग के पर्दों का ही इस्तेमाल करें।
- आजकल ग्लास के दरवाजे चलन में हैं। लकड़ी के दरवाजों की जगह सेमी ग्लास वाले दरवाजे घर में लगवाएं। इससे कमरा खुला-खुला नजर आएगा।

बत्तियों का चुनाव

- ऊपर लगने वाली बत्तियों यानी ओवरहेड लाइट्स का फैशन सदाबहार है, लेकिन कुछ नया प्रयोग करना चाहते हैं तो आप घर में नीचे लगने वाली यानी बिलो हेडलाइट्स की सेटिंग कराएं। इसके लिए फ्लोर लाइट्स, डिजाइनर लैंप्स और हैंगिंग लाइट्स का चयन करें।
- घर में सूरज की रोशनी का आना जरूरी है। इसलिए खिड़कियों पर ग्लास वर्क कराएं।
- कमरे में प्रकाश की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। जैसे बैडरूम में मध्यम रोशनी के लिए वॉल लैंप्स तो स्टडी रूम में ज्यादा रोशनी के लिए ओवरहेड लाइट्स का प्रयोग किया जाना चाहिए।
- आपका भोजन कक्ष कितना भी छोटा क्यों न हो, आप डाइनिंग टेबल पर लटकने वाली बत्ती यानी हैंगिंग लाइट लगा कर सिर्फ उतने ही भाग को फोकस करेंगे, तो कमरे का आकार छोटा है या बड़ा है, यह पता नहीं चलेगा।

इन सभी बातों को ध्यान में रख कर आप घर को सुंदर बना सकते हैं।

इन सभी विकल्पों पर विचार करते समय अपने बजट का ध्यान रखना भी बेहद आवश्यक है। आप जब भी घर की सजावट के लिए इंटीरियर डिजाइनर से बात करें तो उन्हें सबसे पहले अपने बजट के बारे में बताएं। ताकि वह बजट के अनुसार ही घर की साज-सज्जा करे। ❑

नन्ही दुनिया

कहानी

दूसरी अमृता

आशा शर्मा

दस साल की सुगनी को पेड़-पौधों से बहुत प्यार है। खासकर घर के बाहर लगे नीम के पेड़ में तो उसकी जान ही बसती है। वह इस पेड़ से दोस्त की तरह बतियाती है। स्कूल से घर लौटने के बाद इसी के नीचे बने लाल सीमेंट के गट्टे पर उसका और उसके दोस्तों का डेरा जमता है। वे सब यहीं बैठ कर अपना होमवर्क करते हैं। इसी गट्टे पर तरह-तरह के खेल खेलते हैं। नीम की बड़ी-बड़ी नीचे तक झूलती लचीली डालियों पर बंदर की तरह लटकना इन बच्चों का प्रिय शगल है।

आज सुबह जब वह स्कूल जाने के लिए घर से निकल रही थी तो उसने जो सुना उस पर सहसा उसके कानों को विश्वास नहीं हुआ। 'सोचता हूं कि इस नीम के पेड़ को अब कटवा ही दूं।' सुगनी के बाबा उसकी मां से कह रहे थे।

'क्यों भला? यह तो आपने सुगनी के पैदा होने पर लगाया था न!' मां ने पूछा। बाबा का जवाब सुनने के लिए सुगनी ने भी अपने कान उधर लगा दिए।

'हां! लेकिन इस बार फसल ठीक हुई है, तो सोचता हूं कि घर में दो कमरे और बनवा लेते हैं... लेकिन यह नीम का पेड़ बीच में आ रहा है। इसे कटवा देंगे तो काफी सारी खुली जगह निकल आएगी।' बाबा ने कारण बताया।

नीम के कटने की बात सुन कर सुगनी को बहुत बुरा लगा। वह अनमनी-सी स्कूल तो चली गई, लेकिन उसका पढ़ाई में मन बिल्कुल नहीं लगा। क्या करे, कैसे बचाए अपने दोस्त को, सुगनी इसी सोच में डूबी रही। आधी छुट्टी की घंटी बजी और सब बच्चे 'मिड डे मील' के लिए लाइन में लग गए।

'बच्चो! खाना खाने के बाद सबको बड़े वाले हॉल में इकट्ठा होना है। आज शनिवार है और हम बालसभा करने वाले हैं। आज आप लोगों को एक नाटक दिखाया जाएगा।' विकास सर के इतना कहते ही बच्चे खुशी के मारे अपनी प्लेटें बजाने लगे, लेकिन सुगनी अब भी उदास थी। उसकी आंखों के सामने नीम का पेड़ घूम रहा था।

सब बच्चे हॉल में जमा हो गए। सामने की तरफ बने मंच पर पर्दा लगा था, नाटक यहीं मंचित होना था। पर्दा खुलता है। यह एक राज दरबार का दृश्य है।

'सन 1787 की बात है। जोधपुर के महाराजा अभय सिंह के महल मेहराण गढ़ में फूलमहल नाम के राजभवन का निर्माण कार्य चल रहा है।' पर्दे के पीछे विकास सर की आवाज गूंजी। मंच पर हलचल होती है।

'मंत्री जी! महल में बेहतरीन लकड़ी का इस्तेमाल होना चाहिए।' महाराज ने आदेश दिया।

'जी महाराज! हमने खोज कर ली है। यहां से चौबीस किलोमीटर दूर खेजड़ली गांव में सबसे बढ़िया खेजड़ी के पेड़ हैं। लकड़ी वहीं से लाई जाएगी।' मंत्री ने सिर झुका कर कहा। पर्दे पर फिर से दृश्य बदला।

मंत्री अपने सिपाहियों के साथ खेजड़ली गांव में रामू खोड के खेत में पेड़ कटवाने की तैयारी कर रहा है।

'ठक-ठक' की आवाज सुन कर रामू की पत्नी अमृता घर से बाहर आती है। 'नहीं-नहीं! तुम इन पेड़ों को नहीं काट सकते... हमारे गुरु जांभोजी ने सिखाया है कि सिर साटै रूंख बचै तो भी सस्तो जाण... हरे पेड़ों को काटना पाप है।' अमृता ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन सिपाहियों ने उसे धक्का देकर परे कर दिया। अभी सिपाही पेड़ पर कुल्हाड़ी चलाने ही वाला था कि अमृता उस पेड़ से लिपट गई। सिपाही ने उसे हटाने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह टस से मस नहीं हुई।

'चाहे मेरी जान चली जाए, लेकिन मैं ये हरे पेड़ नहीं काटने दूंगी... पेड़ को काटने से पहले तुम्हें मेरे शरीर को काटना होगा।' अमृता ने और भी ज्यादा कस कर पेड़ को पकड़ लिया।

'काट दो इसे भी...' मंत्री गुस्से में चिल्लाया।

बच्चे दम साधे मंच की तरफ आंख गड़ाए बैठे थे। सिपाही ने जोश में आकर कुल्हाड़ी हवा में लहराई। हॉल में चुप्पी पसरी थी... 'खच्चाक' की आवाज के साथ अमृता का हाथ कट कर नीचे गिरा। खून ही खून बिखर गया। लाल पानी के कुछ छींटे सुगनी के मुंह पर भी गिरे। इसके साथ ही सुगनी की चीख पूरे हॉल में गूंज गई...

मंच पर अमृता का शरीर टुकड़ों-टुकड़ों में कटा इधर-उधर बिखरा हुआ दिखाई दिया। लेकिन पेड़ अभी खड़ा था। सिपाही उसके कटे शरीर को लात मार कर परे कर देता है और पेड़ पर फिर से कुल्हाड़ी तानता है, लेकिन यह क्या! इस बार अमृता की तीनों बेटियां पेड़ से लिपट गईं।

'इन्हें भी इनकी मां के पास पहुंचा दो।' गुस्साए मंत्री ने आदेश दिया और खच्च... खच्च... खच्च... बेरहम सिपाहियों ने उन्हें भी गाजर-मूली की तरह काट डाला।

एक तरफ पेड़ को काटने की और दूसरी तरफ पेड़ को बचाने की जिद। देखें किसकी जीत होती है! बच्चों का कौतूहल बढ़ता जा रहा था। साथ ही उनकी सिसकियां भी।

'क्या सचमुच पेड़ नहीं बच पाएगा? सुगनी की आंखों के सामने उसका नीम का पेड़ घूम गया। उसकी हिचकी बंध गई। पर्दे पर फिर से दृश्य बदला। पूरे गांव में यह खबर आग की तरह फैल गई। अब मंच पर एक पेड़ नहीं, बल्कि पूरा खेत दिखाई दे रहा था और हरेक पेड़ से लिपटा एक मनुष्य... 'सिर साटै रूंख बचै तो भी सस्तो जाण...' सब मनुष्य एक साथ गरजे।

'काट डालो एक-एक को।' जिद पर अड़ा मंत्री जोर से चीखा।

और फिर गुरु जांभोजी के बताए रास्ते पर चलते हुए एक-एक कर पूरे तीन सौ तिरसठ लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपनी जान दे दी, लेकिन पेड़ नहीं कटने दिए। पूरा मंच नकली खून और कटे हुए नकली मानव अंगों से अट गया। सब कुछ नकली था, लेकिन बच्चों के आंसू असली थे।

नाटक खत्म हुआ। बच्चों के साथ सुगनी भी अपनी आंखें पोंछती हुई हॉल से बाहर आई। अब उसके चेहरे पर मुस्कान थी। शायद उसे अपने दोस्त को बचाने का तरीका मिल गया था।

'अरे सुगनी! आज खाना नहीं खाएगी क्या? कब से पेड़ पर टंगी बैठी है!' मां ने उसे आवाज लगाई।

'मां! जब तक आप इस पेड़ को न काटने का वादा बाबा से नहीं करवाती, तब तक मैं नीचे नहीं उतरूंगी।' सुगनी ऊपर से ही चिल्लाई।

'लो, कर लो बात! अब यह क्या नई जिद हुई भला! आने दो बाबा को, चोटी पकड़ के नीचे उतारेंगे।' मां बड़बड़ाती हुई चली गई।

शाम को बाबा खेत से आए तो सुगनी की जिद के बारे में पता चला। 'सुगनी! जिद नहीं करते बेटा। कमरे बनवाने के लिए इस पेड़ को काटना बहुत जरूरी है। इसे काट कर हम दूसरा पेड़ लगा लेंगे।' बाबा ने उसे समझाया।

'नहीं बाबा! मैं आपको यह पेड़ नहीं काटने दूंगी। अगर आपने मेरे दोस्त पर कुल्हाड़ी चलवाई या मुझे जबर्दस्ती नीचे उतारने की कोशिश की तो मैं यहीं से नीच कूद जाऊंगी। फिर चाहे मेरी टांग टूटे या माथा फूटे या फिर जान ही क्यों न चली जाए।' सुगनी अपनी जिद पर अड़ी रही। शोर सुन कर सुगनी के दोस्त भी आ गए और सब के सब पेड़ पर चढ़ कर बैठ गए। 'सुगनी सही कहती है। हम यह पेड़ नहीं काटने देंगे। यह हमारा दोस्त है।' सब बच्चे चिल्लाने लगे। बात आग की तरह फैल गई और देखते ही देखते पूरा गांव नीम के पेड़ के इर्दगिर्द जमा हो गया।

सब सुगनी को समझाते रहे, पर वह नहीं मानी। उसने नाटक में जो देखा था वह सब बता दिया। अमृता देवी की कहानी सुना दी। सुगनी की बात सुन कर बाबा सोच में डूब गए। फिर मुस्कुराने लगे, 'अच्छा ठीक है मेरी दूसरी अमृता देवी, नहीं कटेगा तुम्हारा दोस्त। अब तो नीचे उतर आ। कबसे दोस्त की पीठ पर लदी बैठी है! यह बेचारा भी थक गया होगा।'

'सिर साटै रूंख बचै...' सुगनी जोर से बोली।

'तो भी सस्तो जाण...' बाकी की लाइन उसके दोस्तों ने पूरी की। फिर धम्म धम्म करते सारे बच्चे नीचे कूद गए। सुगनी भी नीचे आ गई और सब बच्चे नीम के पेड़ से लिपट गए। ❑

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

नन्ही गौरैया

बहुत दिनों के बाद
दिखाई दी मुझको गौरैया।

पहले पेड़ बहुत थे
रहती जिन पर बना ठिकाना
घर में सुबह शाम होता था
इसका आना-जाना

कभी-कभी घर के भीतर भी
थी घोंसले बनाती
उसमें अपने अंडे रखती
फिर फुर्र-से उड़ जाती

पूरे दिन रहता था
बाहर जाना, वापस आना
और घोंसले में दाने को
रखना और उठाना

अंडों से बाहर आते जब
उसके बच्चे प्यारे
दिन भर चीं-चीं चूं-चूं
करते थे सारे के सारे

गौरैया बच्चों को
दाने मुंह मे डाल चुगाती
कभी घोंसले में रहती थी
और कभी उड़ जाती

आज दिखाई दी है तो
मैं सोच रहा हूं भैया
कहां घोंसला बना सकेगी
यह नन्ही गौरैया! ❑

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

कड़ाई / कड़ाही/ कढ़ाई

किसी काम के मामले में सख्ती बरतने को **कड़ाई** कहते हैं, जबकि **कड़ाही** एक प्रकार का बरतन होता है, जिसमें सब्जी, पूड़ी वगैरह बनाई जाती है। इसी तरह रंगीन धागों से कपड़े वगैरह पर चित्र आदि उकेरने की कला या उस काम को **कढ़ाई** कहते हैं।

प्राय / प्रायः

समान, बराबर, लगभग के लिए **प्राय** शब्द का प्रयोग होता है, जैसे लुप्तप्राय, इसी तरह प्राय किसी शब्द के पहले लग कर बराबर का अर्थ दोता है, जैसे प्रायद्वीप। जबकि **प्रायः** का अर्थ होता है अकसर, करीब-करीब।